ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

नवंबर में राज्य में राजनीतिक घटनाक्रम निश्चित है: बी.वाई. विजयेंद्र @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शनिवार, 19 जुलाई, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-198

पीएम मोदी ने बिहार को दी 7200 करोड़ की विकास योजनाओं की सौगात

मोतिहारी, 18 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिहार के मोतिहारी में राज्य की सड़क, रेल, ग्रामीण विकास, मत्स्य पालन, इलेक्ट्रॉनिक और सूचना प्रौद्योगिकी से जुड़ी 7200 करोड़ रुपए से अधिक की विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया है।

श्री मोदी ने शुक्रवार को यहां आयोजित समारोह में सड़क अवसंरचना को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग-319 के आरा बाईपास के 4-लेन निर्माण की आधारशिला रखी। यह आरा-मोहनिया राष्ट्रीय राजमार्ग-319 और पटना-बक्सर राष्ट्रीय राजमार्ग-922 को जोड़ता है, जिससे निर्बाध संपर्क सुनिश्चित होगा और यात्रा का समय कम होगा। प्रधानमंत्री ने 820 करोड़ रुपए से अधिक लागत की राष्ट्रीय राजमार्ग-319 के परारिया से मोहनिया खंड के 4-लेन का भी उद्घाटन किया। यह राष्ट्रीय राजमार्ग-319 का ही एक हिस्सा है जो आरा शहर को राष्ट्रीय राजमार्ग-02 (स्वर्णिम चतुर्भुज) से जोड़ता है। इससे माल और यात्री यातायात में सुधार होगा। इसके अलावा, राष्ट्रीय राजमार्ग-333 सी पर सरवन से चकाई तक पक्की सड़क के साथ 2-लेन का निर्माण की आधारशिला रखी। इसके राजमार्ग के बनने पर माल और लोगों की आवाजाही सुगम होगी और बिहार और झारखंड के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में काम करेगा।

कांग्रेस के शोषण से मुक्त हुआ बिहार

प्रधानमंत्री ने दरभंगा में भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क (एसटीपीआई) सुविधा और आईटी/आईटीईएस/ईएसडीएम उद्योग और स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए पटना में निर्मित एसटीपीआई की अत्याधुनिक इनक्यूबेशन केंद्र का उद्घाटन किया। यह केद्र आईटी सॉफ्टवेयर और सेवा निर्यात को बढ़ावा देने में मदद करेगा। यह नवोदित उद्यमियों के लिए तकनीकी स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र का पोषण भी करेगा, नवाचार, आईपीआर और उत्पाद विकास को प्रोत्साहित करेगा।

बिहार में मत्स्य पालन और जलीय कृषि क्षेत्र को मजबूत करने की दिशा में एक बड़े कदम के रूप में श्री मोदी ने प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) के तहत स्वीकृत मत्स्य विकास परियोजनाओं की एक श्रृंखला का उद्घाटन किया। यह राज्य के विभिन्न जिलों में नई मछली हैचरी, बायोफ्लोक इकाइयों, सजावटी मछली पालन, एकीकृत जलीय कृषि इकाइयों और मछली चारा मिलों सहित आधुनिक मत्स्य पालन बुनियादी ढांचे बढ़ावा देगा। प्रधानमंत्री ने राजेंद्र नगर टर्मिनल (पटना) से नयी दिल्ली, बापूधाम मोतिहारी से दिल्ली (आनंद विहार टर्मिनल), दरभंगा से लखनऊ (गोमती नगर) और मालदा टाउन से भागलपुर होते हुए लखनऊ (गोमती नगर) के बीच चार नयी अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

उन्होंने दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (डीएवाई-एनआरएलएम) के तहत बिहार में लगभग 61,500 स्वयं सहायता समूहों को 400 करोड़ रुपए की सौगात दी। इसमें महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास पर विशेष ध्यान देते हुए, 10 करोड़ से अधिक महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) से जोड़ा गया है। ▶10पर

भाजपा ने पश्चिम बंगाल के लिए बड़े सपने देखे हैं : मोदी

दुर्गापुर (पश्चिम बंगाल), 18 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पश्चिम बंगाल के लिए बड़े सपने देखे हैं और वह एक 'समृद्ध पश्चिम बंगाल' का निर्माण करना चाहती है। श्री मोदी ने राज्य के औद्योगिक शहर दुर्गापुर में आज 5400 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि यह सारी परियोजनाएं भाजपा के इस सपने को साकार करने का प्रयास हैं। उन्होंने कहा, दुर्गापुर स्टील सिटी होने के साथ ही भारत की श्रम शक्ति का भी एक बड़ा केंद्र है। भारत के विकास में दुर्गापुर की बहुत बड़ी भूमिका है और आज इस शहर की इसी भूमिका को मजबूत करने का हमें अवसर मिला है। श्री मोदी ने कहा कि आज जिन परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास हुआ है उनसे दुर्गापुर की संपर्क सुविधाओं को मजबूती मिलेगी और यहां गैस आधारित परिवहन तथा गैस आधारित अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा।

उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया में विकसित भारत के संकल्प की चर्चा है। इसके पीछे भारत में दिख रहे वे बदलाव हैं जिन पर विकसित भारत की इमारत का निर्माण हो रहा है। इन बदलाव का एक पहलू भारत में विकसित हो रही अवसंरचनात्मक सुविधाएं हैं।प्रधानमंत्री ने कहा, हमें 2047 तक भारत को विकसित बनाना है। हमारा रास्ता है: विकास से सशक्तीकरण,रोजगार से आत्मनिर्भरता और संवेदनशीलता से सुशासन!

श्री मोदी ने कहा कि पिछले 10 साल में उनकी सरकार ने भारत में गैस पहुंचाने की सुविधाओं के विस्तार के लिए बहुत से कार्य किए हैं। पिछले दशक में रसोई गैस हर घर में पहुंच गई है, दुनिया इसकी सराहना कर रही है। एक देश, एक गैस ग्रिड और प्रधानमंत्री ऊर्जा गंगा योजना पर काम चल रहा है। ▶10पर

अमेरिका ने टीआरएफ को आतंकी संगठन घोषित किया

आतंकवाद के लिए जीरो टॉलरेंस : जयशंकर

वॉशिंगटन डीसी, 18 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका ने पाकिस्तान समर्थित द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) को विदेशी आतंकवादी संगठन और विशेष रूप से नामित वैश्विक आतंकवादी की लिस्ट में डाल दिया है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने शुक्रवार को बयान जारी कर इसकी जानकारी दी।

मार्को रुबियो ने बयान में लिखा, लश्कर-ए-तैयबा का एक मुखौटा और प्रॉक्सी, टीआरएफ ने 22 अप्रैल, 2025 को भारत के पहलगाम में हुए हमले की जिम्मेदारी ली थी, जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे। यह 2008 में मुंबई हमलों के बाद लश्कर का भारत में नागरिकों पर किया गया सबसे घातक हमला था।

टीआरएफ ने भारतीय सुरक्षा बलों पर कई हमलों की जिम्मेदारी भी ली है, जिनमें 2024 का हमला भी शामिल है। अमेरिकी सरकार का यह फैसला राष्ट्रपति ट्रम्प की तरफ से पहलगाम हमले के लिए न्याय दिलाने की कोशिश है। यह कदम दिखाता है कि ट्रम्प सरकार देश की सुरक्षा को लेकर गंभीर है और आतंकवाद के खिलाफ मजबूती से खड़ी है।

टीआरएफ एक आतंकी संगठन है जो मुख्य रूप से जम्मू-कश्मीर में सक्रिय है। यह अक्सर ऐसे लोगों को भर्ती करता है जो आम नागरिकों जैसे दिखते हैं, लेकिन गुप्त रूप से आतंकी गतिविधियों में शामिल होते हैं। इन्हें हाइब्रिड आतंकवादी कहा जाता है। भारत सरकार ने 5 जनवरी, 2023 को ढठऋ को आतंकी संगठन घोषित किया था।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने टीआरएफ पर अमेरिकी प्रतिबंध के बाद एक्स पर लिखा, भारत-अमेरिका आतंकवाद विरोधी सहयोग की मजबूत पुष्टि हुई है।

विदेश मंत्री मार्को रुबियो को धन्यवाद कि उन्होंने टीआरएफ (लश्कर-ए-तैयबा का एक प्रॉक्सी संगठन) को विदेशी आतंकी संगठन और विशेष रूप से नामित वैश्विक आतंकी (एसडीजीटी) घोषित किया। टीआरएफ ने 22 अप्रैल को पहलगाम हमले की जिम्मेदारी ली थी। आतंकवाद के लिए जीरो टॉलरेंस।

छत्तीसगढ़ शराब घोटाला

पूर्व सीएम भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य को ईडी ने किया गिरफ्तार

रायपुर, 18 जुलाई (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को गिरफ्तार कर लिया है। ईडी ने छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में शुक्रवार को छापेमारी की। फिलहाल चैतन्य बघेल को गिरफ्तार किया गया है। ईडी ने भूपेश बघेल के बेटे पर कार्रवाई करते हुए शुक्रवार को भिलाई स्थित निवास पर छापा मारा था। कुछ घंटे की गहन तलाशी के बाद चैतन्य बघेल की गिरफ्तारी की गई। बता दें कि चैतन्य बघेल को उनके जन्मदिन के दिन गिरफ्तार किया गया है।

चैतन्य बघेल की गिरफ्तारी के समय कांग्रेस कार्यकर्ता भिलाई में पुलिस से भिड़ गए। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पुलिसकर्मियों के साथ झड़प की और ईडी के वाहनों को रोकने की कोशिश की।

यह गिरफ्तारी उस समय हुई जब पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल छत्तीसगढ़ विधानसभा में थे। ईडी की कार्रवाई के विरोध में विधानसभा में कांग्रेस विधायकों ने हंगामा किया। सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए विपक्ष के सदस्यों ने सदन में नारेबाजी की।

कथित शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में ईडी की छापेमारी पर कांग्रेस ने भी सवाल उठाए। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कांग्रेस की तरफ से पोस्ट में लिखा गया, छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के घर ईडी भेज दी गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ईडी, सीबीआई और आयकर विभाग को अपने पालतू की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं। विपक्ष का जो भी नेता उनके भ्रष्टाचार के खिलाफ बोलता है, उस पर छापे डलवा दिए जाते हैं। ▶10पर

नौसेना में शामिल हुआ स्वदेशी डाइविंग सपोर्ट वेसल आईएनएस निस्तार

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)।

भारत का पहला स्वदेशी डाइविंग सपोर्ट वेसल आईएनएस निस्तार शुक्रवार को भारतीय नौसेना में औपचारिक रूप से शामिल किया गया। यह जहाज गहरे समुद्र में जटिल डाइविंग और बचाव अभियानों के लिए बनाया गया है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, यह क्षमता दुनिया की कुछ ही नौसेनाओं के पास है।

आईएनएस निस्तार की कमीशनिंग से भारतीय नौसेना की फर्स्ट रिस्पांडर की भूमिका को और अधिक मजबूती मिली है। विशाखापटनम में आयोजित एक भव्य समारोह में रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ की उपस्थिति में यह कमीशनिंग सम्पन्न हुई। यह पोत हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा बनाए जा रहे दो डाइविंग सपोर्ट वेसल्स में से एक है।

संजय सेठ ने नौसेना और स्वदेशी शिपबिल्डिंग उद्योग की सराहना करते हुए कहा कि आईएनएस निस्तार का कमीशनिंग एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो आत्मनिर्भर भारत अभियान की सफलता का प्रतीक है। वर्तमान में भारतीय नौसेना के लिए निर्माणाधीन सभी 57 युद्धपोत स्वदेशी रूप से निर्मित किए जा रहे हैं। देश की सशस्त्र सेनाओं की क्षमताओं पर विश्वास जताते हुए उन्होंने कहा कि भारत अपने किसी भी प्रतिद्वंद्वी की दुस्साहसी गतिविधियों से निपटने के लिए पूरी तरह सक्षम और प्रतिबद्ध है।

नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने आईएनएस निस्तार को केवल एक तकनीकी संसाधन नहीं, बल्कि एक महत्वपूर्ण परिचालन सहायक करार दिया। उन्होंने कहा कि निस्तार भारतीय नौसेना और हमारे क्षेत्रीय साझेदारों को पनडुब्बी बचाव सहयोग प्रदान करेगा और भारत को इस क्षेत्र में एक प्रेफ्रड सबमरीन ▶10पर

इंडी गठबंधन से अलग हुई आपा

संसद में विपक्ष की आवाज को लगा तगड़ा झटका

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)।

संसद के मानसून सत्र से पहले आम आदमी पार्टी ने इंडी गठबंधन से अपने सभी संबंध पूरी तरह से खत्म कर लिए हैं। आम आदमी पार्टी के इस सियासी कदम से संसद में विपक्ष की एकजुट आवाज कमजोर पड़ने की उम्मीद है। बता दें कि लोकसभा चुनाव 2024 के बाद केजरीवाल की पार्टी ने इस गठबंधन से दूरी बना ली थी। संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू होकर 21 अगस्त तक चलेगा। पहले यह सत्र 12 अगस्त तक के लिए निर्धारित था, लेकिन मोदी सरकार ने इसे एक सप्ताह बढ़ा दिया है। सदन में मोदी सरकार को घेरने के लिए इंडी गठबंधन ने रणनीति तैयार करने के लिए शुक्रवार शाम को ऑनलाइन बैठक बुलाई है। शनिवार को दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर गठबंधन की बैठक बुलाई गई है, जिसमें आम आदमी पार्टी हिस्सा नहीं लेगी। इस तरह से आम आदमी पार्टी ने इंडी गठबंधन से पूरी तरह रिश्ता खत्म कर लिया है। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता संजय सिंह ने साफ कहा कि उनकी पार्टी इंडिया गठबंधन की बैठकों में शामिल नहीं होगी। आम आदमी पार्टी नेता ने कहा कि हमारी पार्टी और अरविंद केजरीवाल ने पहले ही साफ कर दिया है कि हम इंडिया गठबंधन से बाहर हैं। राज्यसभा सांसद ने कहा कि आम आदमी पार्टी संसदीय मुद्दों पर टीएमसी और डीएमके जैसे विपक्षी दलों के साथ समन्वय बनाए रखेगी और उनका समर्थन करेगी, जैसा कि ये दल आम आदमी पार्टी का समर्थन करते हैं। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने बताया कि इंडिया गठबंधन केवल लोकसभा चुनाव के लिए था। इसके बाद आम आदमी पार्टी ने हरियाणा और दिल्ली विधानसभा चुनावों के साथ-साथ पंजाब और गुजरात के उपचुनावों में अकेले हिस्सा लिया। ▶10पर

छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में 6 नक्सली ढेर

मौके से भारी मात्रा में हथियार बरामद

नारायणपुर, 18 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर ज़िले में सुरक्षा बलों ने कम से कम छह नक्सलियों को मार गिराया है। इसकी जानकारी पुलिस ने दी है। समाचार एजेंसी पीटीआई से बात करते हुए एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि अबूझमाड़ क्षेत्र के जंगल में शुक्रवार दोपहर सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। क्षेत्र में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने संयुक्त अभियान शुरू किया था। बस्तर क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी ने बताया कि नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ क्षेत्र में माओवादियों की मौजूदगी की जानकारी के आधार पर सुरक्षाबलों के संयुक्त दलों को नक्सल विरोधी अभियान पर भेजा गया था। सुंदरराज ने बताया कि अभियान के दौरान आज दोपहर से सुरक्षाबलों और माओवादियों के बीच रुक-रुक कर मुठभेड़ चल रही है। उन्होंने बताया कि अब तक तलाशी अभियान के दौरान मुठभेड़ स्थल से छह नक्सलियों के शव, एके-47 और एसएलआर राइफल, कई अन्य हथियार, विस्फोटक सामग्री तथा दैनिक उपयोग की वस्तुएं बरामद की गई हैं।

पुलिस महानिरीक्षक ने बताया कि अभियान अभी जारी है, इसलिए इसमें शामिल जवानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अधिक जानकारी साझा नहीं की जा सकती। उन्होंने बताया कि अभियान पूरा होने के बाद इस संबंध में विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

इससे पहले पिछले सप्ताह नारायणपुर जिले में 22 नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया था। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में से कुछ पर कुल 37.50 लाख रुपएका इनाम था। आत्मसमर्पण करने वाले 22 नक्सलियों में आठ महिला ▶10पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,01,160/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 1,14,350/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 30°

न्यूनतम : 20°

उत्तराखंड में सरकारी कर्मियों के लिए गजब फरमान

5 हजार का लिया सामान तो साहब को बताना होगा

देहरादून, 18 जुलाई (एजेंसियां)। पत्नी के लिए साड़ी खरीदनी हो या बच्चे के लिए कपड़े... उत्तराखंड में सरकारी कर्मचारी 5 हजार से ऊपर की कोई खरीदारी करता है तो उसे अपने विभागाध्यक्ष से इसकी अनुमति लेनी होगी। इस अजब-गजब आदेश के लिए बाकायदा सरकारी आदेश भी जारी किया है। आदेश में लिखा गया है कि कोई सरकारी कर्मचारी जो अपने एक महीने के वेतन अथवा 5,000 रुपए, जो भी कम हो, से अधिक मूल्य की किसी चल सम्पत्ति के संबंध में क्रय-विक्रय के रूप में या अन्य प्रकार से कोई व्यवहार करता है, तो ऐसे व्यवहार की रिपोर्ट तुरन्त समुचित प्राधिकारी को करेगा। जब से ये आदेश जारी हुआ है तब से उत्तराखंड के सरकारी कर्मचारी

ये सोचने को मजबूर है, इस आदेश को क्या समझा जाए? जैसा कि आदेश में लिखा हुआ है उसके हिसाब से अब वो न तो बच्चों के कपड़े खरीद पाएंगे और ना ही पत्नी के लिए साड़ी। पत्नी के लिए आभूषण हो या फिर बच्चों के ▶10पर

क्या जस्टिस वर्मा के खिलाफ चलेगा महाभियोग?

संसद के पास है जजों को हटाने की ताकत : कानून मंत्री

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)। जस्टिस यशवंत वर्मा के घर पर जले हुए नोटों के विवाद के बाद सुप्रीम कोर्ट की प्राइमरी जांच में उन्हें दोषी बताया गया था। उन्हें इस्तीफा देने या फिर महाभियोग का सामना करने का विकल्प दिया गया था। जस्टिस वर्मा ने इस रिपोर्ट को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। ऐसे में वक्त में जब जस्टिस वर्मा के खिलाफ संसद में महाभियोग प्रस्ताव पेश होने का अनुमान है, तो इस दौरान ही केंद्रीय कानून मंत्री ने जजों को पद से हटाने को लेकर बड़ा बयान दिया है।दरअसल, न्यूज एजेंसी को दिए एक इंटरव्यू में केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा है कि सुप्रीम कोर्ट या हाई कोर्ट के जजों को उनके पद से हटाने का अधिकार देश की संसद के पास

है, जो कि एक संवैधानिक अधिकार हैं। उन्होंने कहा कि जजों के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाना है या नहीं, यह अधिकार संसद के पास ही हैं।

केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने इस मामले में जोर देक कहा कि महाभियोग ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

महिला व्यवसाय रेफरल समूह जेबीएन वी. कनेक्ट की बैठक का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जेबीएन वी. कनेक्ट के चतुर्थ कार्यकाल की बैठक राजाजीनगर स्थित जीतो बेंगलूरु नॉर्थ ऑफिस में सफलतापूर्वक आयोजित की गई।

इस बैठक की गरिमा को जेएलडब्ल्यू की चेयरपर्सन लक्ष्मी बाफना, मुख्य सचिव रक्षा छाजेड़, संयुक्त सचिव मीना बडेरा, राष्ट्रीय संयोजिका (आत्मनिर्भर) बिंदु रायसोनी तथा राष्ट्रीय संयोजिका (श्रमण आरोग्य) सुनीता गांधी की विशेष उपस्थिति ने बढ़ाई। बैठक के मुख्य वक्ता नील पारेख (संस्थापक, अंसान कैपिटल वित्तीय सलाहकार) रहे, जिन्होंने ज्ञान में किया गया निवेश सबसे उत्तम ब्याज देता है इस विचार को आत्मसात करते हुए बेहद प्रेरणादायक सत्र प्रस्तुत किया। उन्होंने अमीरी व मध्यम वर्ग की मानसिकता में अंतर, संपत्ति निर्माण की योजना, सक्रिय एवं निष्क्रिय आय, पैसे से पैसा कैसे कमाएं, वित्तीय लक्ष्य निर्धारण और व्यापारिक सोच की स्पष्टता जैसे विषयों पर व्यावहारिक दृष्टिकोण और जीवन से जुड़े उदाहरणों के माध्यम से विचार साझा किए। इसके पश्चात सीए सुखदेवी जैन (सीएस जैन एंड कंपनी की सह-संस्थापक एवं पार्टनर) ने 8-मिनट के बिजनेस प्रजेंटेशन में यह दर्शाया कि एक चार्टर्ड अकाउंटेंट केवल आँकड़ों तक सीमित न होकर विश्वास, दूरदर्शिता और वित्तीय स्पष्टता का प्रतीक होता है।

उन्होंने टैक्स प्लानिंग, ऑडिट, वित्तीय रिपोर्टिंग और नियामकीय अनुपालन की व्यावसायिक भूमिका को सरल और स्पष्ट रूप में प्रस्तुत किया। एजुकेशनल स्लॉट में दीपिका जैन ने 30-सेकंड बिजनेस पिच की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए सदस्यों को अपने व्यवसाय को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करने की कला सिखाई। इस कार्यक्रम का कुशल संचालन रेफरल हेड मीना जैन, रेफरल लीड लीला पितलिया और रेफरल सचिव सीए सुखदेवी जैन ने किया। सभी सदस्यों को 30-सेकंड पिच के माध्यम से अपने व्यवसाय को साझा करने और आपसी नेटवर्क को सशक्त करने का अवसर प्राप्त हुआ। बैठक में उत्कृष्ट सहभागिता के लिए डोर प्राइज विजेताओं को सम्मानित किया गया, जिनमें तनुजा मेहता को सर्वश्रेष्ठ 30-सेकंड पिच, सुशीला श्रीश्रीमाल को सर्वाधिक रेफरल और मीनू जैन को पंक्चुआलिटी अवॉर्ड से नवाजा गया।

बैठक में सुमन रांका, तनुजा मेहता एवं सारिका जैन की भी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ, जिसके पश्चात आयोजित ओपन नेटवर्किंग सत्र ने आपसी सहयोग और व्यवसायिक संबंधों को और भी सुदृढ़ किया।

जो करता है वही कर्मों को भोगता है: साध्वी उपासना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ में आयोजित धर्मसभा में साध्वी उपासना ने अपने प्रवचन में अत्यंत गहन विचार प्रस्तुत करते हुए कहा कि संसार में इंसान की जैसी नीयत होती है, वैसी ही उसकी क्रियाएँ होती हैं। आज एक ही समाज में दो प्रकार के व्यक्ति मिलते हैं। एक जो दूसरों को कष्ट देकर स्वयं को सुखी मानता है, और दूसरा जो दूसरों के कष्ट को दूर करने में सुख अनुभव करता है। यह अंतर केवल उनके कर्मों में नहीं, बल्कि उनकी नीयत और दृष्टिकोण में है। कर्मों का भयानक परिणाम होता है। जिस तरह एक शेर हिरण की गर्दन दबोच कर ले जाता है, उसी तरह हमारे पाप कर्म भी एक दिन हमें जकड़ कर ले जाएँगे। किए हुए कर्मों से कभी छुटकारा नहीं मिलता। जो जैसा करेगा, उसे वैसा ही भोगना पड़ेगा। जले हुए बीज से पौधा नहीं उग सकता, उसी प्रकार पाप से पुण्य का फल नहीं मिलता। प्रवचन में यह भी स्पष्ट किया गया कि हमें प्रतिदिन अपनी क्रियाओं का आत्मपरीक्षण करना चाहिए। कहीं हम अनजाने में किसी को दुःख तो नहीं दे रहे। हमारी भाषा, व्यवहार और विचारों में करुणा, क्षमा और सहयोग का भाव है या नहीं। सम्यक्त्व की साधना ही आत्मसाधना है। उन्होंने सम्यक्त्व की साधना करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा ममता को छोड़ सम्यकत्व में आ जाओ। सम्यकत्व की साधना ही ध्यान की साधना है, आत्मा की साधना है। आत्म-साधना में यदि तुमने स्वयं को साध लिया, तो आत्मा स्वतः साध जाएगी। मन को साधो जीवन बदलेगा। व्यक्ति संसार की हर वस्तु को बाँध सकता है, धन, वैभव, संबंध लेकिन मन और आत्मा को नहीं। कर्मों की निर्मलता ही जीवन को सार्थक बनाती है। व्यक्ति क्रियाहीन रह कर नहीं जी सकता। लेकिन हमारी क्रिया कैसी हो यही विवेक की बात है। पूर्व में साध्वी ऋषिता ने स्तवन की प्रस्तुति दी। सभा में उपस्थित सभी श्रद्धालुओं को गुरुवर्या ने मांगलिक प्रदान किया। इस अवसर पर लुधियाना से रविंद्र जैन, इंदु जैन, सिरसा हरियाणा से संदीप जैन, कम्मनहल्ली संघ अध्यक्ष हस्तीमल बाफना व अन्य उपस्थित रहे। संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

जीवन में अभिमान को हटा कर विनम्रता को अपना लो: साध्वी

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने कहा कि जिंदगी को स्वर्ग सरीखे आनंद और मिठासभरी बनाना चाहते हो तो अपने जीवन से पांच दोषों को हमेशा के लिए समाप्त कर दो। वे हैं- स्वभाव में पलने वाला गुस्सा, भीतर में पलने वाला अहंकार-अभिमान या इगो, छल-प्रपंच या माया, लोभ और ईर्ष्या। अभिमान को हटा कर विनम्रता को अपना लो। माया को हटा मित्रता को अपना लो।

लोभ को हटा संतोष को अपना लो। संतोष से बड़ा सुख और धन दुनिया में और कुछ होता नहीं है। ईर्ष्या को हटा सबको अपना मान लो। औरों की खुशी में खुश होना और औरों के दुख को बांटना सीख लो। साध्वी शीतल गुणा श्री ने कहा कि हर आदमी को अपने जीवन में अच्छे स्वभाव, अच्छी सोच का मालिक होना ही चाहिए। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ अध्यक्ष पूनमचंद सोलंकी ने बताया कि आज आषाढी श्रावक बनकर भंवरलाल, पेराजमल, प्रवीण कुमार, जगदीश कुमार समस्त परिवार ने शंखेश्वर पार्श्व परमात्मा को सकल संघ के साथ वाजते गाजते पधरामणी करवायी। साथ ही साध्वीवृंद के पगलिया भी हुआ। रात्रि में प्रभु भक्ति मंडल के द्वारा हुई। पार्श्वनाथ भगवान की आरती भंवरलाल पेराजमल परिवार, मंगल दिवा वर्धमान स्टेशनरी, गुरुदेव की आरती रमेशकुमार, पूनमचंद परिवार ने लाभ लिया। वियासणा का लाभ अंबालाल फुलचंद परिवार ने लिया। दोनों लाभार्थी परिवार का बहुमान किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन कर्नाटक युवा विंग की नई कार्यकारिणी का गठन

युवा शक्ति को जोड़ने पर जोर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन कर्नाटक युवा विंग के सत्र 2025-27 की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी की पहली महत्वपूर्ण बैठक कर्नाटक के प्रदेश अध्यक्ष आर.पी. रविशंकर की अध्यक्षता में कर्नाटक आर्य वैश्य महासभा के कार्यालय में संपन्न हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ पवित्र ओम के उच्चारण के साथ हुआ, जिसने बैठक को एक आध्यात्मिक और सकारात्मक माहौल प्रदान किया। बैठक की मुख्य कार्य सूची सभी कार्यकारिणी सदस्यों की जिम्मेदारियों पर विचार-विमर्श करना था। गहन चर्चा के बाद, सर्वसम्मति से महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्तियां की गईं। बृजेश अग्रवाल को युवा विंग का अध्यक्ष मनोनीत किया गया, जबकि मितेश खंडेलवाल और स्नेह कुमार जाजू को कार्यकारी अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। संदीप चनानी को महामंत्री और आयुष भीमसरिया को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। इसके अतिरिक्त, अन्य कार्यकारिणी सदस्यों को भी उनकी पदांकित जिम्मेदारियां सौंपी गईं। अपने अध्यक्षीय संबोधन में, नवनिर्वाचित अध्यक्ष बृजेश अग्रवाल ने संगठन के वरिष्ठ सदस्यों के निरंतर मार्गदर्शन में सभी को साथ लेकर चलने का आश्वासन दिया। उन्होंने विशेष रूप से कर्नाटक प्रदेश के 377 वैश्य घटक के युवाओं से आह्वान किया कि वे अधिक से अधिक संख्या में संगठन से जुड़ें और अपनी ऊर्जा का सकारात्मक उपयोग करें। इस अवसर पर उप-स्थित महासम्मेलन के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष विपिन राम अग्रवाल ने समाज की वर्तमान जरूरतों के अनुरूप कुछ नई पहलों पर विशेष बल दिया। उन्होंने आधुनिक व्यापार ऐप के माध्यम से समाज के अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने और उन्हें लाभान्वित करने का आह्वान किया। आर.पी. रविशंकर ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष बृजेश अग्रवाल को कर्नाटक के विशेष अंग वस्त्र और पुष्प गुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने सभी 21 कार्यकारिणी सदस्यों को उनके स्वर्णिम कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। तकरीबन दो घंटे चली इस बैठक में आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर भी विस्तृत विचार-विमर्श किया गया और उनके सफल आयोजन के लिए संयोजकों की नियुक्ति की गई। इस महत्वपूर्ण मौके पर महासम्मेलन के कर्नाटक प्रदेश के संयुक्त सचिव ललित डाकलिया, महिला विंग की अध्यक्षा रितु अग्रवाल और युवा विंग के निवर्तमान अध्यक्ष प्रीतम अग्रवाल सहित कई सदस्य उपस्थित रहे। बैठक के अंत में, नवनिर्वाचित महामंत्री संदीप चनानी ने सभी उपस्थित सदस्यों और अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। यह बैठक युवा विंग के भविष्य के लिए एक मजबूत नींव रखने वाली साबित हुई, जिसमें संगठन को और अधिक सशक्त बनाने तथा युवाओं को समाज सेवा से जोड़ने पर विशेष जोर दिया गया।

कोमलमुनि के 45वें जन्म दिवस पर जीव दया का कार्य आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
महान गौरवशाली मेवाड़ संघ परम्परा के महानायक श्रमण संघीय महामंत्री सौभाग्यमुनि के सुशिष्य मेवाड़ उपप्रवर्तक, मेवाड़ भास्कर कोमलमुनि के 45वें जन्म दिवस पर श्री अंबेश गुरु सेवा समिति बेंगलूरु के तत्वावधान में श्री गुरु अंबेश युवा मंडल की तरफ से जीवदया के लिये आगम ज्ञाता समकितमुनि के प्रेरणा से गठित श्री इंद्रभूती गौतम जीव दया ट्रस्ट द्वारा शहर के कब्बन पार्क में संचालित कबूतरों को दाना डालने में सहयोग राशि प्रदान की गई। इस अवसर पर समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष पुखराज मेहता एवं मंत्री सुरेन्द्र आंचलिया ने युवा मंडल की अनुमोदना करते हुए शुभकामनाएं दी। श्री इंद्रभूती गौतम जीव दया ट्रस्ट की भी सराहना की। समिति के सहमंत्री नेमीचंद दलाल ने गुरुदेव के 45वें जन्म दिवस पर पूरे देश भर में गुरु अम्बेश सौभाग्य मेवाड़ युवा मंडल की प्रशंसा करते हुए जीव दया एवं मानव सेवा के लिए सदैव आगे रहने और गुरु भक्ति से जुड़े रहने पर जोर दिया। गुरु अम्बेश मेवाड़ महिला मंडल की अध्यक्षा ललिता ढीलीवाल, प्रमिला हिरण एवं भारतीदेवी मारु ने गीतिका के माध्यम से अपने भाव रखे। इस अवसर पर श्री इन्द्रभूति गौतम जीव दया ट्रस्ट से नरेंद्र धूडेडिया, जवेरी भाई कोठारी, सुनील मौजूद थे एवं ट्रस्ट की तरफ से रमेश खाबिया ने समिति एवं युवा मंडल के सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाएं प्रेषित की। इस मौके पर समिति के कोषाध्यक्ष राजेन्द्र कोठारी, राकेश दलाल, युवा मंडल के अध्यक्ष हंसमुख मारू, उपाध्यक्ष राकेश संचेती, दिलीप गन्ना, मंत्री मुकेश बाबेल, कोषाध्यक्ष दिलीप हिरण, संगठन मंत्री चेतन गन्ना के साथ नरेश लोसर, राजेश कोठारी, जितेंद्र गन्ना, तरुण दक, दिनेश सामरा, नितेश सेहलोत, ललित काल्या, प्रथम पितलिया, कमलेश पिछोलिया, मनीष दक, विनोद पोखरना, विजय बाबेल, लोकेश बाबेल, अरविंद ढीलीवाल, विशाल दलाल एवं महिला मंडल सदस्या उपस्थित रही। जीव दया के कार्य के बाद सामूहिक गुरु आरती एक स्वर में गायी गई। पधारे हुए सभी सदस्यों का आभार युवा मंडल के मंत्री मुकेश बाबेल द्वारा प्रेषित किया गया।

पालरेचा परिवार की ओर से निशुल्क कृत्रिम पैर शिविर का आयोजन

हुब्बली/शुभ लाभ ब्यूरो।
ऑल इंडिया जैन यूथ फेडरेशन महावीर लिंब सेंटर हुब्बली के तत्वावधान में श्री सिवांची ओसवाल संघ हुब्बली के अध्यक्ष महावीर पालरेचा ने उनके माताजी स्व सुखी देवी मगराज पालरेचा की प्रथम पुण्यतिथि व उनके पुत्र हितेश पालरेचा के जन्मदिन के अवसर पर दिव्यांगों को निशुल्क कृत्रिम पाँव प्रदान करने के लिए शिविर का आयोजन किया।

जिसमें राज्य के अलग अलग जिलों से दिव्यांगों को कृत्रिम पैर प्रदान किये गए। शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि किम्स के नवनियुक्त डायरेक्टर डॉ. ईश्वर होसमनी, शिविर आयोजक परिवार के महावीर पालरेचा, फेडरेशन के संस्थापक अध्यक्ष महेन्द्र सिंघी ने दिव्यांगों को कृत्रिम पैर लगाकर किया। अपने आतिथ्य उद्बोधन में किम्स के डायरेक्टर डॉ. ईश्वर होसमनी ने कहा कि महावीर लिंब सेंटर पिछले कई वर्षो से अनवरत दिव्यांग सेवा में सदैव तत्पर है। यह सेवा बहुत ही अनुकरणीय सेवा है। साथ ही पालरेचा परिवार ने आज यह शिविर आयोजित किया है।

इससे सभी दानदाताओं को प्रेरणा लेनी चाहिए। फेडरेशन के संस्थापक अध्यक्ष महेंद्र सिंघी ने कहा की सिवांची ओसवाल संघ के पदाधिकारियों का महावीर लिंब सेंटर में पदार्पण होना हम सभी के लिए गर्व का विषय है। सिंघी ने शिविर के आयोजन में सहयोग करने वाले पालरेचा परिवार के महावीर पालरेचा, हितेश पालरेचा सहित सभी का आभार जताया और पधारे सभी से निवेदन किया की वे समय समय पर पधारकर कर हमे अनुग्रहित करते रहे। शिविर आयोजक परिवार के महावीर पा-लरेचा ने कहा की दिव्यांग सेवा करने की प्रेरणा हमें महावीर लिंब सेंटर द्वारा की जा रही सेवाओं के माध्यम से मिली है। पालरेचा ने सभी से निवेदन किया की सभी को दिव्यांग सेवा करने के लिए सदैव तन मन धन से अग्रणी रहना चाहिए। फेडरेशन के कोषाध्यक्ष मानव संघवी ने सभी मेहमानों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन फेडरेशन के कार्यदर्शी प्रकाश कटारिया व् सह कार्यदर्शी महावीर कुंदुर ने किया। महावीर लिंब सेंटर के कन्वीनर सुभाष चंद्रा डंक ने पधारे सभी मेहमानों का आभार जताया। इस अवसर पर सिवांची भवन समिति के अध्यक्ष बाबूलाल पारेख, उपाध्यक्ष प्रवीण बागरेचा, सह सचिव नरेश मंडोत, संगठन मंत्री महेंद्र वेदमुथा, निदेशक भंवरलाल ढेलडिया, अशोक कानुगा, गणपत तातेड, जोमताराम रांका, महेन्द्र बागरेचा, महेंद्र मुणोत, गौतम बागरेचा, सिवांची के सदस्य डूंगर चंद बागरेचा, दीपचंद बागरेचा, सुरेश मेहता, दिनेश पालरेचा, मांगीलाल श्रीश्रीमाल, हितेश पालरेचा, भीमसिंह, रोहन काटवे सहित अन्य उपस्थित थे।

रामायण हमें जीवन की राह बताती है

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मुनिश्री आर्यशेखरविजयजी महाराज ने कहा कि रामायण हमें जीवन की राह बताती है। रामायण यानी सफलता की सिढी चढ़ना, रामायण यानी खुदपर विजय प्राप्त करना है। शक्ति ना होने से क्षमा रखना तो ठीक है परंतु शक्ति भरपूर होने के बावजूद क्षमा रखना वीरों का भूषण है।

हम होते तो क्या करते वाली ने सबकुछ छोड़कर संयम लिया तो केवलज्ञान पाया। हमें मजदूर बनना है या मालिक हम मंदिर जाते है तो मोबाइल चालु रहता है या बंद रहता है। रावण जब अष्टापद में मंदिर में गया तो अपना अस्त्र शस्त्र मुगुट सब कुछ बाहर रखकर प्रवेश किया। केवल अहिंसा ही परमोधर्म नहीं परमात्मा की आज्ञा ही पालन करना परमोधर्म है।

नारायणलाल सैणचा को किया सम्मानित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मुंबई में नारायणलाल सैणचा का सीरवी समाज करजाड़े के अध्यक्ष विनोद सीरवी व अन्य वडेरो के पदाधिकारियों ने भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर नारायणलाल सैणचा को शिवाजी महाराज की तस्वीर देकर सम्मानित किया गया। नारायणलाल सैणचा ने सीरवी समाज करजाड़े के प्रति अपना आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर सीरवी करजाड़े के नवनिर्वाचित अध्यक्ष विनोद हाम्बड, पूर्व अध्यक्ष चेनाराम हाम्बड, कोषाध्यक्ष बुधाराम वरपा, सचिव गलाराम पंवार एवं कार्यकारिणी सदस्य वक्ताराम सीरवी आदि मौजूद रहे।

बन्नूर में नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बन्नूर स्थित रोटरी स्कूल परिसर में कान सिंह राजपुरोहित की स्मृति में समाजसेवी महेंद्र सिंह राजपुरोहित की ओर से निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें जांच के दौरान 56 लोगों को चिकित्सकीय परामर्श के बाद चिन्हित कर आँखों के ऑपरेशन हेतु कोयम्बत्तूर के अरविंद नेत्र अस्पताल भेजा गया। सभी मरीज आंखों का ऑपरेशन करवा कर पुनः बन्नूर पहुंचे। इस अवसर पर गवरी देवी, राजेश सिंह, संतोष कंवर, वन्या कंवर, विराट सिंह आदि भी उपस्थित रहे।

चालबाजी की भी एक सीमा होती है

नवंबर में राज्य में राजनीतिक घटनाक्रम निश्चित है: बी.वाई. विजयेंद्र

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा कि नवंबर में राज्य में राजनीतिक घटनाक्रम निश्चित है। यहां मीडिया से बात करते हुए उन्होंने नेतृत्व परिवर्तन से जुड़े एक सवाल का जवाब दिया। उन्होंने कहा चालबाजी की भी एक सीमा होती है। कांग्रेस के नेता खुद कहते हैं कि सिद्धरामैया और डी.के. शिवकुमार के बीच कांग्रेस आलाकमान स्तर पर ढाई-ढाई साल के लिए मुख्यमंत्री की कुर्सी को लेकर समझौता हुआ है। अब ऐसी स्थिति आ गई है कि उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए। सरकार को सत्ता में आए ढाई साल हो गए हैं। उसे क्या हासिल हुआ है? राज्य की जनता उसे कोस रही है। प्रशासनिक तंत्र पूरी तरह से चरमरा गया है। उन्होंने शिकायत की कि गारंटी के लिए पैसा नहीं इकट्ठा किया जा रहा है और वे जीएसटी के जरिए रेहड़ी-पटरी वालों को भी घसीटने का काम कर रहे हैं। भाजपा एक विपक्षी दल के रूप में प्रभावी ढंग से काम कर रही है। भाजपा ने रामनाथ कोविंद को राष्ट्रपति बनाया है। उन्होंने कहा कि अब हमने एक आदिवासी द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति बनाया है और कांग्रेस व गांधी परिवार ने पूर्व मुख्यमंत्री देवराज उर्स का अपमान करके उन्हें मुख्यमंत्री की कुर्सी से हटा दिया था। हालाँकि सिद्धरामैया इसे भूल गए हैं, लेकिन राज्य की जनता नहीं भूली है। सिद्धरामैया देवराज उर्स का रिकॉर्ड तोड़ने के लिए आतुर हैं। सिद्धरामैया को कांग्रेस पार्टी द्वारा देवराज उर्स का किया गया अपमान याद रखना चाहिए।

सिद्धरामैया अपनी कुर्सी बचाने के लिए साधना सम्मेलन कर रहे हैं। वह गैर-हिंद लोगों के भजन भी गा रहे हैं, और आज आपका मुखौटा उतर गया है। उन्होंने आलोचना की कि सिद्धरामैया गैर-हिंद समुदायों को किसी भी तरह का न्याय नहीं दिला पाए हैं। क्या सिद्धरामैया अपनी मुख्यमंत्री की कुर्सी बचाने के लिए कांताराजू रिपोर्ट लेकर सड़कों पर नहीं घूम रहे थे? क्या सिद्धरामैया ने राहुल गांधी के आदेश पर उस कांताराजू रिपोर्ट को भी कूड़ेदान में नहीं फेंका था? इसलिए, गैर-हिंदू समुदाय उनके लिए सिर्फ एक वोट बैंक हैं। उन्होंने आलोचना की कि उस समुदाय के विकास के लिए कोई प्रतिबद्धता या चिंता नहीं है। आरसीबी की जीत के जश्न के दौरान हुई भगदड़ - 11 मौतों के बारे में एक सवाल का जवाब देते हुए, उन्होंने कहा जस्टिस माइकल कुन्हा ने पूरी रिपोर्ट नहीं दी है।

मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री ने आरसीबी की जीत से अपना प्रचार पाने की होड़ लगाई थी। उस चुनावी उत्साह के कारण 11 लोगों की जान चली गई। अब, एक अधूरी रिपोर्ट हाईकोर्ट को दी गई है। उन्होंने कहा कि यह मुख्यमंत्री द्वारा किया गया एक अक्षम्य अपराध है। मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री को इसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए थी। लेकिन, उन्होंने माइकल कुन्हा रिपोर्ट के जरिए निर्दोष पुलिस अधिकारियों की बलि देकर आरसीबी को शिकार बना दिया है। क्या यह आपका साधना सम्मेलन इसलिए है क्योंकि आपने निर्दोष होने का नाटक किया था? मैसूरु जिले में आपने क्या विकास किया है? उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री विकास को लेकर कोई सम्मेलन नहीं कर रहे हैं। बल्कि, उन्होंने शिकायत की कि मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने का समय नजदीक है, और अब सम्मेलन के जरिए कांग्रेस आलाकमान को धमकाने की साजिश हो रही है।

भाजपा ने मुडा घोटाले के खिलाफ मार्च निकाला था। इससे चिंतित सिद्धरामैया ने मैसूरु और अन्य जगहों पर सम्मेलन किए थे। उन्होंने कहा कि जब भी मुख्यमंत्री की कुर्सी खतरे में होती है, सिद्धरामैया को गैर-हिंद समुदाय याद आते हैं।

कांग्रेस सरकार कुप्रबंधन पर उतर आई है: अश्वथनारायण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
पूर्व उपमुख्यमंत्री और विधायक डॉ. सी.एन. अश्वथनारायण ने कांग्रेस सरकार पर कुप्रबंधन का आरोप लगाया है। भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए, उन्होंने मैसूरु में कांग्रेसियों के प्रशिक्षण सम्मेलन का प्रस्ताव रखा। जनता पर भरोसा करके सर्वाधिक बहुमत हासिल करके सत्ता में आई कांग्रेस पार्टी जनता के साथ विश्वासघात, अन्याय और भ्रष्टाचार कर रही है। अपनी स्थापना के बाद से इसने सैकड़ों घोटाले किए हैं। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि इसने एक भी अच्छा काम नहीं किया है। वरिष्ठ मुख्यमंत्री सिद्धरामैया झूठ बोलने के लिए सम्मेलन कर रहे हैं। उन्होंने सवाल किया कि क्या उन्हें विवेक की आवश्यकता है? वे झूठ को सच बताकर साधना सभा कर रहे हैं। मुडा घोटाले, जिसमें साइट वापस कर दी गई थी, वाल्मीकि निगम घोटाले के बारे में उनका क्या कहना है? क्या वह अधिकारियों की आत्महत्या के बारे में बात करेंगे? क्या वह उनमें से प्रत्येक में कमीशन और दिनदहाड़े लूट के बारे में बताएंगे? कहीं कमीशन बढ़कर 100 प्रतिशत हो गया है। कहीं 80 प्रतिशत, कहीं 60 प्रतिशत का भ्रष्टाचार है। बिना पैसे के कोई हस्तांतरण नहीं होता। उन्होंने बताया कि इस संबंध में दलित वर्ग के कई लोगों ने आत्महत्या की है। उन्होंने शिकायत की कि यह हत्यारों और मौत की सरकार है। आरसीबी की जीत के जश्न के दौरान भगदड़ - जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई - के बारे में बोलते हुए, उन्होंने कहा, कानून और व्यवस्था बनाए रखना किसकी जिम्मेदारी है? अगर अनुमति नहीं है, तो उपमुख्यमंत्री स्टेडियम क्यों गए। उन्होंने सवाल किया कि क्या वह कप चूम रहे थे जबकि लोग मर रहे थे। उन्होंने आपत्ति जताई कि मुख्यमंत्री एक होटल में मसाला डोसा खा रहे थे, जबकि उन्हें पता था कि लोग मर रहे हैं। कार्यक्रम की अनुमति न मिलने के बावजूद विधान सौधा के पास विजय उत्सव क्यों मनाया गया? उन्होंने पूछा कि क्या यह सरकार भी आरसीबी, केसीए, डीएनए द्वारा चलाई जा रही है? उन्हें शर्म आनी चाहिए। उन्होंने आलोचना की कि उनकी उपलब्धि लोगों की जान लेना है। उन्होंने कहा कि वे सत्ता में यमदूत हैं। दी गई रिपोर्ट वास्तव में निंदनीय है। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट रुख अपनाया था कि कार्यक्रम आयोजित नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने विराट कोहली पर जिम्मेदारी डाल दी है। अब उद्योग भाग रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब कोई खेल आयोजित नहीं किया जाएगा। उन्होंने सभी में डर पैदा कर दिया है। उन्होंने हमारे राज्य को कलंकित और नीचा दिखाने का काम किया है। उन्होंने इसे घोटालेबाजों की सरकार होने का आरोप लगाया। इस मौके पर बेंगलूरु उत्तर जिला अध्यक्ष एस. हरीश और सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी भास्कर राव, भाजपा एसटी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष बंगारू हनुमंतु उपस्थित थे।

बेंगलूरु शहर और ग्रामीण जिलों के अधिकारी जानबूझकर भूमि सुरक्षा योजना में देरी कर रहे : राजस्व मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राजस्व मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा ने इस बात पर अपनी नाराजगी जताई कि बेंगलूरु शहर और ग्रामीण जिलों के अधिकारी जानबूझकर भूमि सुरक्षा योजना में देरी कर रहे हैं, जबकि यह योजना पूरे राज्य में सफलतापूर्वक लागू की गई है। उन्होंने तहसीलदारों और मुखियाओं पर भी निशाना साधा। विकास सौधा में आयोजित दोनों जिलों के उपायुक्तों, उप-विभागीय अधिकारियों, तहसीलदारों और उप-तहसीलदारों की बैठक में बोलते हुए, उन्होंने कहा कि भूमि सुरक्षा योजना के तहत भूमि अभिलेखों के डिजिटलीकरण की प्रक्रिया पूरे राज्य में चल रही है। हालाँकि, उन्होंने इस बात पर भी अपनी नाराजगी जताई कि बेंगलूरु शहर और ग्रामीण जिलों में ऑनलाइन प्रमाणित दस्तावेजों को जानबूझकर रोका जा रहा है। राज्य भर में जहाँ 21 लाख पृष्ठों के ऑनलाइन प्रमाणित दस्तावेज वितरित किए गए, वहीं बेंगलूरु शहर जिले में केवल 25 पृष्ठों के दस्तावेज जारी किए गए। उन्होंने अधिकारियों पर यह सवाल उठाने के लिए कटाक्ष किया कि दुनिया की आईटी राजधानी माने जाने वाले बेंगलूरु में दस्तावेजों के ऑनलाइन वितरण में क्या बाधाएँ हैं। पूरे राज्य में, प्रमाणित दस्तावेज कमोबेश सफलतापूर्वक ऑनलाइन वितरित किए जा रहे हैं। लेकिन बेंगलूरु शहर और ग्रामीण जिलों में, मंत्री ने गंभीर आरोप लगाया कि तहसीलदार, ग्रेड-2 तहसीलदार, रिकॉर्ड रूम कीपर आदि दस्तावेजों के वितरण में बाधा डाल रहे हैं। इस मुद्दे पर बात करने का कोई और तरीका नहीं है। तालुका कार्यालयों में कोई अधिकारी नहीं हैं। काम कहाँ है? अगर आप बात करते हैं, तो अदालती मामलों का मुद्दा उठाया जाता है। कार्यालय से बाहर आने-जाने का कोई रिकॉर्ड नहीं है। राजस्व विभाग के प्रधान सचिव नियमित रूप से अदालती मामलों में पेश होते हैं। उन्होंने कहा कि राजस्व निरीक्षक और ग्राम लेखाकार उन्हें जानकारी उपलब्ध कराने में मदद करते हैं। मुझे नहीं पता कि तालुका कार्यालय के अलावा आपका कहीं और कार्यालय है या नहीं। तालुका कार्यालयों में कोई बैठक क्यों नहीं होती?

हमने अब तक सब कुछ बर्दाश्त किया है। लेकिन अगर बात हद से ज्यादा बढ़ गई, तो हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। अगर यह गड़बड़ी अब से नहीं सुधरी, तो इसके उचित परिणाम भुगतने होंगे। अगर सुधार नहीं हो सका, तो आगे क्या करना है, इस बारे में निर्णय लिया जाएगा। हद पार करने वालों को जमीन पर लाना तो सबको आता है। उन्होंने तीखे शब्दों में कहा कि अच्छे काम करने वालों की तारीफ करना भी उन्हें आता है। भूमि सुरक्षा योजना के क्रियान्वयन में हो रही देरी का सही कारण और उचित जवाब दीजिए, जो कि एक बहाना है, जो सच नहीं है। शर्म नहीं आती? आपको तो पता ही नहीं कि आपके कार्यालय में क्या हो रहा है, क्या आपको पता है कि आप कहाँ और क्या बोल रहे हैं? बैठक में राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव राजेंद्र कुमार कटारिया व अन्य मौजूद थे।

बेंगलूरु में 15 निजी स्कूलों को बम की धमकी वाले ईमेल मिलने से हड़कंप

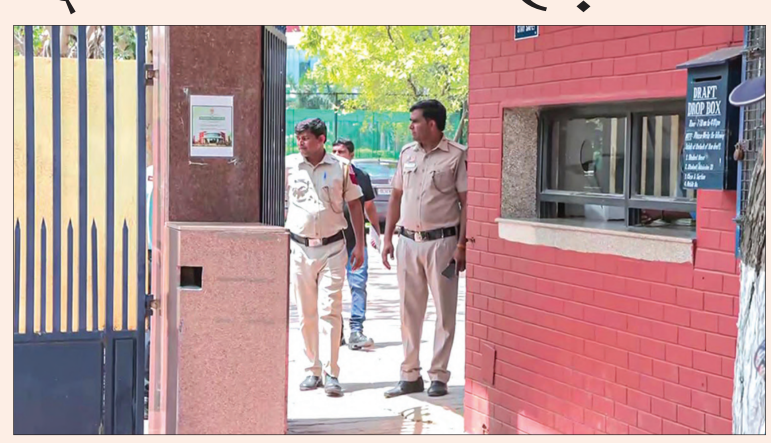

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
बेंगलूरु में शुक्रवार को उस समय हड़कंप मच गया जब शहर के विभिन्न इलाकों में कम से कम 15 निजी स्कूलों को ईमेल के जरिए बम की धमकी मिली। गहन छानबीन के बाद इनमें से कई धमकियों को फर्जी घोषित कर दिया गया। ईमेल में लिखा था नमस्ते। मैं आपको यह बताने के लिए लिख रहा हूँ कि मैंने स्कूल की कक्षाओं में कई विस्फोटक उपकरण (ट्राइनाइट्रोटोल्यूइन) रखे हैं।

विस्फोटकों को बड़ी ही कुशलता से काले प्लास्टिक बैग में छिपाया गया है। सूचना के बाद बेंगलूरु पुलिस की टीमें, तोड़फोड़-रोधी टीमें और श्वान दस्तों को तुरंत तैनात किया गया और तलाशी जारी है। कुछ स्कूलों ने छुट्टी घोषित कर दी है, जबकि अन्य ने छात्रों से परिसर की तलाशी तक इंतजार करने को कहा है। कई स्कूलों में तलाशी पूरी हो चुकी है और धमकियों के फर्जी होने की पुष्टि हो गई है। संयुक्त आयुक्त (पश्चिम) सी. वामसी कृष्णा ने पुष्टि की कि लगभग 15 स्कूलों को धमकी भरे ईमेल मिले हैं। हालाँकि, उन्होंने बताया कि सटीक संख्या अभी स्पष्ट नहीं है, क्योंकि स्कूल ऐसे ईमेल की रिपोर्ट करते रहे हैं। धमकी भरे ईमेल में भेजने वाले के परेशान करने वाले संदेश शामिल थे, जिनमें लिखा था तुम सब इसके लायक हो, मेरी तरह ही तकलीफ के लायक हो। मैं तुम सब को इस दुनिया से मिटा दूँगा। एक भी नहीं बचेगा। जब मैं खबरें देखूँगा तो खुशी से हँसूँगा। मुझे अपनी जिंदगी से सख्त नफरत है। मुझे कभी, कभी भी पूरी तरह से मदद नहीं मिली। मनोचिकित्सक, मनोवैज्ञानिक, किसी ने कभी परवाह नहीं की, और कोई कभी परवाह नहीं करेगा। आपको सिर्फ असहाय और नासमझ इंसानों को दवा देने की परवाह है। मनोचिकित्सक आपको कभी नहीं बताते कि ये दवाएँ आपके अंगों को खराब करती हैं या इनसे घिनौना वजन बढ़ता है। भेजने वाले ने आगे दावा किया कि लोगों का दिमाग धोकर यह मान लिया जाता है कि मनोरोग संबंधी दवाएँ मदद कर सकती हैं, लेकिन उसने कहा कि वह इसका जीता-जागता सबूत है कि ये दवाएँ मदद नहीं करतीं। ये ईमेल स्कूल प्रशासन के पहचान-पत्रों और कई मामलों में प्रधानाचार्यों को भेजे गए थे। पुलिस प्रभावित स्कूलों द्वारा दिए गए बयानों के आधार पर शिकायत दर्ज कर रही है। चूँकि एक ही ईमेल कई संस्थानों को भेजा गया था, इसलिए अधिकारियों को अभी यह तय करना है कि अलग-अलग एफआईआर दर्ज की जाएँ या उन्हें एक ही मामले में मिला दिया जाए। नवंबर 2023 में, बेंगलूरु और उसके आसपास के लगभग 70 स्कूलों को इसी तरह के बम की धमकी वाले ईमेल मिले, जिन्हें बाद में फर्जी घोषित कर दिया गया।

सरकार ने राज्य परिवहन कर्मचारियों के खिलाफ बल प्रयोग किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
सरकार ने राज्य परिवहन कर्मचारियों के खिलाफ बल प्रयोग किया है, जिन्होंने विभिन्न मांगों को पूरा करने की मांग को लेकर अगले महीने 5 अगस्त से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने की योजना बनाई थी। केएसआरटीसी परिवहन कर्मचारियों को विरोध प्रदर्शन करने से रोकने के लिए ईएसए लागू किया गया था, और चूँकि यह अगले छह महीनों तक लागू है, इसलिए किसी भी प्रकार की हड़ताल पर रोक लगा दी गई है।

राज्य परिवहन निगम ट्रेड यूनियनों की संयुक्त कार्रवाई समिति ने पिछले 38 महीनों से परिवहन कर्मचारियों के भत्ते और वेतन वृद्धि सहित विभिन्न मांगों को लेकर 5 अगस्त को सुबह 6 बजे से अनिश्चितकालीन हड़ताल का आह्वान किया है। इसी के तहत, राज्य में केएसआरटीसी और बीएमटीसी सहित चार निगमों के कर्मचारी हड़ताल पर चले गए थे। परिवहन निगम ट्रेड यूनियनों की संयुक्त कार्रवाई समिति ने नेता अनंत सुब्बाराव के नेतृत्व में हड़ताल की थी। इस संबंध में, सुब्बाराव ने बताया कि उन्होंने परिवहन हड़ताल के संबंध में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को ईमेल के माध्यम से हड़ताल का नोटिस भेजा था। जनवरी में ही, चारों निगमों के परिवहन कर्मचारियों के 38 महीने के भत्ते में वृद्धि होनी चाहिए थी। लेकिन अभी तक ऐसा नहीं किया गया है। चारों निगमों के 1 लाख 15 हजार कर्मचारियों को 38 महीने का भत्ता दिया जाना चाहिए था। लेकिन जुलाई 2025 के बाद भी, उन्होंने सरकार के प्रति अपना रोष व्यक्त करते हुए कहा है कि सरकार ने अभी तक उनके वेतन में वृद्धि का निर्णय नहीं लिया है। 7 जुलाई को, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगमों के ट्रेड यूनियनों की संयुक्त कार्रवाई समिति के पदाधिकारियों के साथ एक बैठक की थी। इस बैठक में उन्होंने कहा था कि कर्मचारियों के वेतन संशोधन और वेतन वृद्धि के 38 महीने के बकाया भुगतान के संबंध में एक सप्ताह के भीतर एक बैठक आयोजित की जाएगी। लेकिन 11 दिन बीत जाने के बाद भी कोई बैठक नहीं बुलाई गई है। इसलिए, चारों निगमों के कर्मचारियों ने हड़ताल पर जाने का फैसला किया है। 1 जनवरी, 2024 से, उनकी माँगों में 25 प्रतिशत वेतन वृद्धि लागू करना, 1 जनवरी, 2020 से बकाया 38 महीनों के वेतन का तत्काल भुगतान, पिछली हड़तालों के दौरान नौकरी से निकाले गए कर्मचारियों की बहाली, इलेक्ट्रिक बसों का प्रबंधन निजी ठेकेदारों के बजाय निगम कर्मचारियों को सौंपना, आउटसोर्सिंग के आधार पर भर्ती बंद करना और चिकित्सा व्यय के लिए 2,000 रुपये प्रति माह प्रदान करना शामिल है। पिछली भाजपा सरकार ने 15 प्रतिशत वेतन वृद्धि की घोषणा की थी। लेकिन कर्मचारियों ने 25 प्रतिशत वृद्धि की माँग की थी। हालाँकि, घोषित वेतन वृद्धि के 38 महीनों के बकाया का भुगतान अभी तक नहीं किया गया है। जब सिद्धरामैया विपक्ष के नेता थे, तब उन्होंने परिवहन कर्मचारियों की कठिनाइयों के बारे में आवाज उठाई थी, लेकिन कर्मचारी इस बात से नाखुश हैं कि उनकी सरकार, जो अब सत्ता में है, ने उनकी माँगें पूरी नहीं की हैं।

कड़ी सुरक्षा के बीच तीन संदिग्ध नक्सलियों को कुंडापुर अदालत में किया गया पेश

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु और केरल की जेलों में न्यायिक हिरासत में बंद बी जी कृष्णमूर्ति समेत तीन संदिग्ध नक्सलियों को गुरुवार को कड़ी सुरक्षा के बीच कुंडापुर की अतिरिक्त जिला एवं सत्र अदालत में पेश किया गया। आरोपियों - केरल के वियूर केंद्रीय कारागार में बंद बी जी कृष्णमूर्ति और सावित्री उर्फ उषा, और बेंगलूरु केंद्रीय कारागार में बंद वनजाक्षी - को बॉडी वारंट पर अदालत लाया गया और न्यायाधीश के समक्ष पेश किया गया। कृष्णमूर्ति पर सात मामले, वनजाक्षी पर तीन और सावित्री पर पाँच मामले दर्ज हैं, जो सभी कुंडापुर उप-मंडल के शंकरनारायण, कोल्लूर और अमासेबेल पुलिस थानों के अधिकार क्षेत्र में दर्ज हैं। अदालत के निर्देशानुसार, इन मामलों में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने के लिए, आरोपियों को तदनुसार पेश किया गया। इन मामलों में मुकदमा 27 अगस्त से शुरू होने वाला है। आरोपियों को ले जाने के लिए सुरक्षा व्यवस्था का नेतृत्व कुंडापुर के पुलिस उपाधीक्षक एच डी कुलकर्णी ने किया, साथ ही बेंगलूरु केंद्रीय कारागार और केरल के वियूर केंद्रीय कारागार की टीमें भी मौजूद थीं।

आन्तरिक व बाह्य सुधार ईश्वर तथा गुरु कृपा से संभव : श्री सुधांशु जी

आज भारी संख्या में होंगे मंत्र दीक्षा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विश्व जागृति मिशन के बेंगलूरु में स्थित श्रीधाम आश्रम द्वारा आयोजित अमृत ज्ञान वर्षा के क्रम में शुक्रवार प्रातःकालीन समारोह में शामिल हुए शिष्यों को बोलते हुए परम पूज्य श्री सुधांशु जी महाराज ने कहा कि व्यक्ति की आन्तरिक व बाह्य जगत की सुधार ईश्वर और गुरु कृपा से होती है।

इसलिए दोनों के प्रति अपने अन्दर अगाध श्रद्धा उत्पन्न करके पाया जा सकता है। अपने अन्दर की निर्णायक शक्ति को ठीक कर लेने से बाह्य के समस्त कार्य अच्छे होते हैं। आध्यात्मिक जगत के वरिष्ठ मनीषी पूज्य महाराजश्री जी ने कहा कि पावन श्रावण मास के पवित्र वेला में व्यक्ति अपने अन्दर भगवान् शिव की कृपा प्राप्त कर सकता है। अपनी श्रद्धा और भक्ति से नियमपूर्वक अपनी पात्रता के अनुसार देवों की कृपा को प्राप्त करें। परम पूज्य महाराजश्री ने कहा कि गलत निर्णय से भाग्य नर्क में जाता है और अच्छे निर्णय से स्वर्ग को प्राप्त होता है।

इसलिए अपने जीवन को सही ढंग से चलाने के लिए ईश्वर और गुरु से जुड़ें तथा संगति का चुनाव सही से करके सौभाग्य में बदलें। गुरु और भगवान का दरबार ही है जहां व्यक्ति का कल्याण होता है। आदित्य टांटिया ने बताया कि शनिवार को बड़ी संख्या में गुरु मंत्र दीक्षा होंगे। धर्म से जुड़कर एक नेक और अच्छे शिष्य बनकर जीवन को धन्य करने का सुनहरा अवसर है।

केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी से मुलाकात कर विभिन्न मुद्दों पर चर्चा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सांसद एवं भारत सरकार में उपभोक्ता एवं खाध मंत्री प्रहलाद जोशी के एफकेसीसीआई बेंगलूरु कार्यालय में आगमन पर शिष्टाचार भेंट कर स्वागत अभिनंदन किया गया।

प्रवासी राजस्थानी कर्नाटका संघ के महामंत्री डॉ. जवरीलाल लूनावत के तत्वावधान में नेशनल ट्रेडर्स वेलफेयर बोर्ड भारत सरकार के सदस्य प्रकाश पिरगल, सुराणा संघ अध्यक्ष महिपाल सुराणा व प्रकाश मांडोत ने मुलाकात कर देश में उत्तर भारतीयों के साथ बार बार भाषा विवाद को लेकर हो रहे अत्याचार को रोकने के लिए कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने कहा कि यह भारत की लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक व्यवस्था पर कुछ क्षेत्रीय ताकतों द्वारा हमला है। भाषा के नाम पर उनके आत्म सम्मान और अस्तित्व पर कुठाराघात हो रहा है, और उनके द्वारा हिंदी भाषियों को दबाना यह केवल भाषा का नहीं बल्कि भारत के राष्ट्रीय एकता व अखंडता व लोकतंत्र की आत्मा पर हमला है। अतः इस गंभीर मुद्दे को संसद के इस मानसून सत्र में उठाया जाए एवं सभी सांसदों को संसद में प्रभावशाली बात रखकर निर्णायक एवं ऐतिहासिक कानून बनाने की कोशिश की जाए। जोशी ने इस मुद्दे पर चिंता जाहिर की व कहा कि स्थायी समाधान हेतु देश की संसद में इस पर अवश्य विचार किया जायेगा।

चारित्र ग्रहण करने से ही आत्मा का कल्याण संभव

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में चातुर्मास हेतु विराजित साध्वी श्री हर्षपूर्णाश्रीजी ने अपने प्रवचन में कहा कि हमने आज तक गति तो बहुत की लेकिन हमारी आत्मा की प्रगति कितनी हुई इसका भी हमें चिंतन करना है। गति करते करते हमें प्रगति का भी ध्यान रखना चाहिए। आध्यात्मिक क्षेत्र में हमें सतत और निरंतर आगे बढ़ना चाहिए। पिछले वर्ष में किए गए सुकृत कार्यों से हमें कदम दर कदम आगे बढ़ते रहना चाहिए। हम बारह व्रतों का पालन अगर नहीं कर पा रहे हैं तो हमें क्रमशः एक एक व्रतों को ग्रहण करना चाहिए। जब तक हम प्रतिज्ञा प्रत्याख्यान नहीं लेंगे तब तक हमें पूरा दोष लगता रहता है। जब हम प्रत्याख्यान के बंधन में आ जाएंगे तो हम अपने कर्मों के बंध को सीमित कर सकते हैं। परमात्मा का जिनशासन इतना विशाल है कि हम छोटे छोटे नियम ग्रहण करके भी अपनी आत्मा का कल्याण कर सकते हैं। जब तक हम चारित्र ग्रहण करके साधु साध्वी नहीं बन सकते हैं तब तक हमें बारह व्रतों और चौदह नियमों का पालन करते हुए जिनशासन के सच्चे श्रावक तो बनना ही चाहिए। जब हम इन नियमों का पालन करेंगे तब हम परमात्मा महावीर के शासन के सच्चे श्रावक बन पाएंगे। चारित्र लेने से ही आत्मा का कल्याण संभव है। बिना सम्यक्त्व के चारित्र फलीभूत नहीं होता है और बिना चारित्र के मोक्ष प्राप्ति संभव नहीं है। हमारा आयुष्य तो घट रहा है परन्तु हमारी पाप वृत्तियां बढ़ती जा रही है। हमें अपनी ज्ञानदृष्टि खोलकर अपूर्णता में पूर्णता का अनुभव करना चाहिए।

तन धन और पद का कभी अभिमान नहीं करना चाहिए

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तन धन और पद का कभी अभिमान नहीं करना चाहिए। ये सभी अनित्य और अविश्वसनीय होते हैं। लक्ष्मी प्रकृति से चंचल होती है। सही समय पर सही तरीके से उपयोग कर लेने वाला विचक्षण होता है। यह बात साध्वी श्री इंदुप्रभा जी ने महावीर भवन अलसूर में आयोजित प्रवचन में कही। उन्होंने आगे उदाहरण देते हुए कहा कि राजस्थान में भयंकर अकाल के वक्त पीपाड़ के पास रिया के सेठ जीवनलाल जी ने निःस्वार्थ भाव से अपना खजाना खोल कर लाखों को प्राण दान दिया था। आज भी वह रिया सेठों की रिया के नाम से प्रसिद्ध है। प्रवचन के प्रारंभ में साध्वी श्री वृद्धिप्रभा जी ने कहा कि कर्म और धर्म निजी होते हैं। इसमें भागीद-ारी नहीं चलती है। हम भले ही

परिवार के लिए पाप सेवन करते हैं किंतु स्वयं का भुगतान स्वयं को ही करना पड़ता था। यह कर्म सिद्धांत है। जिनवाणी को हम किसी भी पूर्वाग्रह से मुक्त हो कर सुने और तुलना की मानसिकता नही रखें। न गलत धारणा रखें और न फैलावें। प्रवचन सभा में तमिलनाडु जयमल जैन श्रावक संघ के मंत्री प्रकाशचंद बोहरा उपस्थित थे। कई श्रावक श्राविकाओं ने तप के प्रत्याख्यान लिए। सभा का संचालन अभय कुमार बांठिया ने किया। धनपत राज बोहरा ने तपस्वियों का सम्मान किया।

एक क्षण में ही संपूर्ण जीवन बदल सकता है

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। यलहंका में विराजित पूज्य आचार्य श्री हस्तीमलजी के सुशिष्य पंडित रत्न श्री ज्ञानमुनिजी के सानिध्य में श्री लोकेश मुनि जी ने फरमाया कि हमें अपनी चेतना से पहले अपनी जिंदगी की भूमिका को जानना चाहिए। हमें कुछ पाने की चेष्टा, एकाग्रता, क्षणिक निद्रा, अल्प आहारी और एक विद्यार्थी की तरह किसी भी चीज को ग्रहण करने की क्षमता रखनी चाहिए। इन पांच लक्षणों को हमें अपने जीवन में धारण करना चाहिए जिनसे हम कोई भी कार्य को पूर्ण कर सके या फिर किसी भी लक्ष्य को पूरा कर सकेंगे। पूज्य श्री ज्ञान मुनि जी ने फरमाया कि उत्तराध्ययन सूत्र के चौथे अध्याय का संक्षिप्त सार यही है कि हमें किसी भी तरह का प्रमाद नहीं करना चाहिए। एक क्षण में ही संपूर्ण जीवन बदल सकता है। अन्न के बिना जीवन को व्यतीत कर सकते हैं परंतु जल के बिना नहीं। भावना से बड़ी कोई भक्ति नहीं। भक्ति में हृदय से की गई भावना सबसे महत्वपूर्ण हैं। भावना ही भक्ति को सार्थक और प्रभावी बनाती है। वात्सल्य से हर मुश्किल से मुश्किल काम भी बन जाता हैं। प्रमाद से खोना ही खोना है और वात्सल्यता से सब का प्रिया बन जाना है। रविवार को प्रवचन दोपहर में 2.30 से होगा। उस दिन मालव केसरी पुज्य गुरुदेव श्री सोभागमलजी की पुण्यतिथि एवं आचार्य भगवंत श्री जीतमलजी की जन्म जयंती मनाई जाएगी। नेमीचंद लुकड़ ने सभी का स्वागत किया एवं महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने सभा का संचालन किया।

देव दर्शन 3.0 ने श्रद्धा, उल्लास और एकता का अनुपम संगम किया प्रस्तुत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मारवाड़ी सम्मेलन महिला परिधि, कर्नाटक बेंगलूरु द्वारा आयोजित देव दर्शन 3.0 ने श्रद्धा, उल्लास और एकता का अनुपम संगम प्रस्तुत किया। 45 श्रद्धाल-ुओं का यह दल वेल्लोर के श्री लक्ष्मी नारायणी गोल्डन टेम्पल और कृष्णगिरि के श्री पद्मावती अम्मा मंदिर के दर्शन हेतु एक साथ यात्रा पर निकला। अध्यक्ष माया अग्रवाल के सशक्त नेतृत्व में यह यात्रा न केवल आध्यात्मिक रूप से समृद्ध रही, बल्कि मनोरंजन, गीत-संगीत और स्वादिष्ट भोजन की भी भरपूर व्यवस्था रही। दिनभर भक्ति, खेल और समूह गतिविधियों ने सभी को जोड़े रखा। इस सफल आयोजन का श्रैय सचिव शालिनी अग्रवाल, कोषाध्यक्ष हेमलता सांवरिया, सलाहकार मंजू अग्रवाल तथा ट्रिप कन्वीनर उपाध्यक्ष लता चौधरी, उपाध्यक्ष निर्मला गोयल, पूजा मदन अग्रवाल और पारुल अग्रवाल को जाता है। समिति सदस्य सविता अग्रवाल, हेमलता अग्रवाल, अंजू अग्रवाल और आशा मित्तल का योगदान भी सराहनीय रहा। सभी सदस्यों ने इस यात्रा का भरपूर आनंद उठाया, शानदार प्रतिक्रिया दी। यह देव दर्शन, दिल से जुड़ने का एक सशक्त माध्यम बन गया।

मंडल नम्मा नक्शे ऐप के माध्यम से डिजिटल नेविगेशन शुरू करेगा: आशुतोष कुमार सिंह

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण पश्चिम रेलवे के बेंगलूरु मंडल ने मंडलीय रेलवे उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति (डीआरयूसीसी) की बैठक आयोजित की। बैठक की अध्यक्षता बेंगलूरु मंडल के मंडलीय रेल प्रबंधक आशुतोष कुमार सिंह ने की।

इस अवसर पर बोलते हुए, आशुतोष कुमार सिंह ने कहा कि मंडल नम्मा नक्शे ऐप के माध्यम से डिजिटल नेविगेशन शुरू करेगा, जो प्लेटफॉर्म, प्रवेश द्वार, लिफ्ट और प्रतीक्षालयों को दर्शाने वाले उपयोग में आसान स्टेशन मानचित्र प्रदान करेगा। शुरुआत में, इसे केएसआर बेंगलूरु स्टेशन के लिए लागू किया जा रहा है, और जल्द ही और स्टेशन जोड़े जाएंगे। केएसआर बेंगलूरु स्टेशन के मुख्य और दूसरे दोनों प्रवेश द्वारों पर बैकलिट मानचित्र लगाए गए हैं। आशुतोष कुमार सिंह ने बताया कि मंडल अपनी 73 प्रतिशत आय यात्री यातायात से अर्जित करता है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, बेंगलूरु मंडल ने 103.72 मिलियन यात्रियों को ढोया, जो पिछले वर्ष के 100.81 मिलियन से 2.89 प्रतिशत वृद्धि को दर्शाता है। मंडल ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में माल ढुलाई से होने वाले राजस्व में मजबूत वृद्धि देखी और पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 14.56 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 326.3 करोड़ का राजस्व प्राप्त किया। मंडल ने पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 10.79 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 134.19 करोड़ का पार्सल राजस्व प्राप्त किया है। मंडल यशवंतपुर और पटेलनगर के बीच एक लीज्ड पार्सल कार्गो एक्सप्रेस ट्रेन (पीसीईटी) का संचालन कर रहा है। उन्होंने बताया कि अब तक, पीसीईटी ने 66.27 करोड़ का राजस्व प्राप्त करते हुए 375 यात्राएँ पूरी की हैं। बैठक के दौरान रेलवे से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई, जिसमें स्टेशनों पर एस्केलेटर की व्यवस्था, ट्रेनों की आवृत्ति बढ़ाना, यात्री सुविधाओं में सुधार और अन्य संबंधित मामले शामिल थे। डीआरयूसीसी की बैठक में समिति के कई सदस्य शामिल हुए, जिनमें अश्विन सेमलानी, मोहम्मद बेग, चिन्नागुटप्पा, कर्णम रमेश, बालकृष्ण, मिश्रीमल, नटराजन, सतीशा, गिरीश, वेणु यादव और वाई. बी. शिव प्रसाद शामिल थे। आशुतोष माथुर (अपर मंडल रेल प्रबंधक), कृष्ण चैतन्य, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, प्रिया, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक, डॉ. श्रेयांस बी. चिंचवड़े, वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त, सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

एनएचएआई ने एनएच 66 पर 26 किलोमीटर लंबी सर्विस रोड, 6 फुट ओवरब्रिज को मंजूरी दी

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। राष्ट्रीय राजमार्ग 66 पर लगातार हो रही घातक दुर्घटनाओं और बढ़ते जन विरोध के बाद, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनए-चएआई) ने कोटेश्वर और हेजामाडी के बीच 26 किलोमीटर लंबी सर्विस रोड और छह फुट ओवरब्रिज के निर्माण को मंजूरी दे दी है। उडुपी-चिक्कमगलूरु के सांसद कोटा श्रीनिवास पुजारी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में इसकी घोषणा की। ब्रह्मवर में एक दुखद घटना के बाद, जहाँ एक स्कूल के पास एक तेज रफ्तार वाहन की चपेट में आने से एक स्कूली बच्चे की मौत हो गई, सड़क सुरक्षा के बुनियादी ढाँचे को मजबूत करने की माँग जोर पकड़ गई। इसके बाद व्यापक विरोध प्रदर्शन हुए और दुर्घटना-प्रवण क्षेत्रों में बेहतर सड़क सुविधाओं की बार-बार अपील की गई। इन घटनाक्रमों के मद्देनजर, एनएचएआई ने एनएच-66 के कुंडापुरा-नानथूर खंड पर 12 स्थानों पर सर्विस रोड और छह स्थानों पर फुट ओवरब्रिज के निर्माण को मंजूरी दी है। उडुपी जिले में स्वीकृत सर्विस रोड खंडों में कोटेश्वर बाईपास से बान्स ग्रेनाइट से बिजाडी क्रॉस (830 मीटर), बिजाडी से टेक्कट्टे (अन्नपूर्णा होटल से कुंभशी होते हुए सान्वी एजेंसी तक) दोनों तरफ 3.5 किमी, टेक्कट्टे से सालिग्राम (सेवा संगमा से सालिग्राम) दोनों तरफ 1.02 किमी, ब्रह्मवर (महेश अस्पताल से एसएमएस जूनियर कॉलेज) दोनों तरफ 400 मीटर, अंबागिलु (इंद्रा सर्विस स्टेशन से मंदरा वुड इंडस्ट्रीज) दोनों तरफ 1 किमी, बलायिपडे (उद्यवारा जंक्शन से देशना बैंक) केवल दाईं ओर 325 मीटर, उदयवारा (बालयिपडे से उदयवारा किआ शोरूम) दोनों तरफ 1.64 किमी, बड़ा यरमल (यरमल मस्जिद के पास) दोनों तरफ 2 किमी और हेजामाडी (बॉस्को कंपनी, पदुबिद्री से कन्ननगर बेकरी के पास) केवल दाईं ओर 750 मीटर शामिल है। दक्षिण कन्नड़ जिले में, मुल्की (500 मीटर), पदुपनम्बुर (310 मीटर), हलेंगडी (550 मीटर) और बीरी (700 मीटर) में सर्विस रोड को मंजूरी दी गई है। छह नए स्वीकृत फुट ओवरब्रिज महेश अस्पताल, ब्रह्मवर, नित्तूर, उडुपी, थेंका यरमल, बप्पनडु मंदिर, मुल्की, श्रीनिवास कॉलेज, मुक्का और गोरेगुड्डे के सामने बनाए जाएँगे। सांसद कोटा श्रीनिवास पुजारी ने पुष्टि की कि इन सभी परियोजनाओं को सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय से आधिकारिक मंजूरी मिल गई है। इसके अतिरिक्त, एनएचएआई ने क्षेत्र में सड़क संपर्क और सुरक्षा को और बेहतर बनाने के लिए काटापडी में 500 मीटर लंबे वाहन ओवरपास को मंजूरी दी है।

दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी राज्य के कई हिस्सों में बारिश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण-पश्चिम मानसून ने वापसी की है और राज्य के कई हिस्सों में बारिश हुई है। तटीय और मलनाड क्षेत्रों में जहाँ व्यापक वर्षा हुई, वहीं आंतरिक भागों में हल्की से मध्यम वर्षा हुई। उत्तर कन्नड़, कोलार, दक्षिण कन्नड़, उडुपी और कोडागु जिलों में व्यापक वर्षा हुई, जबकि विजयपुरा, यादगिरी, बेंगलूरु शहरी और चिक्कबल्लापुर जिलों में मध्यम वर्षा हुई। बेलगावी, बागलकोट, कलबुर्गी, गदग, कोप्पल, चिक्कमगलूरु, बेंगलूरु ग्रामीण, शिवमोग्गा, मैसूरु और धारवाड़ सहित राज्य के अन्य जिलों में कुछ स्थानों पर छिटपुट वर्षा देखी गई। चित्रदुर्ग जिले में मौसम शुष्क रहा और विजयपुरा जिले के कोल्हारा तालुक के रोनिहाल ग्राम पंचायत में 138 मिमी भारी वर्षा दर्ज की गई। अरब सागर में बनी द्रोणिका के कारण राज्य में बादल छाए हुए हैं और तेज ठंडी हवाएँ चल रही हैं। राज्य भर में बारिश बढ़ने का अनुमान है और मौसम विभाग ने तटीय और मलनाड क्षेत्रों में भारी बारिश की भविष्यवाणी की है। कोडागु, दक्षिण कन्नड़, उत्तर कन्नड़ और उडुपी जिलों में व्यापक वर्षा हो रही है और रेड अलर्ट घोषित कर दिया गया है। जहां चिक्कमगलूरु, हासन, मैसूरु, शिवमोग्गा और चामराजनगर जिलों में ऑरेंज अलर्ट घोषित किया गया है, वहीं बीदर, कलबुर्गी, रायचूर, यादगिरी, बेंगलूरु ग्रामीण, बेंगलूरु शहरी, रामानगर और तुमकुरु जिलों में कहीं-कहीं अलर्ट घोषित किया गया है। कोलार, दावणगेरे, हा-वेरी, गदग, धारवाड़, चित्रदुर्ग और बेलगावी जिलों में मध्यम वर्षा हो रही है। कॉफी नाडु चिक्कमगलूरु में लगातार बारिश हो रही है, जबकि श्रृंगेरी, होरानाडु, एन.आर.पुरा, कोप्पा और अन्य स्थानों पर बारिश जारी है और जिन नदियों का जल स्तर कम हो गया था, वे फिर से बहने लगी हैं।

पीएम मोदी के बिना भाजपा 150 सीटें भी नहीं जीत पाएगी : निशिकांत दुबे

2029 में उनके ही नेतृत्व में लड़ेंगे चुनाव

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)।

झारखंड से भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने हाल ही में एक साक्षात्कार में कई बड़ी बात कही है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जमकर तारीफ की और कहा कि भाजपा उनके बिना नहीं चल सकती। दुबे ने कहा कि अगले 15 से 20 सालों तक, मैं सिर्फ़ मोदी को ही नेतृत्व करते देखता हूँ। उनके बिना, भाजपा 150 सीटें भी नहीं जीत पाएगी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधते हुए 'दिल्ली अभी खाली नहीं है' वाली टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर,

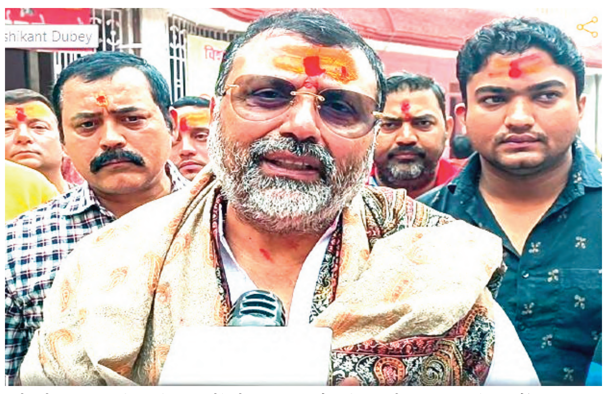

दुबे ने कहा कि दिल्ली में नेतृत्व परिवर्तन का कोई सवाल ही नहीं है। उन्होंने आत्मविश्वास से कहा कि 2029 का चुनाव भी मोदी के नेतृत्व में लड़ा जाएगा।

निशिकांत दुबे ने कहा कि अगले 15-20 सालों तक मुझे सिर्फ़ पीएम मोदी ही नज़र आते हैं। और ऐसा सिर्फ़ इसलिए नहीं है कि वो प्रधानमंत्री हैं। पीएम मोदी के आने पर वो वोट बैंक, जो कभी बीजेपी का वोट बैंक नहीं था, ख़ासकर समाज का ग़रीब तबका, बीजेपी का वोट बैंक बन गया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि अगर पीएम मोदी हमारे नेता नहीं होंगे, तो मेरी बात याद रखना, बीजेपी 150 सीटें भी नहीं जीत पाएगी...बीजेपी को 2029 का चुनाव भी पीएम मोदी के नेतृत्व में ही लड़ना है।

दुबे ने आगे कहा कि 2014 के बाद सोशल मीडिया का ज़माना है। इस देश के 140 करोड़ लोग पत्रकार हैं। पहले नियंत्रित पत्रकारिता होती थी, अब अनियंत्रित है। उन्होंने कहा क प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में कोई डीप स्टेट काम नहीं कर सकता। इसकी वजह ये है कि प्रधानमंत्री हर चीज़ को व्यक्तिगत रूप से संभालते हैं। उनसे कुछ भी छिपा नहीं है। दूसरी बात, आम लोगों से उनका जुड़ाव है। मैं जब भी उनसे मिलता हूँ, वो मुझे मेरे क्षेत्र के बारे में कुछ ऐसा बताते हैं जिससे मैं वाकिफ़ नहीं होता। इसलिए, उनके नेतृत्व में डीप स्टेट ज़्यादा दिन काम नहीं कर सकता।

अपने 'पटक पटक के मारेंगे' वाले बयान पर भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि मैं यह फिर से कह रहा हूँ, मैं अपने बयान पर कायम हूँ। यह देश विविधताओं से भरा है और इसके सभी लोगों का अपने क्षेत्र के प्रति गहरा लगाव है। अगर महाराष्ट्र इस देश का हिस्सा है, तो कोई भी इस देश में कहीं भी बस सकता है। लेकिन वे हिंदी भाषा बोलने वालों के साथ मारपीट करते हैं। आज भी मुंबई में केवल 31-32% मराठी भाषी रहते हैं। मैं स्वीकार करता हूँ कि महाराष्ट्र का अर्थव्यवस्था में बहुत बड़ा यो-गदान है, छत्रपति शिवाजी महाराज के प्रति मेरे मन में बहुत सम्मान है।

अमरनाथ यात्रा फिर से शुरू

7,908 तीर्थयात्रियों का नया जत्था जम्मू बेस कैंप से रवाना

जम्मू, 18 जुलाई (एजेंसियां)।

जम्मू बेस कैंप से श्री अमरनाथ यात्रा एक दिन के लिए स्थगित होने के बाद आज सुबह 7,908 तीर्थयात्रियों का एक नया जत्था 'बम बम भोले' का जयकारा लगाते हुए यात्री निवास भगवती नगर बेस कैंप से दक्षिण कश्मीर हिमालय में स्थित पवित्र अमरनाथ गुफा मंदिर के लिए रवाना हुआ।

बालटाल मार्ग पर भूस्खलन और भारी बारिश के कारण कल जम्मू और पहलगाम-चंदनवाड़ी बेस कैंप से किसी भी जत्थे को आगे बढ़ने की अनुमति नहीं दी गई थी।

हालांकि, अधिकारियों ने बताया कि तीर्थयात्री आज 261 वाहनों के बेड़े में बेस कैंप से रवाना हुए।

उन्होंने आगे कहा, कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच 7,908 तीर्थयात्रियों का एक नया जत्था जम्मू बेस कैंप से कश्मीर स्थित श्री अमरनाथ गुफा मंदिर के लिए रवाना हुआ।

उन्होंने आगे बताया कि 2,879 तीर्थयात्री पहलगाम और 5,029 तीर्थयात्री बालटाल के लिए 261 वाहनों के काफिले में रवाना हुए, जिनमें हल्के मोटर वाहन और भारी मोटर वाहन दोनों शामिल थे।

38 दिवसीय वार्षिक तीर्थयात्रा दोनों मार्गों से दो जुलाई को उपराज्यपाल मनोज सिन्हा द्वारा पहले जत्थे को हरी झंडी दिखाकर रवाना करने के साथ शुरू हुई। यात्रा 9 अगस्त को समाप्त होगी। अब तक 2 लाख से अधिक तीर्थयात्री इस तीर्थस्थल के दर्शन कर चुके हैं।

धर्मनगरी अयोध्या का सौंदर्यीकरण

दशरथ पथ का स्वरूप निखारेंगी 15 हस्त और 15 शस्त्र मुद्राएं

अयोध्या, 18 जुलाई (एजेंसियां)।

रामनगरी अयोध्या में दशरथ पथ के स्वरूप को निखारने में 15 हस्त और 15 शस्त्र मुद्राएं अपना योगदान देंगी।

इस पथ के डिवाइडर पर छह फीट ऊंचे 30 पिलर बनाए जाएंगे। पिलर पर हस्त और शस्त्र मुद्रा की स्थापना की जाएगी। इस मार्ग से गुजरने वाले राहगीरों के लिए ये मुद्राएं आकर्षण का केंद्र होंगी। साथ ही रामनगरी की समृद्ध आध्यात्मिक विरासत का भी अहसास कराएंगी।

धर्मपथ के पास एनएच-27 पर स्थित साकेत पेट्रोल पंप से होते हुए बिल्वहिरघाट तटबंध के समानांतर दशरथ समाधि होते हुए पूरा बाजार में अंबेडकरनगर हाईवे से जुड़ने वाले 15.30 किमी लंबे दशरथ पथ का निर्माण तेजी से चल रहा है। अभी हाल ही में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसी के किनारे किष्किंधा वन की सौगात देते हुए त्रिवेणी वाटिका की स्थापना की थी। इसी पथ के किनारे सोलर सिटी भी है। इतना ही नहीं इसी के पास महानायक अमिताभ बच्चन ने जमीन भी खरीदी है।

इन सबसे अयोध्या के इस नए पथ के महत्व का अंदाजा लगाया जा सकता है। इसी कड़ी में अयोध्या विकास प्राधिकरण ने अब इस पथ को धर्मपथ की तर्ज पर भव्य स्वरूप देने की तैयारी की है। इसके लिए टेंडर की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। हस्त और शस्त्र मुद्राएं तैयार करने के लिए कलाकार का भी चयन हो गया है। इनकी ओर से इन मुद्राओं को आकार देने का काम किया जा रहा है। दशरथ पथ का निर्माण पूरा होने के साथ इन्हें स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी।

इस बारे में अयोध्या विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अश्वनी पांडेय ने को बताया कि रामपथ, भक्तिपथ और धर्मपथ की ही तरह दशरथ पथ भी रामनगरी के प्रमुख कॉरिडोर में शामिल है। इसका निर्माण पूरा होने के बाद बड़ी संख्या में लोगों का इस पर आवागमन होगा। इसलिए इसे भी भव्य स्वरूप देने के लिए मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप 85 लाख रुपए की लागत से हस्त और शस्त्र मुद्राओं से सुसज्जित किया जाएगा। आने वाले समय में इस पथ के आसपास अन्य विकास कार्य कराए जाने की भी कार्ययोजना तैयार की जा रही है।

बलरामपुर की सुआंव और बहराइच की टेढ़ी नदी हुई पुनरजीवित

अस्तित्व खो चुकीं नदियों को मिल रहा नया जीवन

लखनऊ, 18 जुलाई (एजेंसियां)।

बलरामपुर की सुआंव नदी और बहराइच की टेढ़ी नदी अब फिर से जीवंत हो उठी हैं। यह बदलाव मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के एक जनपद एक नदी मुहिम से संभव हो पाया है। सीएम योगी के प्रयासों से प्रदेश की लुप्त होती नदियों के पुनरजीवन के लिए प्रशासनिक इच्छाशक्ति और जनसहयोग का संगम देखने को मिल रहा है। सीएम योगी की मुहिम को ग्रामीणों का भरपूर समर्थन मिल रहा है। उनके आह्वान पर स्थानीय श्रमदान के माध्यम से नदियों के पुनरुद्धार में अपनी भागीदारी निभा रहे हैं।

देवीपाटन मंडलायुक्त शशि भूषण लाल सुशील ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप मंडल के चार जिलों में विलुप्त हो चुकी नदियों का पुनरुद्धार किया जा रहा है। इससे श्रावस्ती की बूढ़ी राप्ती, गोंडा की मनोरमा नदी अपने मूल स्वरूप में बहने लगी है जबकि बलरामपुर की सुआंव और बहराइच की टेढ़ी नदी के पुनरुद्धार का काम युद्धस्तर पर चल रहा है। बलरामपुर जिलाधिकारी पवन अग्रवाल ने बताया कि एक जनपद, एक नदी अभियान के तहत बलरामपुर की सुआंव नदी का चयन किया गया। उन्होंने बताया कि लगभग 121 हेक्टेयर लम्बाई और 320.61 वर्ग हेक्टेयर क्षेत्रफल वाली सुआंव नदी का बहाव वर्षों से अवरुद्ध था। वहीं, मुख्यमंत्री के निर्देश पर नदी के पुनरुद्धार का कार्य मिशन मोड में शुरू कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि सुआंव नदी के संरक्षण के लिए कुल 49 कार्य स्थलों की पहचान की गई, जिनमें से 25 पर कार्य प्रारंभ हो चुका है और 24 कार्यों के लिए योजना निर्माण की प्रक्रिया अंतिम चरण में है।

नदी के पुनरुद्धार के लिए अनुमानित 45,747 मानव-दिवसों का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें से 13,749 मानव-दिवसों का कार्य पूरा किया जा चुका है। नगर पालिका परिषद द्वारा नदी की सफाई और नालों की मरम्मत के कार्य युद्धस्तर पर कराए जा रहे हैं। जिन स्थानों पर नदी के प्रवाह को बाधित करने वाली गाद और कचरा एकत्र हुआ था, वहां से मशीनों और श्रमिकों के सहयोग से निकासी की जा रही है। इसके अलावा वन विभाग द्वारा नदी के दोनों किनारों पर पौधरोपण अभियान चलाया जा रहा है, जिससे पारिस्थितिकी संतुलन बहाल हो सके और नदी के किनारे हरियाली का विकास हो।

बहराइच की जिलाधिकारी मोनिका रानी ने बताया कि सीएम योगी आदित्यनाथ के विजन को साकार करने के लिए बहराइच में विलुप्त हो चुकी टेढ़ी नदी के पुनरुद्धार का काम जोरों से चल रहा है।

यह नदी लगभग 38 किलोमीटर लम्बी है, पिछली सरकारों में अनदेखी की वजह से अपने मूल स्वरूप से भटक गई थी। इसे दोबारा जनसहयोग से पुनरजीवित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि टेढ़ी नदी के दोनों किनारों की सफाई, झाड़ियां हटाना, गाद निकालना और जलधारा को पुनः सुगम बनाना का कार्य किया जा रहा है। नदी के पुनरुद्धार से न केवल सिंचाई और जल संचयन की सुविधा बढ़ेगी, बल्कि पर्यावरणीय संतुलन भी सुदृढ़ होगा।

बता दें कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं अभियान की प्रगति की नियमित निगरानी कर रहे हैं। उनका मानना है कि जल संसाधनों का संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि जनसामान्य की साझेदारी से ही कार्य संभव हो सकता है। यही वजह है कि प्रदेश में नदी पुनरुद्धार अभियान को एक सामाजिक आंदोलन का स्वरूप दिया गया है। सीएम योगी की मुहिम संस्कृति, जीवनशैली और भविष्य को सुरक्षित करने के संकल्प को दर्शाती है।

स्वर्ण मंदिर बम धमकी, श्री दरबार साहब को बम से उड़ाने की धमकी देनेवाला गिरफ्तार

अमृतसर, 18 जुलाई (एजेंसियां)।

पुलिस ने बताया कि पंजाब के अमृतसर स्थित सिखों के पवित्र तीर्थस्थल स्वर्ण मंदिर को ईमेल के माध्यम से बम से उड़ाने की पांच धमकियों के सिलसिले में हरियाणा के फरीदाबाद के एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर को शुक्रवार को हिरासत में लिया गया। आर-ोपी शुभम दुबे (24) को 14 जुलाई को शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) को भेजे गए पहले धमकी भरे ई-मेल के संबंध में पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है।

अमृतसर के पुलिस कमिश्नर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि दुबे का लैपटॉप और फ़ोन ज़ब्त कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि दुबे के पास बी.टेक की डिग्री है और वह कई कंपनियों में काम कर चुका है। कमिश्नर ने यह भी स्पष्ट किया कि दुबे का कोई पिछला आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। भुल्लर के अनुसार, दुबे को पंजाब पुलिस की साइबर क्राइम यूनिट और केंद्रीय ख़ुफ़िया एजेंसियों की मदद से पकड़ा गया। हालाँकि, उसे औपचारिक रूप से गिरफ़्तार नहीं किया गया है। भुल्लर ने इस गिरफ्तारी को आंशिक सफलता बताते हुए कहा कि जाँच जारी है और आने वाले दिनों में और प्रगति की उम्मीद है।

इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने गुरुवार को जनता से अफवाहों का शिकार न होने की अपील की और राज्य की सुरक्षा के प्रति अपनी सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। धमकी भरे ईमेल मिलने के बाद, उन्होंने चंडीगढ़ में पुलिस महानिदेशक गौरव यादव सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक की। एसजीपीसी अध्यक्ष हरजिंदर सिंह धामी ने खुलासा किया कि सर्वोच्च गुरुद्वारा संस्था को 14 जुलाई से स्वर्ण मंदिर पर हमले की चेतावनी वाले पाँच धमकी भरे ईमेल मिले हैं। धामी ने सवाल उठाया कि क्या ये धमकियाँ किसी विक्षिप्त व्यक्ति का काम हैं या किसी व्यापक साज़िश का हिस्सा हैं। उन्होंने यह भी चिंता जताई कि ऐसी धमकियाँ मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं में भय फैलाने के लिए हो सकती हैं।

इस वर्ष 25% कॉलेजों को नैक मान्यता दिलाएगी योगी सरकार

नैक मूल्यांकन को अनिवार्य बनाने की बन रही नीति

लखनऊ, 18 जुलाई (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए योगी आदित्यनाथ सरकार ने इस वर्ष एक बड़ा लक्ष्य निर्धारित किया है। 2025-26 तक प्रदेश के 25 प्रतिशत कॉलेजों को राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (नैक) से मान्यता दिलाना इस अभियान का मुख्य उद्देश्य है।

यह प्रयास राज्य के उच्च शिक्षा विभाग एवं उत्तर प्रदेश स्टेट लेवल क्वालिटी एश्योरेंस सेल के सक्रिय प्रयासों का परिणाम है। उल्लेखनीय है कि उच्च शिक्षा संस्थानों की रैंकिंग में सुधार के लिए की गई पहल के तहत नैक मूल्यांकन हेतु पहले ही 1000 कॉलेजों का चयन किया जा चुका है। यही नहीं, अब तक राज्य के 6 विश्वविद्यालयों ने नैक में ए-प्लस-प्लस रैंकिंग भी हासिल की है। इसी क्रम में अब 25 प्रतिशत कॉलेजों को नैक मान्यता दिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

राज्य सरकार ने नैक मूल्यांकन की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए बाइनरी प्रणाली की शुरुआत की है। यह प्रणाली कॉलेजों के लिए सरल, पारदर्शी और परिणामोन्मुख मूल्यांकन सुनिश्चित करती है, जिससे कॉलेजों को समय पर अपनी स्वीकृति और ग्रेडिंग प्राप्त करने में मदद मिलेगी। सरकार अब सभी पात्र कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के लिए समय पर नैक मूल्यांकन को अनिवार्य और जवाबदेही आधारित बनाने जा रही है। इसके लिए एक नई नीति तैयार की जा रही है, जिसमें संस्थानों को तय समय सीमा में मूल्यांकन प्रक्रिया पूर्ण करनी होगी।

उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय के अनुसार, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में यह पहल राज्य के शैक्षणिक संस्थानों की वैश्विक स्तर पर साख बढ़ाने की दिशा में एक ठोस कदम है।

इससे छात्रों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण, योग्य शिक्षक और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर की मान्यता प्राप्त संस्थान मिलेंगे। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा शुरू की गई यह श्रृंखलाबद्ध पहल उच्च शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता, जवाबदेही और तकनीकी समावेशन को लेकर एक नई मिसाल पेश कर रही है। इससे न केवल कॉलेजों की रैंकिंग बेहतर होगी, बल्कि छात्रों का भविष्य भी मजबूत होगा।

नैक पूर्ण रूप से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा वित्त पोषित एक स्वायत्त संस्था है। यह संस्था यूजीसी द्वारा निर्धारित यूनिवर्सिटी और कॉलेजों हेतु मानकों की जांच करती है। इसके द्वारा भारत में उच्च शिक्षा की यूनिवर्सिटी और महाविद्यालयों का मूल्यांकन करके उन्हें मान्यता प्रदान की जाती है। नैक मूल्यांकन के अंतर्गत ग्रेड प्वॉइंट्स प्रदान किए जाते हैं।

इसमें न्यूनतम ग्रेड 1.5 और अधिकतम ग्रेड 4 है। मूल्यांकन के समय नैक यूनिवर्सिटी और कॉलेजों में प्रदान की गयी सुविधाओं के अनुसार उन्हें ग्रेड प्रदान करता है।

नैक मूल्यांकन में जिस संस्थान को ए-प्लस-प्लस प्रदान किया जाता है, उसमें शिक्षा प्रदान करने का स्तर बहुत ही अच्छा होता है। जिस संस्थान को डी प्रदान किया जाता है, उसमें वह स्तर बहुत ही निम्न स्तर का होता है और ऐसे संस्थान को मान्यता नहीं प्रदान की जाती है।

नैक रेटिंग से स्टूडेंट्स को शिक्षण संस्थान के बारे में सही जानकारी मिलती है। छात्रों को संस्थान के बारे में, शिक्षा की गुणवत्ता, अनुसंधान, बुनियादी ढांचा और इंफ्रास्ट्रक्चर जैसी जानकारी हासिल करने में आस-ानी होती है। नैक ग्रेडिंग के जरिए छात्र अपने लिए बेहतर कॉलेज तलाश कर सकते हैं. इतना ही नहीं, नैक ग्रेड शिक्षण संस्थानों की दी गई डिग्रियों का मूल्य भी निर्धारित करते हैं।

दुनिया को समझो, खुद को तैयार करो

विदेश मंत्री जयशंकर ने छात्रों को दिए चार मंत्र

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने दिल्ली के एयरफोर्स स्कूल के 70वें स्थापना दिवस पर छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के छात्र जिन हालातों में आगे बढ़ेंगे, वह दुनिया एकदम अलग होगी। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसी दुनिया होगी जहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, टेक्नोलॉजी, ड्रोन, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और स्पेस जैसी चीजें मुख्य भूमिका निभाएंगी। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में खुद को तैयार करना बेहद जरूरी है।

जयशंकर ने कहा कि जो आदतें और मूल्य स्कूल जीवन में सिखाए जाते हैं, वे भविष्य में पेशेवर जीवन में काम आते हैं। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए

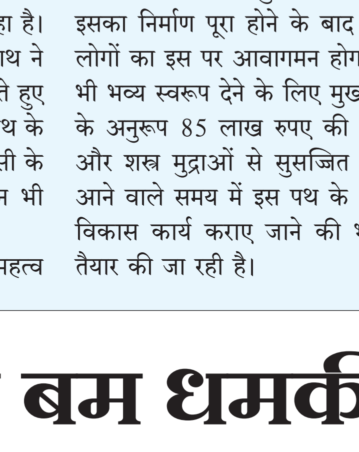

कहा कि एक डिप्लोमैट के तौर पर उन्हें बार-बार यह महसूस हुआ कि स्कूल की सिखाई गई तैयारियां, होमवर्क की आदत और पहले से चीजों को सोचने की योग्यता ही उन्हें दूसरों से आगे रखती है।

विदेश मंत्री ने छात्रों को चार खास सलाह दीं। साथ ही उन्होंने कहा कि आज की दुनिया वैश्विक है, और हमें उसकी समझ होनी हर हाल में होनी चाहिए।

- **स्कूल को गंभीरता से लें और शिक्षकों की बातों को ध्यान से सुनें।**
- **दुनिया में क्या हो रहा है, उसमें रुचि लें**
- **शरीर को फिट रखें और किसी खेल में जरूर भाग लें**
- **खुद को खोजें और जीवन को भरपूर आनंद से जिएं।**

जयशंकर ने कहा कि कोविड महामारी से लेकर अंतरराष्ट्रीय युद्धों तक, आज दुनिया में जो कुछ भी होता है, वह सीधे हमारी जिंदगी को प्रभावित करता है। इसलिए छात्रों को अब से ही वैश्विक विषयों की जानकारी लेनी चाहिए और समझना चाहिए कि भारत 'विकसित भारत 2047' की दिशा में क्यों काम कर रहा है।

उन्होंने कहा कि दुनिया की समझ सिर्फ किताबों से नहीं आती। बच्चे म्यूजिक, फिल्मों, किताबों और स्मार्टफोन के जरिए भी दुनिया से जुड़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ियां भारत का प्रतिनिधित्व इस आधार पर करेंगी कि उन्होंने दुनिया की चुनौतियों और अवसरों का कैसे सामना किया।

जयशंकर ने मंच से कहा कि स्कूल में लौटकर उन्हें गहरी आत्मीयता और पुरानी यादें ताजा हुईं। उन्होंने कहा कि जब उन्होंने अपने स्कूल की इमारत दोबारा देखी, तो उन्हें वो क्लासरूम भी याद आ गए जहां वे पढ़ते थे। उन्होंने एक पुरानी तस्वीर का जिक्र करते हुए कहा कि वह अंतिम पंक्ति में थे। हमेशा हर कोई हर दिन सबसे अच्छा नहीं होता, और इसमें कोई बुराई नहीं।

बिरसा मुंडा पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्यमंत्री ने कहा

सोशल मीडिया पर फेक अकाउंट से फैला रहे जातीय विद्वेष

वाराणसी, 18 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने दो दिवसीय वाराणसी दौरे के दौरान शुक्रवार को वसंत महिला महाविद्यालय में जनजातीय गौरव बिरसा मुंडा पर आधारित राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने जनजातीय समाज को भारत का मूल समाज बताते हुए इसके ऐतिहासिक योगदान पर चर्चा की। साथ ही उन्होंने समाज में विभेद पैदा करने वालों पर भी कड़ा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि कुछ लोग सोशल मीडिया पर फर्जी अकाउंट बनाकर जातियों में विभेद और संघर्ष को बढ़ावा दे रहे हैं, जिसे रोकने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में जनजातीय समाज को भारत की सनातन परंपरा का आधार बताते हुए कहा कि यह समाज हर कालखंड में देश की रक्षा और संस्कृति के संरक्षण के लिए अग्रिम पंक्ति में खड़ा रहा है। उन्होंने भगवान राम, भगवान कृष्ण, महाराणा प्रताप और छत्रपति शिवाजी महाराज के समय में जनजातीय समाज के योगदान का उल्लेख किया।

उन्होंने कहा कि जब भगवान राम वनवास में थे और माता सीता का अपहरण हुआ, तब उनके पास अयोध्या या जनकपुर की सेना नहीं थी। उस समय जनजातीय समाज ने उनके साथ मिलकर रावण के खिलाफ युद्ध लड़ा। इसी तरह, महाराणा प्रताप ने अरावली के जंगलों में भटकते हुए जनजातीय समाज के सहयोग से अपनी सेना का पुनर्गठन किया और अकबर से युद्ध किया। छत्रपति शिवाजी ने भी वनवासी समाज के सहयोग से हिंदवी साम्राज्य की स्थापना की।

मुख्यमंत्री ने बिरसा मुंडा को राष्ट्रीय आंदोलन का उत्प्रेरक बताते हुए कहा कि जनजातीय समाज ने हमेशा भारत की विरासत और धरोहर को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि हमने अक्सर देश की वर्तमान स्वतंत्रता को ही राष्ट्रीय आंदोलन के रूप में देखा, लेकिन जनजातीय समाज ने हर युग में सनातन धर्म की रक्षा के लिए संघर्ष किया।

बिरसा मुंडा ने अल्पायु में धरती माता और गुलामी की बेड़ियों को तोड़ने का संदेश दिया, जो आज भी प्रेरणा देता है। मुख्यमंत्री ने समाज में विभेद पैदा करने वालों पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि कुछ लोग सोशल मीडिया पर फर्जी अकाउंट बनाकर जातियों और समुदायों के बीच संघर्ष की स्थिति पैदा कर रहे हैं।

उन्होंने एक घटना का जिक्र करते हुए कहा कि दो-तीन साल पहले एक आगजनी की घटना हुई थी। तब मैंने कहा था कि यह आगजनी किसी विशेष समुदाय ने नहीं की होगी। मजांच में पता चला कि आगजनी करने वाला व्यक्ति भगवा गमछा पहने था, लेकिन उसके मुंह से या अल्लाह निकला। ऐसे लोगों को चिह्नित कर समाज से बाहर करना होगा, तभी राष्ट्रीय एकता को मजबूत किया जा सकता है। उन्होंने आगे कहा कि जो लोग समाज को तोड़ने का काम करते हैं, वे वही हैं जो फर्जी अकाउंट बनाकर जातीय संघर्ष को बढ़ावा देते हैं। यह वही वर्ग है, जिसने आदिवासियों को भड़काने और भारत के खिलाफ खड़ा करने का प्रयास किया। इनके खिलाफ सख्त कार्रवाई जरूरी है।

मुख्यमंत्री ने स्वीकार किया कि पिछली सरकारों की कमी रही है कि वे जनजातीय समाज तक शासन की सुविधाएं और संवाद नहीं पहुंचा सकीं। उन्होंने कहा कि जहां संवाद बाधित होगा, वहां संघर्ष की स्थिति पैदा होगी। हमारी सरकार ने 2017 के बाद जनजातीय गांवों को राजस्व गांव का दर्जा दिया। 1947 से 2017 तक इन गांवों में मतदान का अधिकार तक नहीं था। हमने राशन कार्ड, जमीन के पट्टे और पेंशन जैसी सुविधाएं दीं। सोनभद्र, चंदौली, मिर्जापुर और नेपाल की तराई में जनजातीय समाज को योजनाओं से जोड़ा गया।

मुख्यमंत्री ने जनजातीय समाज को सनातन परंपरा का सच्चा प्रतिनिधि बताते हुए कहा कि यह समाज वेदों की शिक्षाओं को अपने जीवन में उतारता है। उन्होंने कहा कि हम पेड़ों और नदियों की पूजा करते हैं, लेकिन उन्हें काटने या उन पर कब्जा करने में संकोच नहीं करते। लेकिन जनजातीय समाज ने प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर वेदों की शिक्षाओं को जीया है। भारत की परंपरा में यह कभी नहीं कहा गया कि मंदिर जाने वाला या ग्रंथ मानने वाला ही हिंदू है। जो मानेगा, वह भी हिंदू है और जो नहीं मानेगा, वह भी हिंदू है। चार्वाक और भगवान बुद्ध ने वेदों को नहीं माना, फिर भी हमारे लिए पूज्य हैं, तो फिर जनजातीय समाज के साथ यह प्रश्न क्यों खड़ा किया जाता है?

मुख्यमंत्री ने सामाजिक समरसता पर जोर देते हुए कहा कि कांवड़ यात्रा में न जाति का भेद है, न मत का, न सम्प्रदाय का। उन्होंने कहा कि आज कांवड़ यात्रा भक्ति भाव से चल रही है, लेकिन कुछ लोग इसे उपद्रवियों का नाम दे देते हैं। यह वही वर्ग है, जो आदिवासियों को भड़काता है। हमें इनसे सतर्क रहना होगा। उन्होंने एक अन्य उदाहरण देते हुए कहा कि जौनपुर में जबरदस्ती नियमों को ताक पर रखकर ऊंचा ताजिया बनाया गया, जो हाईटेंशन तार की चपेट में आया और तीन लोग मारे गए। फिर रास्ता जाम किया गया। मैंने पुलिस को सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। ऐसे लोगों को समझना होगा कि सामाजिक समरसता बनाए रखना जरूरी है।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में घोषित करने की सराहना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने जनजातीय समाज के मन में विश्वास पैदा किया है। यह हमारा मूल समाज है।

उनके साथ संवाद और कृतज्ञता व्यक्त करना जनजातीय गौरव दिवस का उद्देश्य है। उन्होंने यह भी बताया कि उनकी सरकार ने कोल जनजाति जैसे समुदायों को योजनाओं से शत प्रतिशत जोड़ने का काम किया है। उन्होंने कहा कि हमने भगवान राम की विरासत से जुड़े कोल जनजाति को संतृप्त करने का प्रयास किया। यह हमारा दायित्व है कि हम उनके बीच जाएं और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का भाव पैदा करें।

अवैध खनन की रोकथाम के लिए सरकार ला रही नई तकनीक

वेट इन मोशन तकनीक से अवैध खनन पर लगेगा अंकुश

लखनऊ, 18 जुलाई (एजेंसियां)। योगी सरकार अवैध खनन और परिवहन को रोकने के लिए आधुनिक तकनीक का सहारा ले रही है। इसके लिए एकीकृत खनन निगरानी तंत्र के तहत कई कदम उठाए जा रहे हैं। ड्रोन, जियो-फेंसिंग, रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन माइनिंग टैग और एआई आधारित चेक गेट्स के जरिए पहले से ही निगरानी की जा रही है। अब सरकार वेट इन मोशन तकनीक को लागू करने की तैयारी कर रही है, जो समय की बचत के साथ-साथ 100 प्रतिशत सटीकता सुनिश्चित करेगी। इस तकनीक से वाहनों की ओवरलोडिंग पर प्रभावी नियंत्रण संभव होगा। भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग ने खनन क्षेत्रों की निगरानी को और मजबूत करने के लिए कई तकनीकी उपाय किए हैं। खनन क्षेत्रों की जियो-फेंसिंग, कैमरा युक्त वेट-ब्रिज और वाहनों पर रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन माइनिंग टैग के जरिए खनिज परिवहन पर नजर रखी जा रही है। इसके अलावा, 25 जनपदों में 57 मानव रहित इंटरनेट ऑफ थिंग्स/आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित चेक गेट्स स्थापित किए गए हैं, जिन्हें निदेशालय के कमांड सेंटर से एकीकृत किया गया है। वहीं अब विभाग ने वेट इन मोशन संयंत्र की स्थापना के लिए परिवहन आयुक्त से भी सहयोग मांगा गया है, ताकि अवैध खनन और परिवहन पर पूरी तरह रोक लग सके। खनन क्षेत्रों के सर्वे और निगरानी के लिए ड्रोन के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने यूपी इलेक्ट्रॉनिक्स, यूपी डेस्को और श्रीट्रान इंडिया लिमिटेड जैसी संस्थाओं से तकनीकी और वित्तीय प्रस्ताव मांगे हैं। यह कदम अवैध खनन को रोकने में मदद करेगा और खनन गतिविधियों को और पारदर्शी बनाएगा। ड्रोन तकनीक से खनन क्षेत्रों की सटीक निगरानी और सर्वेक्षण संभव होगा, जिससे अवैध गतिविधियों पर तुरंत कार्रवाई की जा सकेगी। इसके साथ ही खनन सेवाओं को डिजिटल और पारदर्शी बनाने के लिए योगी सरकार ने पोर्टल को पर्यावरण, वन एवं जलवायु मंत्रालय के परिवेश पोर्टल के साथ जोड़ने की प्रक्रिया शुरू की है। इससे पर्यावरण स्वच्छता प्रमाण पत्र की प्रक्रिया का प्रभावी अनुश्रवण हो सकेगा और खनन क्षेत्रों में कार्रवाई को तेज किया जा सकेगा। योगी सरकार की यह पहल न केवल अवैध खनन को रोकेगी, बल्कि खनन प्रक्रिया को अधिक व्यवस्थित और पर्यावरण के अनुकूल बनाएगी। वेट इन मोशन (डब्लूआईएम) एक आधुनिक तकनीक है जो भारी वाहनों, जैसे खनन ट्रकों या मालवाहक वाहनों, का वजन उनके चलते समय मापती है। यह सिस्टम सड़क पर लगे सेंसरों का उपयोग करता है जो वाहन के वजन, गति और अन्य जानकारी को बिना रुके रिकॉर्ड करता है। इससे समय की बचत होती है, कार्यक्षमता बढ़ती है और सड़क सुरक्षा में सुधार होता है।

एथेनॉल के बाई प्रोडक्ट से बन रहा पशु आहार

मक्का और चावल के अवशेष से बनेगा पशु आहार

गोरखपुर, 18 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अनुसंधान और विकास पर जोर देने के मंत्र को अपनाकर गोरखपुर के गीडा क्षेत्र में स्थित इंडिया ग्लाइकॉल्स लिमिटेड (आईजीएल) ने आम के आम गुठलियों के दाम वाली कहावत को चरितार्थ किया है। अनाज से एथेनॉल बना रही आईजीएल ने अब इसके बाई प्रोडक्ट (सह उत्पाद) से प्रोटीन से भरपूर पशु आहार का उत्पादन शुरू किया है। इसका ट्रायल सफल रहा है। अब कंपनी इसके वाणिज्यिक उत्पादन से जुड़ने जा रही है। आईजीएल गीडा क्षेत्र में स्थित बड़े उद्योगों में से एक है। इसके डिस्टलरी प्लांट में ग्रेन बेस्ड (अनाज आधारित) एथेनॉल भी बनता है। एथेनॉल बनाने के कंपनी मक्का और चावल का इस्तेमाल करती है। एथेनॉल बनाने के बाद बचे अनाज के अवशेष से आईजीएल ने पशु आहार बनाना शुरू किया है। आईजीएल के बिजनेस हेड एसके शुक्ला बताते हैं कि बाई प्रोडक्ट में कुछ और पोषक तत्व मिलाकर इसका ट्रायल शुरू किया। यह डीडीजीएस (डिस्टिलर्स ड्राईड ग्रेन्स विथ सॉल्यूबल्स) पशु आहार है। इसमें प्रोटीन और फाइबर प्रचुर मात्रा में है। आईजीएल ने तैयार पशु आहार को क्षेत्र के कई पशुपालकों को प्रयोग के तौर पर दिया गया। पशुपालकों से प्राप्त फीडबैक के अनुसार पंद्रह दिन लगातार यह पशु आहार देने के बाद प्रति दुधारू पशु दो लीटर अधिक दूध प्राप्त होने लगा। बिजनेस हेड के अनुसार अब कंपनी ने प्रोटीजीएस ब्रांड से वाणिज्यिक उत्पादन शुरू करने की तैयारी कर रही है। शुरुआती चरण में प्रतिदिन 5 से 6 क्विंटल उत्पादन किया जाएगा। अभी पचास किलो की पैकिंग में पशु आहार उपलब्ध कराया जाएगा और इसके बाद यह 25 और 5 किलो के पैक में भी उपलब्ध होगा। एसके शुक्ला का मानना है कि उद्यमिता क्षेत्र में मुख्यमंत्री की अनुसंधान और विकास की अपील काफी काम आ रही है। एथेनॉल के बाई प्रोडक्ट से पशु आहार का उत्पादन होने से स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी बढ़ेंगे।

योगी के कार्यकाल में नेस्तनाबूद किए गए अपराधी

आठ साल में मारे गए 238 अपराधी, घायल हुए 9 हजार

30 हजार से अधिक अपराधी गए सलाखों के पीछे

लखनऊ, 18 जुलाई (एजेंसियां)। योगी सरकार की मजबूत कानून व्यवस्था देश-दुनिया में चर्चा में है। पिछले आठ वर्षों में यूपी पुलिस जीरो टॉलरेंस नीति के तहत अपराध और अपराधियों पर लगातार कार्रवाई कर रही है। यही वजह है कि यूपी पुलिस ने वर्ष 2017 से लेकर अब तक प्रदेश में कुल 30 हजार से अपराधियों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया। इस दौरान हुई विभिन्न मुठभेड़ों के दौरान 238 अपराधी मारे गए और 9 हजार से अधिक अपराधी जख्मी हुए। यूपी पुलिस ने अपराधियों की धरपकड़ के लिए अब तक 14 हजार से अधिक कार्रवाई की, जिससे प्रदेश में कानून का राज स्थापित हुआ।

प्रदेश के डीजीपी राजीव कृष्ण ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर अपराधियों पर नकेल कसने के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है।

पिछले आठ वर्षों में यूपी पुलिस द्वारा अपराधियों की धरपकड़ के लिए 14,973 कार्रवाई की गयी। इस दौरान 30,694 अपराधियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। इस दौरान पुलिस पर हमला करने वाले 9,467 अपराधियों के पैर में गोली लगी जबकि 238 अपराधी मारे गए। प्रदेश में सबसे अधिक पश्चिम के मेरठ जोन में कार्रवाई की गई। मेरठ पुलिस ने 7,969 अपराधी गिरफ्तार किए जबकि 2,911 घायल हुए। इसी तरह आगरा जोन में 5,529 अपराधी गिरफ्तार किए गए और 741 अपराधी घायल होने के बाद पकड़े गए। बरेली जोन में 4,383 अपराधी पकड़े गए और 921 अपराधी घायल हुए। इसके अलावा वाराणसी जोन में 2029 अपराधी गिरफ्तार किए गए और 620 अपराधी घायल होने के बाद पकड़े गए।

डीजीपी ने बताया कि कमिश्नरेट में सबसे अधिक गौतम बुद्ध नगर (नोएडा) में 1,983 अपराधी गिरफ्तार किए गए और 1,180 अपराधी घायल हुए। गाजियाबाद कमिश्नरेट में 1,133 गिरफ्तार किए गए और 686 अपराधी घायल हुए। आगरा कमिश्नरेट में 1,060 अपराधी गिरफ्तार किए गए और 271 अपराधी घायल हुए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की स्पष्ट चेतावनी थी कि अपराधियों के लिए उत्तर प्रदेश में कोई जगह नहीं है। वह अपराध छोड़ दे या प्रदेश छोड़ दे। इस दिशा में उठाए गए सख्त कदमों ने प्रदेश में कानून व्यवस्था को एक नई दिशा दी है। इसके लिए पुलिस बल को अत्याधुनिक हथियारों और प्रशिक्षण से सुसज्जित किया गया। इसका नतीजा है कि आज उत्तर प्रदेश देश के सबसे सुरक्षित राज्यों में गिना जाने लगा है।

ईडी ने धर्मांतरण गैंग के सरगना छांगुर का कॉम्प्लेक्स जब्त किया

बलरामपुर, 18 जुलाई (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धर्मांतरण गैंग के सरगना छांगुर का कॉम्प्लेक्स जब्त कर लिया। सरगना छांगुर पर लगातार शिकंजा कसा जा रहा है। जांच में पता चला कि मुंबई में भी एक कॉम्प्लेक्स का सौदा कर रखा था। यूपी के बलरामपुर में शुक्रवार को एक बार फिर ईडी की टीम पहुंची। गोपनीय तरीके से पहुंची टीम ने छांगुर का कॉम्प्लेक्स सीज कर दिया। यहां पर नोटिस चस्पा किया गया है। इसमें कई महत्वपूर्ण बातों का जिक्र किया गया है। इससे इस बात अंदाजा लगाया जा सकता है कि जलालुद्दीन उर्फ छांगुर कितने शातिर किस्म का अपराधी है।

अवैध धर्मांतरण व राष्ट्र विरोधी गतिविधियों के सरगना छांगुर के गिरोह से जुड़े नीतू और नवीन रोहरा से जुड़े कई रिकार्ड प्रर्वतन निदेशालय (ईडी) के हाथ लगे हैं। ईडी की ओर से आसवी बुटीक पर चस्पा किए गए नोटिस से कई राज खुल रहे हैं। छांगुर ने मुंबई में रनवल ग्रींस नामक एक कांप्लेक्स का सौदा भी कर रखा था। इसके साथ ही कई अन्य संपत्तियों का ब्यौरा ईडी ने जब्त किया है।

इससे पहले गुरुवार के अवैध धर्मांतरण के आरोपी जमालुद्दीन उर्फ छांगुर और उसके करीबियों के बलरामपुर, मुंबई और लखनऊ के 15 ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग और हवाला नेटवर्क से जुड़े मामलों में बड़ी कार्रवाई की। ईडी की 15 टीमों ने छांगुर बाबा के 12 ठिकाने पर एक्शन लिया। यह कार्रवाई सुबह 6 बजे पूरी प्लानिंग के तहत एक साथ शुरू की गई, ताकि किसी को भागने का मौका नहीं मिले। इस कार्रवाई में कई चौंकाने वाले सुराग ईडी के हाथ लगे हैं। बलरामपुर में लगभग 13 घंटे तक बाबा के ठिकानों को खंगाला गया। बताया जा रहा है कि इस दौरान करोड़ों की संपत्तियों की जांच की गई थी। जमीनों की खरीद-फरोख्त से जुड़े लोगों के घरों पर भी छापेमारी की गई, इस दौरान ईडी ने लेनदेन का ब्यौरा जुटाया।

पांच सौ से ज्यादा छात्रों वाले स्कूल होंगे आदर्श स्कूल

परिषदीय विद्यालयों के कायाकल्प की योजना स्वीकृत

लखनऊ, 18 जुलाई (एजेंसियां) उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य के प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों के संपूर्ण कायाकल्प के लिए 2,000 करोड़ की एकमुश्त बजट व्यवस्था को स्वीकृति दी है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए तैयार की गई यह योजना बेसिक शिक्षा विभाग की अब तक की सबसे बड़ी निवेश योजना मानी जा रही है। इसे अनुदान संख्या-71 के अंतर्गत वृहद निर्माण कार्य मद से क्रियान्वित किया जाएगा।

उत्तर प्रदेश के बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने कहा, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में हम शिक्षा को सिर्फ विद्यालय उपस्थिति तक सीमित न रखते हुए उसे संरचनात्मक, तकनीकी और बौद्धिक रूप से समृद्ध बनाने के संकल्प के साथ कार्य कर रहे हैं। हमारा प्रयास है कि आने वाले वर्षों में उत्तर प्रदेश को देश के शिक्षा के अग्रणी राज्यों की श्रेणी में स्थापित करें। हम हर बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाने के लिए नवाचार, पारदर्शिता और समर्पण के साथ कार्य कर रहे हैं।

इस योजना के अंतर्गत प्रदेशभर में संचालित परिषदीय विद्यालयों में भवन निर्माण, संसाधन सुदृढ़ीकरण, पेयजल, शौचालय, स्मार्ट क्लास, कंप्यूटर लैब, एमडीएम शेड, रैंप और चारदीवारी जैसी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन प्राथमिक शिक्षा, आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश के अनुरूप ही इस कार्य योजना को गति दी जायेगी। बता दें कि शिक्षा में सुधार केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसका सीधा लाभ बच्चों की सीखने की गुणवत्ता और विद्यालयी जीवन के अनुभव पर भी दिखेगा।

यह योजना अब केवल भवन निर्माण तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि इसका फोकस प्रभावी उपयोग और क्रियाशीलता पर भी होगा। प्रायः यह देखा गया है कि कम नामांकन वाले विद्यालयों में संसाधनों के बावजूद अपेक्षित परिणाम नहीं मिलते, जबकि अधिक छात्र संख्या वाले विद्यालयों में संसाधनों की सीमितता के बावजूद बेहतर उपयोग होता है।

इसी परिप्रेक्ष्य में वर्ष 2025-26 में 500 या अधिक छात्र संख्या वाले विद्यालयों को आदर्श विद्यालय के रूप में पुरस्कार स्वरूप उच्चीकृत किया जाएगा। इन विद्यालयों को स्मार्ट क्लास, लाइब्रेरी रूम, मल्टीपरपज हॉल, क्लब रूम, कंप्यूटर और आईसीटी लैब, लर्निंग बाय डुइंग स्पेस और एमडीएम शेड सहित अन्य सुविधाएं मिलेंगी।

महानिदेशक स्कूल कंचन वर्मा का कहना है कि इस रणनीति से प्रदेश के स्कूलों में छात्र नामांकन में वृद्धि, पियर लर्निंग का विस्तार, सक्रिय सहभागिता और अनुभवात्मक अधिगम को बढ़ावा मिलेगा।

साथ ही शिक्षकों के लिए भी समय सारणी आधारित कक्षा आवंटन, कार्य विभाजन और सह-शिक्षण की व्यवस्थाएं और अधिक प्रभावी होंगी। वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार कोई भी कार्य दोहराव में नहीं होगा। कार्यदायी संस्थाओं का नामांकन नियमानुसार होगा। क्रियान्वयन की निगरानी राज्य स्तर पर सुनिश्चित की जाएगी और योजना के अंतर्गत कार्यों की गति, गुणवत्ता और पारदर्शिता सर्वोपरि होगी।

संपादकीय

चुनाव आयोग के काम में दखल नहीं देने का सराहनीय निर्णय

फर्जी मतदाताओं के बल पर लोकतंत्र को लूटने का सपना देखनेवालों को सर्वोच्च न्यायालय ने ढंग से संविधान का पाठ पढ़ाया है। हालांकि, सर्वोच्च न्यायालय की सीख उनके दिल-दिमाग में उतरेगी, इसकी संभावना कम ही है। क्योंकि वास्तव में यह लोग जागे हुए हैं, सोने का केवल अभिनय कर रहे हैं। जो सोने का अभिनय करे, उसे भला कौन जगा सकता है। इसलिए कभी मतदाता सूची में गड़बड़ी का आरोप लगाकर वितंडावाद खड़ा करते हैं तो कभी मतदाता सूची को व्यवस्थित किए जाने की प्रक्रिया का विरोध करते हैं। यह सब कवायद देश को गुमराह करने की है। अपने गिरेबां में झांकने की बजाय कभी चुनाव आयोग की प्रक्रिया पर तो कभी ईवीएम पर तो कभी मतदाता सूची पर सवाल उठाना, अपरिपक्व राजनीति का प्रदर्शन है। अपने कुतर्कों के आधार पर खड़े किए जाने वाले विमर्श के लिए विपक्षी दलों को हर बार मुंह की खानी पड़ी है। इस बार भी सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट कह दिया कि मतदाता सूची के परीक्षण की चुनाव आयोग की प्रक्रिया को वह नहीं रोकेगा। मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण कांग्रेस की सरकार के समय में यानी वर्ष 2003 में भी कराया जा चुका है। आखिर इसमें किसी को क्या आपत्ति हो सकती है कि चुनाव आयोग यह सुनिश्चित कर रहा है कि चुनाव में फर्जी मतदाता भाग न ले सके? मतदाताओं के परीक्षण की प्रक्रिया का विरोध करनेवाले नेता एवं राजनीतिक दल क्या यह चाहते हैं कि चुनाव में फर्जी मतदान होना चाहिए? क्या उनकी मंशा है कि जिन घुसपैठियों ने चोरी-चालाकी से मतदाता सूची में नाम जुड़वा लिया है, उन्हें भारत के लोकतंत्र को प्रभावित करने का अवसर मिले? विपक्षी दल के नेताओं का कहना है कि चुनाव आयोग को नागरिकता जाँच करने कोई अधिकार नहीं है। ठीक बात है कि नागरिकता का परीक्षण करने का अधिकार गृह मंत्रालय के पास है। लेकिन गृह मंत्रालय नागरिकता की जाँच का काम करता है या करेगा, तब यही लोग उसका विरोध करते हैं/करेंगे। चुनाव आयोग को यह अधिकार तो है कि वह सुनिश्चित करे कि कोई गैर-भारतीय निर्वाचन में शामिल न हो सके क्योंकि संविधान इसकी अनुमति नहीं देता है। विरोधियों को सर्वोच्च न्यायालय ने साफ-साफ कह दिया है कि – "भारत में मतदाता बनने के लिए नागरिकता की जाँच करना आवश्यक है, जो संविधान के अनुच्छेद-326 के तहत आता है। चुनाव आयोग जो कर रहा है, वह संविधान के तहत अनिवार्य है और इस तरह की पिछली प्रक्रिया 2003 में की गई थी। मतदाता सूची की जांच लोकतांत्रिक कार्य है"। सर्वोच्च न्यायालय की माने तो चुनाव आयोग के कार्य में हस्तक्षेप करनेवाले सभी नेता एवं दल अलोकतांत्रिक काम कर रहे हैं। ये नेता इस बात पर ही बल्ले-बल्ले कर रहे हैं कि सर्वोच्च न्यायालय ने 'आधार' को पहचान सुनिश्चित करनेवाले दस्तावेजों में शामिल करने के लिए चुनाव आयोग को कहा है। याद हो कि इन्हीं नेताओं एवं तथाकथित बुद्धिजीवियों ने उस समय आपत्ति दर्ज की थी, जब मतदाता कार्ड के साथ आधार को लिंक किए जाने की दिशा में चुनाव आयोग ने प्रयास किए थे। तब इनकी ओर से कहा गया था कि आधार नागरिकता की पहचान सुनिश्चित नहीं करता है। यह पाखंड और दोगला आचरण नहीं है तो क्या है? कहना होगा कि लोकतंत्र और संविधान की रक्षा की दुहाई देनेवाले नेताओं एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं का पाखंड बिहार की मतदाता सूची के परीक्षण की प्रक्रिया में खुलकर उजागर हुआ है। जो नेता मतदाता सूची में विसंगती की मांग उठाते रहते हैं, कम से कम उन्हें तो चुनाव आयोग के निर्णय का कतई विरोध नहीं करना चाहिए था। लेकिन मजेदार बात यह है कि सबसे अधिक विरोध यही दल एवं नेता कर रहे हैं। स्वस्थ लोकतंत्र के लिए आवश्यक है कि मतदाता सूची शुद्ध हो। निर्वाचन की प्रक्रिया में वही भाग ले, जो संविधान के अनुसार पात्र हो। भारत का संविधान भारतीय नागरिक को ही मतदान का अधिकार प्रदान करता है। जब चुनाव आयोग को मतदाता सूची में दिखायी दे रही विसंगतियों को दूर करने के लिए गहन परीक्षण कर रहा है, यह लोकतंत्र को बचाने एवं उसे मजबूत करने का ही काम है।

> मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण कांग्रेस की सरकार के समय में यानी वर्ष 2003 में भी कराया जा चुका है। आखिर इसमें किसी को क्या आपत्ति हो सकती है कि चुनाव आयोग यह सुनिश्चित कर रहा है कि चुनाव में फर्जी मतदाता भाग न ले सके? मतदाताओं के परीक्षण की प्रक्रिया का विरोध करनेवाले नेता एवं राजनीतिक दल क्या यह चाहते हैं कि चुनाव में फर्जी मतदान होना चाहिए? क्या उनकी मंशा है कि जिन घुसपैठियों ने चोरी-चालाकी से मतदाता सूची में नाम जुड़वा लिया है, उन्हें भारत के लोकतंत्र को प्रभावित करने का अवसर मिले? विपक्षी दल के नेताओं का कहना है कि चुनाव आयोग को नागरिकता जाँच करने कोई अधिकार नहीं है। ठीक बात है कि नागरिकता का परीक्षण करने का अधिकार गृह मंत्रालय के पास है।

आतंकवाद को बेनकाब करते हुए दुनिया से मिल रहे आर्थिक सहयोग पर चिन्ता जताई और कठोर कार्रवाई की मांग की

आतंकवाद में डिजिटल तकनीकों का बढ़ता उपयोग चिन्ताजनक

ललित गर्ग

टेरर फंडिंग पर नजर रखने वाली वैश्विक संस्था वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) की नई रिपोर्ट में आतंकवादी गतिविधियों में डिजिटल तकनीकों के बढ़ते उपयोग पर चिंता जताई गई है। इस रिपोर्ट ने वैश्विक सुरक्षा के समक्ष एक नई और गहन चुनौती की ओर संकेत करते हुए आतंकवादी गतिविधियों में डिजिटल तकनीकों के बढ़ते प्रयोग को गहन चिन्ताजनक बताया है। रिपोर्ट में ई-कॉमर्स, ऑनलाइन भुगतान, सोशल मीडिया, क्रिप्टोकरेंसी और डार्कनेट जैसे प्लेटफार्मों के माध्यम से आतंकवादी गतिविधियों के वित्तपोषण और संचालन के बढ़ते खतरे पर न केवल प्रकाश डाला गया है बल्कि गंभीर चिंता जताई गई है। रिपोर्ट ने आतंकवाद के एक अलग ही पहलू की ओर ध्यान खींचा है। इसमें बताया गया है कि टेक्नॉलजी तक आतंकी संगठनों की आसान पहुंच उन्हें और खतरनाक बना रही है। इससे निपटने के लिए वैश्विक स्तर पर नई रणनीति एवं नियंत्रण नीति की जरूरत है। विशेष रूप से पाकिस्तान जैसे देशों में पलने-बढ़ने वाले आतंकी संगठन इन तकनीकों का उपयोग कर न केवल फंडिंग जुटा रहे हैं, बल्कि गोपनीयता और पहुँच के नए मार्ग भी तलाश रहे हैं। इसके अलावा, आतंकवादी संगठन अब विकेंद्रीकृत मॉडल की ओर बढ़ रहे हैं, जैसेकि अल-कायदा क्षेत्रीय इकाइयों के माध्यम से स्थानीय स्तर पर धन जुटाना और संचालन करना। भारत ने समय-समय पर पाकिस्तान पोषित एवं पल्लवित आतंकवाद को बेनकाब करते हुए दुनिया से मिल रहे आर्थिक सहयोग पर चिन्ता जताई और कठोर कार्रवाई की मांग की, इस रिपोर्ट को भारत के रुख का समर्थन करने वाले एक महत्वपूर्ण कदम माना जा सकता है। एफएटीएफ के मुताबिक, 2019 में पुलवामा और 2022 में गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर में हुए आतंकी हमलों के लिए ऑनलाइन प्लैटफॉर्म का इस्तेमाल किया गया। पुलवामा में आतंकियों ने आईईडी का इस्तेमाल किया था और इसे बनाने के लिए एल्युमिनियम पाउडर एमेजन से खरीदा गया था। गोरखपुर में हुए हमले में पैसों के लेनदेन में ऑनलाइन जरिया अपनाया गया। गोरखपुर वाले केस में आतंकी विचारधारा से प्रभावित शख्स ने इंटरनैशनल थर्ड पार्टी ट्रांजैक्शन और वीपीएन सर्विस का उपयोग किया था। इस तरह से उसने आईएसआईएल के समर्थन में विदेश में धन भेजा था और उसे भी बाहर से आर्थिक मदद मिली थी। वीपीएन एक डिजिटल तकनीक है जो इंटरनेट उपयोगकर्ता की लोकेशन और पहचान को छुपाती है। जब कोई व्यक्ति वीपीएन का उपयोग करता है, तो उसका इंटरनेट ट्रैफिक एक एनक्रिप्टेड सुरंग के माध्यम से किसी अन्य देश के सर्वर से होकर गुजरता है। इससे उसकी वास्तविक पहचान छिप जाती है और वह सेंसरशिप, ट्रैकिंग और जियो-रिस्ट्रिक्शन से बच सकता है। 2024 तक दुनिया में 150 करोड़ से अधिक वीपीएन यूज़र्स हैं। इनमें से बड़ी संख्या एशिया और मध्य पूर्व से है, जहां सेंसरशिप या निगरानी से

> रिपोर्ट में ई-कॉमर्स, ऑनलाइन भुगतान, सोशल मीडिया, क्रिप्टोकरेंसी और डार्कनेट जैसे प्लेटफार्मों के माध्यम से आतंकवादी गतिविधियों के वित्तपोषण और संचालन के बढ़ते खतरे पर न केवल प्रकाश डाला गया है बल्कि गंभीर चिंता जताई गई है। रिपोर्ट ने आतंकवाद के एक अलग ही पहलू की ओर ध्यान खींचा है। इसमें बताया गया है कि टेक्नॉलजी तक आतंकी संगठनों की आसान पहुंच उन्हें और खतरनाक बना रही है। इससे निपटने के लिए वैश्विक स्तर पर नई रणनीति एवं नियंत्रण नीति की जरूरत है। विशेष रूप से पाकिस्तान जैसे देशों में पलने-बढ़ने वाले आतंकी संगठन इन तकनीकों का उपयोग कर न केवल फंडिंग जुटा रहे हैं, बल्कि गोपनीयता और पहुँच के नए मार्ग भी तलाश रहे हैं। इसके अलावा, आतंकवादी संगठन अब विकेंद्रीकृत मॉडल की ओर बढ़ रहे हैं, जैसेकि अल-कायदा क्षेत्रीय इकाइयों के माध्यम से स्थानीय स्तर पर धन जुटाना और संचालन करना।

बचने के लिए इसका उपयोग किया जाता है। भारत में 12 से 14 करोड़ वीपीएन उपयोगकर्ता हैं। भारत वीपीएन यूज़र्स की संख्या में दुनिया के शीर्ष 3 देशों में शामिल है। वीपीएन का उपयोग कर आतंकी सोशल मीडिया और गुप्त चैनलों के ज़रिए युवाओं को बरगलाने और भर्ती करने का काम करते हैं। कुछ आतंकवादी समूह वीपीएन नेटवर्क का प्रयोग कर सरकारी वेबसाइटों, रक्षा प्रतिष्ठानों और बैंकिंग सिस्टम पर साइबर हमला करते हैं। दुनिया की एक तिहाई आबादी ऑनलाइन शॉपिंग करती है। इस साल ग्लोबल ई-कॉमर्स मार्केट के 7 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच जाने की उम्मीद है। भारत इस लिस्ट में फिलहाल सातवें नंबर पर है। लेकिन सवाल यह है कि इस डेटा के बीच अगर कुछ संदिग्ध लोग कुछ हजार डॉलर की खरीददारी करते हैं, जिसका इस्तेमाल आगे जाकर किसी आतंकी हमले में होता है, तो उसे चिह्नित कैसे किया जाए? एफएटीएफ ने कुछ दिनों पहले पहलगाम को लेकर कहा था कि इतना बड़ा आतंकी हमला बाहरी आर्थिक मदद के बिना संभव नहीं हो सकता। उसकी हालिया रिपोर्ट इसी बात को और पुष्ट कर देती है। आतंकियों ने अपने काम का तरीका बदल लिया है। वे इंटरनेट की दुनिया की ओट ले रहे हैं, जो ज्यादा खतरनाक है। एफएटीएफ की रिपोर्ट में कहा गया है कि आतंकवादी समूहों ने अब पारंपरिक धन स्रोतों के साथ-साथ क्रिप्टोकरेंसी जैसे डिजिटल वित्तीय माध्यमों का भी उपयोग करना शुरू कर दिया है। ये माध्यम उन्हें सरकार की नजरों से बचाते हुए सीमाओं के पार फंडिंग जुटाने की सहूलियत देते हैं। साथ ही, एनक्रिप्टेड मैसेजिंग ऐप्स, फेक सोशल मीडिया अकाउंट्स, और ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म्स का इस्तेमाल कर वे अपने नेटवर्क का विस्तार कर रहे हैं। पाकिस्तान एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट से बाहर भले हो गया हो, लेकिन उसके खिलाफ लगे आरोपों में कोई कमी नहीं आई है। अनेक ग्लोबल इंटेलिजेंस रिपोर्ट्स और एफएटीएफ ऑब्ज़र्वेशन्स इस बात की पुष्टि करती हैं कि पाकिस्तान में आतंकी गुटों को डिजिटल इकोसिस्टम का खुले तौर पर उपयोग करने दिया जा रहा है, या कभी-कभी सरकार की मौन सहमति से। उदाहरण के रूप में लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठनों ने बिटकॉइन और अन्य डिजिटल टोकन के जरिए फंड जुटाने की नई तरकीबें अपनाई हैं। कई मामलों में आतंकी फंडिंग के लिए फर्जी चैरिटेबल ट्रस्ट और सामाजिक मीडिया अभियानों का सहारा लिया गया है। 'ग़ज़वा-ए-हिंद' जैसे डिजिटल प्रोपेगेंडा प्लेटफॉर्म्स पाकिस्तानी ज़मीन से संचालित होकर भारत में कट्टरपंथ को बढ़ावा देने में लगे हैं। भारत के विरुद्ध हाइब्रिड वारफेयर और साइबर जिहाद की रणनीति पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठनों की नीति का हिस्सा बन चुकी है। एफएटीएफ की रिपोर्ट में यह स्पष्ट रूप से कहा गया है कि दक्षिण एशिया में भारत सबसे अधिक प्रभावित देश है, जहां डिजिटल माध्यम से न केवल फंडिंग, बल्कि ब्रेनवॉशिंग और भर्ती का कार्य भी तेजी से हो रहा है। जम्मू-कश्मीर में सोशल मीडिया के माध्यम से युवाओं को आतंकी संगठनों की ओर आकर्षित किया जाता है। उत्तर पूर्व में उग्रवादी संगठनों को डिजिटल भुगतान और चैनलों के माध्यम से सहायता मिलती रही है। एफएटीएफ ने पाकिस्तान समेत उन सभी देशों से अपेक्षा की है कि वे डिजिटल वित्तीय निगरानी तंत्र को मजबूत करें। क्रिप्टो ट्रांजैक्शन पर नियमित रिपोर्टिंग सुनिश्चित करें। आतंकी संगठनों के ऑनलाइन अस्तित्व को समाप्त करने के लिए तकनीकी टूल्स विकसित करें। एफएटीएफ का चेतावनी के स्वरों में यह भी कहना है कि यदि आतंक के गढ़ एवं आतंकवाद को पोषित करने वाले इन देशों ने इन सिफारिशों पर अमल नहीं किया तो उन्हें 'हाई रिस्क जॉन' की सूची में डाला जा सकता है। भारत को इस डिजिटल आतंकी खतरे से निपटने के लिए सभी सुरक्षा एजेंसियों के समन्वय से एक संयुक्त रणनीति बनानी चाहिए-क्रिप्टो ट्रांजेक्शन की रियल-टाइम निगरानी, साइबर आतंकवाद पर विशेष फोर्स का गठन, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स से आतंकी कंटेंट की पहचान और हटाने के लिए मजबूत कानून, डार्क वेब और फेक डोनेशन चैनलों की सतत निगरानी आदि कदम उठाने चाहिए। डिजिटल तकनीक ने जहां मानव जीवन को सरल और तेज़ किया है, वहीं इसका दुरुपयोग करके आतंकवाद को नया चेहरा देने की कोशिशें चिंता का विषय हैं। एफएटीएफ की चेतावनी को गंभीरता से लेने और वैश्विक सहयोग को मजबूत करने की जरूरत है। विशेष रूप से पाकिस्तान जैसे देशों पर अंतरराष्ट्रीय दबाव बनाना होगा ताकि वे अपनी धरती पर पनप रहे आतंकवाद एवं डिजिटल आतंकवाद के अड्डों को समाप्त करें। तभी एक सुरक्षित डिजिटल विश्व और शांतिपूर्ण वैश्विक समाज की कल्पना की जा सकती है। एफएटीएफ रिपोर्ट विश्लेषण करती है कि आतंकवादियों ने अपने आतंकवादी उद्देश्यों के लिए वैश्विक दर्शकों से धन जुटाने के लिए सोशल मीडिया पर धन उगाहने वाले प्लेटफॉर्म और क्राउडफंडिंग माध्यमों से आतंकवाद के वित्तपोषण प्राप्त किया है। आतंकवादी संगठन पारंपरिक तरीकों के साथ-साथ डिजिटल तरीकों से भी धन जुटाकर आतंकवाद को अंजाम दे रहे हैं। भारत ने एफएटीएफ रिपोर्ट को अपने रुख के समर्थन में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है, जिसमें पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठनों पर कार्रवाई की मांग की गई है।

देश दुनिया से

विनाश के साये और सरकारों की जवाबदेही

हर वर्ष मानसून हिमाचल प्रदेश के लिए जीवन और विनाश का एक जटिल मिश्रण लेकर आता है। वर्ष 2025 का मानसून भी अपवाद नहीं रहा, लेकिन इस बार की बारिश ने चंबा, कांगड़ा, मंडी, कुल्लू, शिमला, सोलन, किन्नौर और सिरमौर जैसे पहाड़ी जिलों में अभूतपूर्व तबाही मचाई। बादल फटने, भूस्खलन और सडक़ों के ध्वस्त होने की घटनाओं ने न केवल जनजीवन को ठप कर दिया, बल्कि गहरे सवाल भी खड़े किए : क्या विकास के नाम पर हमने अपने पहाड़ों को खोखला कर दिया है? क्या सरकार की आपदा प्रबंधन नीतियां केवल कागजी आंकड़ों तक सीमित रह गई हैं? हिमाचल की आपदाएं केवल प्राकृतिक नहीं, बल्कि मानव-निर्मित लापरवाही का परिणाम हैं, और सरकार की जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है। चंबा, कांगड़ा, मंडी और शिमला जैसे जिलों में भूस्खलन और बादल फटने की घटनाओं ने सैकड़ों घरों को मलबे में तबदील कर दिया। नदियों के किनारे बसे गांव जलमग्न हो गए, सडक़ें और पुल बह गए, और कई परिवार बेघर हो गए। ये घटनाएं प्राकृतिक लग सकती हैं, लेकिन इनके पीछे मानव-निर्मित कारक स्पष्ट हैं। अनियोजित निर्माण, पर्यावरण नियमों की अनदेखी, और जंगलों की अंधाधुंध कटाई ने पहाड़ों को कमजोर कर दिया है। चार-लेन सडक़ों और सुरंगों जैसी परियोजनाएं बिना पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन के शुरू की गईं, जिसने भूस्खलन के जोखिम को कई गुना बढ़ा दिया। यह संयोग नहीं, बल्कि दीर्घकालिक लापरवाही का परिणाम है। क्या विकास का मतलब केवल सडक़ों और इमारतों का निर्माण है, या इसमें पर्यावरण और मानव जीवन की सुरक्षा भी शामिल होनी चाहिए। हिमाचल की आपदाओं ने सरकार की तैयारियों की पोल खोल दी है। आपदा प्रबंधन के लिए ठोस नीतियों का अभाव और मौजूदा योजनाओं का अपर्याप्त कार्यान्वयन स्थिति को और गंभीर बनाता है। जोखिम वाले क्षेत्रों- जैसे भूस्खलन-प्रवण पहाड़ी ढलान, नदी किनारे के गांव या अत्यधिक वर्षा वाले इलाके- में पूर्व चेतावनी प्रणालियों (अर्ली वार्निंग सिस्टम) की स्थापना अभी तक व्यापक स्तर पर नहीं हुई है। पंचायत और जिला स्तर पर प्रशिक्षित आपदा प्रबंधन टीमें या तो अपर्याप्त हैं या सक्रिय नहीं। स्थानीय पंचायतों को भवन निर्माण की निगरानी का अधिकार और जिम्मेदारी दी जानी चाहिए, ताकि नदियों और नालों के किनारे अनियंत्रित निर्माण रोका जा सके। जब आपदा आती है, तो त्वरित और कुशल राहत कार्य आवश्यक हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) को तुरंत प्रभावित क्षेत्रों में तैनात किया जाना चाहिए, जिसमें हेलीकॉप्टर, नाव और अन्य उपकरणों का उपयोग हो। विस्थापित लोगों के लिए राहत शिविरों में भोजन, पानी, दवाइयां और सुरक्षित आवास की व्यवस्था अनिवार्य है। सडक़ों और पुलों की त्वरित मरम्मत से राहत कार्यों में तेजी आएगी। लेकिन यह सब तभी संभव है, जब सरकार की नीतियां और संसाधन पहले से तैयार हों। आपदा के बाद का चरण उतना ही महत्वपूर्ण है जितना आपदा के समय का बचाव। जिन लोगों ने अपने परिजनों, घरों, खेतों या मवेशियों को खोया है, उनके लिए त्वरित और पारदर्शी मुआवजा आवश्यक है। घायलों के लिए मुफ्त और प्राथमिकता-आधारित चिकित्सा सुविधाएं होनी चाहिए। जिनके घर पूरी तरह नष्ट हो गए, उनके लिए स्थायी पुनर्निर्माण योजनाएं लागू की जानी चाहिएं। लेकिन हकीकत यह है कि मुआवजे की प्रक्रिया अक्सर धीमी और जटिल होती है, जिससे प्रभावित लोग लंबे समय तक अनिश्चितता में जीते हैं। सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि मुआवजा और पुनर्वास की प्रक्रिया न केवल तेज हो, बल्कि पारदर्शी और समावेशी भी हो। हिमाचल की आपदाएं बार-बार चेतावनी दे रही हैं कि विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन अनिवार्य है। अनियोजित निर्माण पर सख्त नियंत्रण, विशेषकर भूस्खलन-प्रवण क्षेत्रों में, पहला कदम है। पर्यावरण सुरक्षा कानूनों का कड़ाई से पालन और पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन (ईआईए) को निश्चित ही अनिवार्य करना होगा। जंगलों की कटाई पर रोक और वृक्षारोपण को बढ़ावा देना दीर्घकालिक स्थिरता के लिए जरूरी है। इसके अलावा, स्थानीय समुदायों, सामाजिक संगठनों और स्वयंसेवी संस्थाओं को आपदा प्रबंधन में शामिल करना होगा, ताकि जमीनी स्तर पर जागरूकता और तैयारी बढ़े। हिमाचल प्रदेश की आपदाएं केवल एक राज्य की समस्या नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए सबक हैं। प्रकृति का प्रकोप तब सबसे अधिक घातक होता है, जब उसे अनदेखा किया जाता है। सरकार को त्वरित राहत के साथ-साथ दीर्घकालिक रणनीतियों पर ध्यान देना होगा। विकास का मतलब केवल बुनियादी ढांचे का विस्तार नहीं, बल्कि पर्यावरण और मानव जीवन की सुरक्षा भी है। यह समय है कि जनता, प्रशासन और नीति-निर्माता एकजुट होकर यह तय करें कि हमारा रास्ता विकास की ओर है या विनाश की ओर। एक संवेदनशील, सक्रिय और जवाबदेह शासन ही हिमाचल के लोगों का विश्वास जीत सकता है और उन्हें सुरक्षित भविष्य दे सकता है।

आप का नजरिया

चौदह पिंजरे, 14 होटल

आस्तीन चढ़ा कर सरकारों का खर्च मिट्टी होता है, फिर भी गुरूर यह कि काम इसी तरह होता है। एक साथ चौदह पिंजरे, भीतर इतने ही सरकारी होटल और तोते उड़ गए अपनी दिशा में। दिशाहीन कौन, होटल, पर्यटन निगम के कर्मचारी, पर्यटक या राज्य के संसाधन। फेहरिस्त पर नजर दौड़ाएं तो ये चौदह इकाइयां असफल हो ही नहीं सकती थीं, लेकिन सरकारी कार्य संस्कृति के दूध से कितनी मक्खियां निकालेंगे। आदेश अदालत को देने पड़े थे, क्योंकि सार्वजनिक धन से मकबरे नहीं सजाए जा सकते। अगर इमारतों के बीच सरकारी धन से बने मकबरों पर गौर करेंगे, तो जिंदा ताबूत में सारे सबूत रखने पड़ेंगे। इससे पहले एचआरटीसी के निकम्मे रूटों की नुमाइश हुई, तो अचानक फरमान आया कि निजी क्षेत्र को चुगने को कहा जाए। यहां आम तो सबने चुरा लिए, अब गुठलियां बेची जा रही हैं। खैर एक हकीकत सामने आ रही है कि सरकार सारे पापड़ नहीं बेल सकती और न ही सारे काम सरकारों को करने चाहिएं। चौदह होटल अपने निर्वाण के लिए निजी क्षेत्र का प्रश्रय चाहते हैं। सरकार के फलक पर निजी क्षेत्र का आरोहण बेशक स्वागत योग्य है और यह भी साबित हो रहा है कि आइंदा राज्य की तस्वीर में इसका ही नाम होगा। सवाल अब यह है कि क्या सरकार को अब नए होटलों का निर्माण नहीं करना चाहिए, लेकिन हकीकत यह भी है कि बड़ी परियोजनाएं और बड़ी शेखियां जारी रहेंगी। अंततः हम पर्यटन की तिजोरी से अगर एचपीटीडीसी को घाटे का खेत बना देते हैं, तो जीत क्या रहे और भविष्य के लिए क्या कर रहे। जाहिर है सरकारी क्षेत्र में व्यावसायिक दक्षता की कमी है या ग्राहक को संतुष्ट करने की अभिलाषा ही नहीं बची। एचआरटीसी हमें सही से मंजिल तक नहीं पहुंचा पा रही, मिल्क फेडरेशन हमारी जरूरतों का दूध उपलब्ध नहीं करवा पा रहा और एचपीटीडीसी पर्यटक को लुभा नहीं पा रहा, तो कहीं हमारे सियासी फैसलों का कूड़ाघर हमारे जेहन में भर रहा है। चौदह होटल इकाइयों को निजी क्षेत्र में देने का फैसला दरअसल विनिवेश की ओर इशारा भी कर रहा है। अब वक्त आ गया है कि हिमाचल अपनी असमर्थ आर्थिकी के कांटे बाहर निकाल दे। कई स्कूल, कालेज और अस्पतालों का प्रबंधन निजी क्षेत्र से साझा कर लेना चाहिए या मान लेना चाहिए कि बिना छात्रों के शिक्षण संस्थान और बिना बेहतर इलाज के चिकित्सा संस्थान पालने से सिर्फ छवि और शक्ति का क्षरण ही होगा। इतना ही नहीं हिमाचल के विभिन्न विभागों के तहत चलने वाले करीब ढाई हजार डाकबंगलों का युक्तिकरण भी जरूरी है या इन्हें भी आय-व्यय के ढांचे में निजी क्षेत्र के साथ बांट लेना चाहिए। हर विभाग का रेस्ट हाउस क्यों। क्यों न एक ही शहर में उसके प्रशासनिक व अन्य महत्त्व के आधार पर पच्चीस, पचास या सौ कमरों का एक ही परिसर बना कर सभी विभागों को एक साथ रेस्ट हाउस सुविधा दी जाए। प्रदेश में कई प्राइवेट इन्वेस्टमेंट को लेकर प्रयास हुए हैं, लेकिन इसके साथ विनिवेश को पारदर्शी ढंग से नहीं जोड़ा गया। एक नीति व ऑडिट के बाद विनिवेश के जरिए निजी निवेशकों के सामने हिमाचल निर्माण का खाका रखना चाहिए। यही 14 होटल अगर राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय होटल श्रृंखलाओं के साथ जुड़ जाएं, तो मकबरे-महल साबित हो सकते हैं। सरकारी शिक्षण संस्थानों के परिसर अगर प्रतिष्ठित निजी शैक्षणिक प्रयासों से जुड़ जाएं, तो परिणामों की आभा बदल सकती है। बदल जाएंगे कई अस्पताल और वहां का सोच, अगर निजी क्षेत्र की ऊर्जा अनुभव व कार्य संस्कृति के तहत कुछ चिकित्सा संस्थान निजी क्षेत्र को दे दिए जाएं।

> एक साथ चौदह पिंजरे, भीतर इतने ही सरकारी होटल और तोते उड़ गए अपनी दिशा में। दिशाहीन कौन, होटल, पर्यटन निगम के कर्मचारी, पर्यटक या राज्य के संसाधन। फेहरिस्त पर नजर दौड़ाएं तो ये चौदह इकाइयां असफल हो ही नहीं सकती थीं, लेकिन सरकारी कार्य संस्कृति के दूध से कितनी मक्खियां निकालेंगे। आदेश अदालत को देने पड़े थे, क्योंकि सार्वजनिक धन से मकबरे नहीं सजाए जा सकते। अगर इमारतों के बीच सरकारी धन से बने मकबरों पर गौर करेंगे, तो जिंदा ताबूत में सारे सबूत रखने पड़ेंगे। इससे पहले एचआरटीसी के निकम्मे रूटों की नुमाइश हुई, तो अचानक फरमान आया कि निजी क्षेत्र को चुगने को कहा जाए। यहां आम तो सबने चुरा लिए, अब गुठलियां बेची जा रही हैं।

कुछ अलग

नेकी कर, फेसबुक पर डाल..

कहते हैं नेकी कर दरिया में डाल, लेकिन यह पुरानी कहावत अब आउटडेटेड हो गई है। आजकल नेकी करनी हो तो पहले कैमरा सेट कर, ऐंगल चेक कर, फिल्टर लगा और फिर दरिया में डालने से पहले फेसबुक पर डाल! पहले लोग चुपचाप किसी को कंबल दे आते थे, अब कंबल देने से पहले सेल्फी लेना जरूरी है। भूखे को खाना देने से पहले प्लेट पकड़ा कर दूसरे हाथ से मोबाइल पकड़ा देते हैं, 'भैया, जरा कैमरे की तरफ देखना, स्माइल प्लीज।' नेकी अब गुप्त नहीं रहती, गुप्त दान अब ओपनिंग बैलेंस की तरह फेसबुक वाल पर टंग जाता है। जिसने दस रोटी बांटी हैं, वो दस पोस्ट भी डालता है। लाइक का आंकड़ा देख कर ही पता चलता है कि कितनी नेकी हुई। आदमी अगर किसी बाढ़-पीड़ित को सूखा बिस्कुट भी थमा दे, तो तुरंत 'हम और हमारी टीम' वाली पोस्ट आ जाती है- फोटो में वो खुद आगे, बाढ़-पीड़ित पीछे कहीं कोने में।

दृष्टि कोण

सत्ता की खातिर हिंदी विरोध की राजनीति

देश में गरीबी, भुखमरी, रोजगार और बुनियादी सुविधाएं तथा चहुंमुखी विकास जैसे मुद्दों पर राजनीति करने के बजाय धर्म, जाति, संप्रदाय और भाषा के आधार पर सत्ता पाने के सस्ते प्रयासों को देश के मतदाताओं ने कई बार नकार दिया है। चूंकि देशहित और विकास से जुड़े मुद्दों पर राजनीति करने के लिए समझ और योजना चाहिए, इसके विपरीत भावनात्मक मुद्दे को कुरेद कर समाज को बांटने में जोर नहीं पड़ता, इसलिए नेताओं का प्रयास यही रहता है कि सत्ता की खातिर ऐसे मुद्दों को भुनाया जाए। महाराष्ट्र में हिंदी को मुद्दा बना कर ऐसे ही प्रयास किए गए हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अंग्रेजी को पूरे अमरीका में अनिवार्य किया है। इस आदेश में कहा गया कि राष्ट्रीय स्तर पर निर्दिष्ट भाषा एकीकृत और सामंजस्यपूर्ण समाज का मूल है। इससे संयुक्त राज्य अमरीका ऐसे नागरिकों से मजबूत होता है जो एक साझा भाषा में विचारों का स्वतंत्र रूप से आदान-प्रदान कर सकते हैं। इसके विपरीत हिंदी को लेकर महाराष्ट्र में शिवसेना के दोनों गुट राजनीति चमकाने में जुटे हुए हैं। इसके लिए उन्हें हिंसा से भी परहेज नहीं है। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार का प्रयास है कि अमरीका में अंग्रेजी की तरह भारत में भी एक ऐसी भाषा होनी चाहिए, जिसे देश की एक सर्वमान्य भाषा बनाया जा सके। इसी प्रयास के तहत मौजूदा शिक्षा प्रणाली में हिंदी को अनिवार्य किया गया है। महाराष्ट्र में भाजपा से सत्ता हासिल करने के लिए शिव सेना के दोनों गुटों ने हिंदी विरोध को हथियार बना लिया है। महाराष्ट्र में ठाकरे बंधुओं यानी उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे का लगभग 20 साल बाद ऐतिहासिक पुनर्मिलन हुआ। उद्धव और राज ठाकरे, जो 2005 में मालवन विधानसभा उपचुनाव के बाद से एक साथ मंच पर नहीं दिखे, उन्होंने मराठी भाषा और अस्मिता के लिए एकजुट होकर भाजपा नीत महायुति सरकार पर जमकर निशाना साधा। उद्धव ठाकरे ने कहा कि हम एक साथ आए हैं और अब एक साथ रहेंगे। राज ठाकरे ने सरकार पर मुंबई को महाराष्ट्र से अलग करने की कोशिश का भी आरोप लगाया और मराठी अस्मिता को कमजोर करने की साजिश का भी जिक्र किया तथा यह तक कह दिया कि यदि कोई मराठी का विरोध करे तो कान के नीचे बजा दो। यानी थप्पड़ वाली राजनीति महाराष्ट्र में एक बार फिर से जोर पकड़ सकती है। यह रैली मूल रूप से 16 अप्रैल 2025 को जारी सरकारी आदेश (जीआर) के खिलाफ विरोध के रूप में प्रस्तावित थी, जिसमें हिंदी को कक्षा 1 से 5 तक अनिवार्य तीसरी भाषा बनाया गया था। मराठी संगठनों और विपक्षी दलों, विशेष रूप से शिवसेना (यूबीटी) और एमएनएस के तीव्र विरोध के बाद, सरकार ने 29 जून को दोनों जीआर (मूल और संशोधित) वापस ले लिए। इस जीत को मराठी एकता का प्रतीक बताते हुए दोनों भाइयों ने रैली को 'विजय मेलावा' में बदल दिया। रैली के दौरान राज ठाकरे की पार्टी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के कुछ कार्यकर्ताओं ने एक गुजराती दुकानदार की पिटाई कर दी। इस घटना के खिलाफ गुजराती और मारवाड़ी दुकानदारों ने जोरदार प्रदर्शन किया। लोग मराठी भाषा को जबरदस्ती थोपने के नाम पर हो रही गुंडागर्दी के खिलाफ थे। मनसे का जवाबी प्रदर्शन अपने कार्यकर्ताओं की गुंडागर्दी के खिलाफ हुए इस प्रदर्शन से मनसे के कार्यकर्ता भडक़ गए और उन्होंने मीरा रोड पर जबरदस्त हंगामा किया। इस हंगामे का मकसद हिंदी भाषियों पर मराठी बोलने का दबाव बनाना था। मनसे ने इस प्रदर्शन को लेकर कोई अनुमति नहीं ली थी। इस वजह से महाराष्ट्र पुलिस ने प्रदर्शन करने वाले कार्यकर्ताओं को हिरासत में भी लिया। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने मराठी विवाद के समर्थक नेताओं को यूपी-बिहार में पटक-पटक कर पीटने की चेतावनी दी, तो वहीं इसके जवाब में उद्धव ठाकरे ने इस तरह के बयान देने वालों को लकड़बग्घा कहा। महाराष्ट्र में मराठी बनाम हिंदी भाषी की यह लड़ाई नई नहीं है। यह समय-समय पर राजनीतिक जरूरत के हिसाब से सडक़ पर उतरती रही है। मराठी बनाम हिंदी की हालिया जंग, ठाकरे बंधुओं की गठजोड़ की देन है। बाला साहेब ठाकरे की राजनीति महाराष्ट्र की राजनीति हमेशा से ही मराठी मानुष बनाम बाहरी के बीच घूमती रही है। शिवसेना के संस्थापक बाला साहेब ठाकरे की शुरुआती राजनीति भी क्षेत्रवाद से प्रेरित थी। उन्होंने मराठी बनाम गैर मराठी के मुद्दे से ही अपनी राजनीति शुरू की थी।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को नसों की बीमारी, पैरों में आने लगी सूजन

वाशिंगटन,18 जुलाई (एजेंसियां) । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप को उम्रजनित शारीरिक दिक्कतें शुरू हो गई हैं। 79 वर्षीय ट्रंप को नसों की बीमारी हो गई है। इससे उनके पैरों में सूजन आने लगी है। व्हाइट हाउस ने गुरुवार को जारी बयान में कहा कि ट्रंप के पैरों के निचले हिस्से में सूजन और दाहिने हाथ में चोट के निशान हैं।

खबर के अनुसार, व्हाइट हाउस ने आधिकारिक विज्ञप्ति में चिकित्सक के हवाले से कहा कि ट्रंप के शरीर में क्रोनिक शिरापरक की अपर्याप्तता है। यह ऐसी स्थिति होती है जिससे जिसमें पैरों को हृदय तक रक्त पहुंचाने में परेशानी होती है। उल्लेखनीय है कि चिकित्सा विज्ञान में साफ किया गया है कि क्रोनिक शिरापरक अपर्याप्तता पीड़ित व्यक्ति के पैरों की नसें क्षतिग्रस्त हो जाती हैं। इस वजह से रक्त को हृदय तक वापस ले जाने में मुश्किल होती है। इससे पैरों में रक्त जमा हो जाता है। पैरों में रक्त जमा हो जाने से सूजन, दर्द, और त्वचा में परिवर्तन आ जाता है।

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट गुरुवार दोपहर संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यह बीमारी आमतौर पर 70 वर्ष से अधिक उम्र के बाद होती है। उन्होंने कहा कि इस हफ्ते ऑनलाइन कुछ तस्वीरें वायरल हुईं। इनमें ट्रंप के पैर सूजे हुए और एक हाथ की त्वजा में पारदर्शी आवरण दिखाई दिए। इन तस्वीरों के बाद इंटरनेट पर कई लोगों ने यह अनुमान लगाया कि प्रशासन राष्ट्रपति के बारे में कुछ छुपा रहा है। लेविट ने कहा कि राष्ट्रपति के हाथ में कई लोगों से हाथ मिलाने की वजह से चोट आ गई है। उनके पैर में सूजन एक सामान्य नसों की बीमारी के कारण है। लेविट ने कहा कि इससे राष्ट्रपति को कोई परेशानी नहीं हो रही। लेविट के संवाददाता सम्मेलन के बाद व्हाइट हाउस ने अमेरिकी नौसेना के एक अधिकारी और ट्रंप के चिकित्सक शॉन बारबेला का पत्र जारी किया। इसमें कहा गया है कि ट्रंप ने इन समस्याओं के संबंध में कई परीक्षण करवाए हैं। इसमें कहा गया कि राष्ट्रपति के पैरों के अल्ट्रासाउंड से क्रोनिक वेनस इनसफीशिएंसी का पता चला है, जो आम बीमारी है, खासकर 70 साल से ज्यादा उम्र के लोगों में पाई जाती है। अन्य जांच में हृदय गति रुकने, गुर्दे खराब होने या किसी अन्य उम्रजनित बीमारी के कोई लक्षण नहीं मिले।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान में आई आफत की बाढ़ सैकड़ों घर बने मलवा, लाइव रिपोर्टिंग कर रहा पत्रकार बह गया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में बारिश और बाढ़ से जमकर तबाही हो रही है। यहां सैकड़ो घर पानी में बह गए और कुछ वहीं के वहीं जमींदोज होकर मलवा बन गए है। हालातों को दिखाने लाइव रिपोर्टिंग कर रहा एक पत्रकार पानी के सैलाब में बह गया। रावलपिंडी के चहान डैम के पास बाढ़ की रिपोर्टिंग कर रहा एक पत्रकार तेज बहाव में बह गया। रिपोर्टर गर्दन तक पानी में खड़ा था और उसी हालत में लाइव कवरेज कर रहा था, तभी पानी का जोर ऐसा बढ़ा कि वो खुद भी बहाव का शिकार हो गया। इस वीडियो में रिपोर्टर हाथ में माइक लिए गर्दन तक पानी में खड़ा नजर आता है। कैमरे में सिर्फ उसका सिर और माइक वाला हाथ दिखता है। रिपोर्टिंग के दौरान ही पानी का बहाव बढ़ता है और पत्रकार धीरे-धीरे बहने लगता है। इस दृश्य ने सोशल मीडिया पर यूजर्स को हैरान और भावुक कर दिया है। कई लोगों ने उसकी हिम्मत की सराहना तो कुछ ने उसकी जान को खतरे में डालने पर सवाल उठाए हैं। इस पूरी घटना ने पत्रकारिता की सीमाओं और जोखिम पर बहस छेड़ दी है। रिपोर्टर की पहचान अभी सामने नहीं आई है। लेकिन उसकी रिपोर्टिंग को 'असाधारण साहस' और 'बेहद जोखिम भरा कदम' दोनों कहा जा रहा है। कई लोगों ने सोशल मीडिया पर कहा कि रिपोर्टिंग करते हुए पत्रकार ने अपनी जान की परवाह नहीं की। जबकि कुछ यूजर्स ने चैनलों की टीआरपी की भूख को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया है।

अमेरिका की दिग्गज पॉप गायिका और अभिनेत्री कॉनी फ्रांसिस का 87 वर्ष की आयु में निधन

न्यूयॉर्क। अमेरिका की मशहूर दिग्गज पॉप गायिका और अभिनेत्री कॉनी फ्रांसिस का 87 वर्ष की आयु में निधन हो गया।

न्यू जर्सी के नेवार्क में 12 दिसंबर, 1937 को जन्मी फ्रांसिस ने एक अस्पताल में अंतिम सांस ली। 1960 के दशक में वह युवाओं और किशोरों की चहेती गायिका रहीं। इस दशक में उनके गाने लिपस्टिक ऑन योर कॉलर और हूज सॉरी नाउ मौजूदा पीढ़ी ने जमकर सुना। सीएनएन न्यूज चैनल की खबर के अनुसार कॉनी फ्रांसिस के निधन की सूचना दुनिया को सबसे पहले उनके प्रचारक और मित्र रॉन रॉबर्ट्स ने दी। रॉबर्ट्स ने फेसबुक पेज पर लिखा, भारी मन और अत्यंत दुख के साथ मैं आपको कल रात अपनी प्रिय मित्र कॉनी फ्रांसिस के निधन की सूचना दे रहा हूं। उन्होंने कहा कि फ्रांसिस को हाल ही में दर्द की समस्या के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इस महीने की शुरुआत में उन्हें कुछ कार्यक्रम रद्द भी करने पड़े थे। हाल में उनके गाने प्रिटी लिटिल बेबी ने टिकटॉक ट्रेंड की बदौलत युवा पीढ़ी का ध्यान आकर्षित किया था। युवावस्था में फ्रांसिस ने आर्थर गॉडफ्रे के लोकप्रिय टेलीविजन धारावाहिक स्टारटाइम टैलेंट स्काउट्स में प्रथम पुरस्कार जीता। एमजीएम कंपनी ने सबसे पहले फ्रांसिस का एकल गीत फ्रेडी रिलीज किया था।

मचा हड़कंपः जासूसों की पहचान उजागर! ब्रिटेन में विकीलीक्स की तरह हो गया कांड

लंदन। यदि किसी देश की स्पेशल फोर्स कमांडो और जासूसों की जानकारी किसी फाइल के लीक होने से दुश्मनों के हाथ लग जाए तो क्या होगा कुछ ऐसा ही ब्रिटेन में हुआ है और अब मामला इतना बड़ा बन गया है कि कोर्ट, मीडिया और सरकार सब इसमें उलझे हुए हैं। इसे अमेरिका के विकीलीक्स कांड की तरह का बताया जा रहा है। यह भारत के लिए भी सबक है। ब्रिटेन की सरकार से जुड़ी एक फाइल, जिसमें अफगानिस्तान के ऑपरेशन से जुड़ी जानकारी थी, लीक हो गई। ये कोई आम फाइल नहीं थी, इसमें उन ब्रिटिश अधिकारियों, सैनिकों और जासूसों के नाम और जानकारी थी, जो गुप्त मिशनों पर काम करते थे। शुरू में सरकार ने इस बात को छुपा लिया और कोर्ट ने भी मीडिया को रिपोर्टिंग से रोक दिया। लेकिन फिर कुछ ऐसा हुआ जिससे मामला सार्वजनिक हो गया। ब्रिटिश खुफिया एजेंसियां दुनिया की सबसे संगठित और संवेदनशील एजेंसियों में गिनी जाती हैं। इनसे जुड़े लोगों की पहचान हमेशा गुप्त रखी जाती है। क्योंकि इनकी जान पर सीधा खतरा होता है। अब जब ये जानकारियां लीक हुई हैं, तो इन लोगों की जान को खतरा है। ब्रिटेन के पिछले गुप्त मिशनों की गोपनीयता भंग हो सकती है।

बांग्लादेश के गोपालगंज में हिंसा में मारे गए लोगों का बिना पोस्टमार्टम के अंतिम संस्कार

ढाका,18 जुलाई (एजेंसियां) । बांग्लादेश की अंतरिम सरकार हाथ पर हाथ धरे बैठी रही और गोपालगंज में बुधवार को हुई हिंसा में मारे गए लोगों का बिना पोस्टमार्टम के अंतिम संस्कार कर दिया गया। सरकार ने दावा किया है कि लोग अस्पताल से चारों लोगों के शव जबरदस्ती ले गए।

ढाका ट्रिब्यून की खबर में परिजनों के हवाले से कहा गया है कि हिंसा के शिकार उनके सदस्यों का पोस्टमार्टम नहीं किया गया। इसलिए उन्होंने उनका अंतिम संस्कार कर दिया। खबर में कहा गया है कि इन लोगों की मौत पर गुरुवार रात तक कोई मामला दर्ज नहीं किया गया। इस हिंसा की वजह अवामी लीग और उसके प्रतिबंधित छात्र लीग के नेताओं और समर्थकों की नेशनल सिटीजन पार्टी (एनसीपी) की रैली पर हुए कथित हमले को ठहराने की कोशिश की गई है।

ढाका ट्रिब्यून ने प्रत्यक्षदर्शियों के हवाले से कहा कि हमलावरों और पुलिस के बीच झड़पें हुईं। इसमें कथित तौर पर चार लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतकों की पहचान रमजान काजी, सोहेल राणा, दीप्तो साहा और इमोन तालुकदार के रूप में हुई। पीड़ित परिवारों ने दावा किया कि पुलिस ने उन सभी की गोली मारकर हत्या कर दी। चारों पीड़ितों में से किसी का भी पोस्टमार्टम नहीं किया। इमोन को गुरुवार सुबह लगभग सात बजे गेतपारा स्थित नगरपालिका कब्रिस्तान में दफनाया गया।

सोहेल को भी लगभग उसी समय तुंगीपारा स्थित उनके पारिवारिक कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक किया गया। रमजान काजी को बुधवार रात नमाज के बाद गेतपारा में दफना दिया गया। दीप्तो का अंतिम संस्कार रात को नगर निगम के श्मशान घाट पर किया गया।

इस बारे में गोपालगंज सामान्य अस्पताल के अधीक्षक डॉ. जिबितेश बिस्वास का कहना है कि चारों के शव अस्पताल लाए गए थे, लेकिन उनका पोस्टमार्टम नहीं किया गया। परिवार के सदस्यों ने दावा किया कि अस्पताल ने कोई मृत्यु प्रमाण पत्र भी जारी नहीं किया। ढाका रेंज के पुलिस उप महानिरीक्षक रेजाउल करीम मलिक ने स्वीकार किया कि शव परीक्षण नहीं किया गया है।

उन्होंने कहा कि हिंसा के सिलसिले में अब तक 25 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया है। जब उनसे पूछा गया कि पोस्टमार्टम क्यों नहीं कराया गया तो उन्होंने कोई सीधा जवाब न देते हुए कहा कि अधिकारी इस मामले को कानूनी प्रक्रिया के तहत लाएंगे और घटना पर मुकदमा दर्ज करने की तैयारी चल रही है।

इस बीच अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार के प्रेस विंग ने मीडिया से एक पुलिस रिपोर्ट साझा की है। इसमें कहा गया है, अनियंत्रित भीड़ ने जिला अस्पताल में चारों शवों का पोस्टमार्टम नहीं होने दिया। भीड़ जबरिया सभी शव अपने साथ ले गई।

इस सरकारी दावे की कलीम मुंशी के बयान ने धज्जियां उड़ा दी हैं। हिंसा में मारा गया रमजान उनका भतीजा है। कलीम मुंशी ने कहा कि उन्होंने एक वीडियो में देखा कि उनके भतीजे को गोली मार दी गई। हम लोग उसे अस्पताल ले गए, लेकिन बचा नहीं सके। इसके बाद हम शव को थाने ले गए। वहां थाने का प्रवेश द्वार बंद मिला। वहां से हम शव को पोस्टमार्टम के लिए वापस अस्पताल ले आए। अस्पताल के कर्मचारियों ने हमसे कहा इसे अभी घर ले जाओ।

यहां परेशानी हो सकती है। इसलिए हम पोस्टमार्टम नहीं कर सके। जाहिदुल इस्लाम तालुकदार का कहना है कि उन्हें बुधवार दोपहर पता चला कि उनके भतीजे सोहेल की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। जब तक मैं पहुंचा उसका शव अस्पताल से घर लाया जा चुका था। शव का पोस्टमार्टम नहीं हुआ था और हमें अस्पताल से कोई मृत्यु प्रमाण पत्र भी नहीं मिला।

अमेरिकी सोलर कंपनियों ने भारत, इंडोनेशिया और लाओस से होने वाले आयात पर टैरिफ की मांग की

वाशिंगटन,18 जुलाई (एजेंसियां) । अमेरिका की सौर पैनल निर्माता कंपनियों के एक समूह ने भारत, इंडोनेशिया और लाओस से हो रहे सौर पैनलों के आयात पर टैरिफ (शुल्क) लगाने की मांग की है। इन देशों पर सस्ते दामों पर उत्पादों की बिक्री (डंपिंग) कर अमेरिकी बाजार को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया गया है। यह याचिका गुरुवार को अमेरिकी वाणिज्य विभाग के समक्ष दायर की गई।

इस मांग का नेतृत्व 'अलायंस फॉर अमेरिकन सोलर मैन्युफैक्चरिंग एंड ट्रेड' नामक समूह कर रहा है, जिसमें फर्स्ट सोलर, दक्षिण कोरियाई कंपनी क्यू-सेल, और निजी कंपनियां टैलोन पीवी और मिशन सोलर शामिल हैं।

याचिकाकर्ताओं का कहना है कि इन देशों की कंपनियों को उनकी सरकारों से अनुचित सब्सिडी मिल रही है और वे अमेरिका में लागत से कम कीमत पर उत्पाद बेच रही हैं, जिससे अमेरिकी निर्माण क्षेत्र को गहरा नुकसान हो रहा है।

याचिका में कहा गया है कि चीनी कंपनियों ने पहले जिन दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों (मलेशिया, वियतनाम, थाईलैंड, कंबोडिया) में उत्पादन किया था, उन पर पहले ही अमेरिका ने टैरिफ लगाया है। अब वे कंपनियां अपना उत्पादन इंडोनेशिया और लाओस में स्थानांतरित कर रही हैं। साथ ही भारत की कुछ कंपनियां भी अमेरिकी बाजार में कम कीमत पर पैनल बेच रही हैं। याचिका के मुताबिक, भारत, इंडोनेशिया और लाओस से अमेरिका में सोलर पैनल का आयात वर्ष 2022 में 289 मिलियन डॉलर था, जो 2023 में बढ़कर 1.6 बिलियन डॉलर हो गया, यानी करीब 450 फीसदी की वृद्धि। याचिका में शामिल वकील टिम ब्राइटबिल ने कहा, हमेशा से हमारा मानना रहा है कि हमारे व्यापार कानूनों का सख्ती से पालन सौर उद्योग की सफलता के लिए आवश्यक है।

उल्लेखनीय है कि अमेरिका ने 2022 में पारित 'इन्फ्लेशन रिडक्शन एक्ट' के तहत घरेलू सौर पैनल उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए टैक्स क्रेडिट जैसी कई योजनाएं शुरू की थीं। इसके बाद अमेरिका की सौर पैनल उत्पादन क्षमता 2020 में 7 गीगावॉट से बढ़कर 2024 में 50 गीगावॉट हो गई है।

लाशों को लेकर जाते हुए विशेषज्ञ

रुस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष के बीच ही किसी अज्ञात स्थल पर लाशों को लेकर जाते हुए विशेषज्ञ।

स्लोवेनिया ने इजराइल के दो मंत्रियों को अवांछित घोषित किया, ईयू में पहली कार्रवाई

साराजेवो,18 जुलाई (एजेंसियां) ।

स्लोवेनिया ने गुरुवार को इजराइल के दो कट्टरपंथी मंत्रियों राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन-गवीर और वित्त मंत्री बेजालेल स्मोट्रिच को पर्सोना नॉन ग्राटा (अवांछित व्यक्ति) घोषित किया है। ऐसा करने वाला स्लोवेनिया पहला यूरोपीय संघ देश बन गया है। यह निर्णय इजराइल पर फिलिस्तीनियों के खिलाफ हिंसा और उकसावे के आरोपों के चलते लिया गया है।

स्लोवेनिया की विदेश मंत्री तान्या फायोन ने पत्रकार वार्ता में इसकी जानकारी देते हुए कहा कि हमारी सरकार ने एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। हमने दो इजराइली मंत्रियों को स्लोवेनिया में अवांछित घोषित किया है। यह यूरोपीय संघ में अपनी तरह की पहली कार्रवाई है।

सरकार की ओर से जारी बयान में कहा गया कि दोनों मंत्री वेस्ट बैंक में अवैध यहूदी बस्तियों के विस्तार, फिलिस्तीनियों की जबरन बेदखली और नागरिक फिलिस्तीनी आबादी के खिलाफ हिंसा के समर्थन में सार्वजनिक बयान देते रहे हैं।

फायोन ने बताया कि यह कदम इसलिए उठाया गया क्योंकि ब्रसेल्स में मंगलवार को हुई ईयू विदेश मंत्रियों की बैठक में इजराइल के खिलाफ कोई साझा कार्रवाई तय नहीं हो सकी। उन्होंने यह भी कहा कि अन्य संभावित उपायों पर भी विचार किया जा रहा है, लेकिन फिलहाल विस्तार से कुछ नहीं बताया। इजराइली सरकार की ओर से इस फैसले पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई है। हालांकि इजराइल पहले भी गाजा में नरसंहार के आरोपों को सिरे से खारिज करता आया है।

ट्रंप कथित अश्लील पत्र छापने पर द वाल स्ट्रीट जर्नल, न्यूजकॉर्प और रूपर्ट मर्डोक पर भड़के, मुकदमा करेंगे

वाशिंगटन,18 जुलाई (एजेंसियां) । अमेरिका के प्रमुख अखबार द वाल स्ट्रीट जर्नल, न्यूजकॉर्प और रूपर्ट मर्डोक पर राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप जल्द ही मुकदमा दायर करने वाले हैं। वह जेफरी एपस्टीन को कभी लिखे गए उनके कथित अश्लील पत्र के छापने से आहत और गुस्से में हैं। ट्रंप पहले ही इस पत्र को फर्जी बता चुके हैं। द वाल स्ट्रीट जनरल में इस आशय की रिपोर्ट छपने के बाद ट्रंप ने अपने सोशल ट्रुथ पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए बयान जारी किया है।

जनरल ने अपनी विशेष रिपोर्ट में कहा है कि ट्रंप ने एपस्टीन को एक कथित पत्र भेजा था। इस पत्र की भाषा अश्लील थी। बताया गया है कि द वाल स्ट्रीट जर्नल और रूपर्ट मर्डोक को राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप ने सीधे चेतावनी दी थी कि अगर एपस्टीन को लिखा गया उनका कथित फर्जी पत्र छापा जाता है तो वह मुकदमा दायर करेंगे। अमेरिकी मीडिया विशेषज्ञों का कहना है कि मर्डोक ने ट्रंप को आश्वासन दिया था कि वह इसका ध्यान रखेंगे, लेकिन उनके पास ऐसा करने का अधिकार नहीं था। इसके अलावा ट्रंप की तरफ से व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने द वाल स्ट्रीट जर्नल की संपादक एम्मा टकर को बताया था कि पत्र फर्जी है। लेविट का कहना है कि एम्मा टकर कुछ भी सुनने को तैयार नहीं थीं। वह सिर्फ झूठी, दुर्भावनापूर्ण और अपमानजनक कहानी पर अडिग थीं। राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल ट्रुथ पर अपनी पोस्ट में कहा कि वह जल्द ही द वल स्ट्रीट जर्नल, न्यूजकॉर्प और मर्डोक पर मुकदमा करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रेस को सच बोलना सीखना होगा। प्रेस को ऐसे स्रोतों पर भरोसा नहीं करना होगा जो शायद मौजूद ही नहीं हैं। उल्लेखनीय है कि इससे पहले राष्ट्रपति ट्रंप पत्रकार जॉर्ज स्टेफानोपोलोस, एबीसी, 60 मिनट्स, सीबीएस और अन्य मीडिया घरानों से टकरा कर उनकी बोलती बंद करा चुके हैं। अब वह निष्पक्षता की दुहाई देने वाले द वाल स्ट्रीट जर्नल से टकराने का मन बना चुके हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि द वाल स्ट्रीट जर्नल पहले जैसा नहीं रहा। अब वह घटिया अखबार बन गया है। उन्होंने कहा कि अगर कथित पत्र में रत्ती भर सच्चाई होती तो हिलेरी और अन्य कट्टरपंथी वामपंथी राष्ट्रपति चुनाव में जरूर मुद्दा बनाते। द वाल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट फेक न्यूज का एक और उदाहरण है। गुरुवार (स्थानीय समय) को प्रकाशित द वाल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के अनुसार, जेफरी एपस्टीन को 2003 में उनके 50वें जन्मदिन पर भेजे गए बधाई संदेश के पत्रों के संग्रह में डोनाल्ड ट्रंप का नाम और एक नग्न महिला की रूपरेखा वाला एक नोट शामिल था। हालांकि ट्रंप ने मंगलवार को दिए द वाल स्ट्रीट जर्नल को दिए गए एक साक्षात्कार में इस बात से इनकार किया कि उन्होंने एपस्टीन को पत्र लिखा या चित्र बनाया था। उन्होंने कहा था, मैंने अपने जीवन में कभी कोई शब्द चित्र नहीं लिखा। मैं महिलाओं के चित्र नहीं बनाता। यह मेरी भाषा नहीं है। यह मेरे शब्द नहीं हैं। उल्लेखनीय है कि एपस्टीन अमेरिका के बड़े फाइनेंसर रहे हैं। उनके देश के कई राजनेताओं और प्रभावशाली हस्तियों के गहरे संबंध किसी से छुपे नहीं हैं। उन पर साल 2019 में फ्लोरिडा और न्यूयॉर्क में नाबालिगों की यौन तस्करी का आरोप लगा था। इस खुलासे के बाद उनकी गिरफ्तारी भी हुई। बाद में वह अपनी जेल की कोठरी में मृत पाए गए। सीएनएन के अनुसार, मेडिकल जांच में कहा गया कि उन्होंने आत्महत्या की। बाद में परिस्थितियों ने कई नए रहस्य खोले और उनकी मौत पर षड्यंत्र के सिद्धांत गढ़े गए।

कई गंभीर बीमारियों से बचाने में सहायक है लहसुन

नई दिल्ली,18 जुलाई (एजेंसियां)।

प्रत्येक भारतीयों की रसोई में पाए जाने वाली लहसुन के तीखे स्वाद और खास खुशबू के पीछे कई औषधीय गुण छिपे हैं। लहसुन में मौजूद पोषक तत्व हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने में मदद करते हैं और कई गंभीर बीमारियों से बचाने में भी सहायक होते हैं। विशेषज्ञ बताते हैं कि इसमें एलिसिन नामक तत्व होता है, जो एक प्राकृतिक औषधि की तरह काम करता है। इसके अलावा इसमें एंटी वायरल, एंटी फंगल और एंटी ऑक्सीडेंट गुण भी होते हैं। लहसुन विटामिन ए, बी और सी के साथ-साथ सल्फ्यूरिक एसिड का भी अच्छा स्रोत है, जो सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है। यही वजह है कि यह खाने में स्वाद और सेहत दोनों जोड़ता है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि लहसुन हर किसी के लिए पूरी तरह सुरक्षित है। आयुष विशेषज्ञों के मुताबिक, लहसुन का ज्यादा या गलत समय पर सेवन कई लोगों के लिए नुकसानदेह भी हो सकता है। खासकर खाली पेट लहसुन खाना हानिकारक माना जाता है, क्योंकि इससे पेट में जलन और असहजता बढ़ सकती है। इसके अलावा, जिन लोगों को एसिडिटी की समस्या रहती है, उन्हें लहसुन से परहेज करना चाहिए क्योंकि इसका तीखा स्वभाव पेट की अम्लता को और बढ़ा सकता है। जानकार बताते हैं कि मुंह से तेज बदबू आने की समस्या वाले लोग भी लहसुन के सेवन से बचें।

एसयूवी जिम्नी अगस्त में नए फेसलिफ्ट वर्जन में होगी लॉन्च

नईदिल्ली। अगस्त 2025 में अपनी लोकप्रिय एसयूवी जिम्नी को सुजुकी नए फेसलिफ्ट वर्जन में लॉन्च करेगी। इसकी डिजाइन में छोटे-मोटे कॉस्मेटिक बदलाव किए जा सकते हैं, लेकिन इसका मूल आकर्षण बरकरार रहेगा। यह नई जिम्नी अपने क्लासिक रेट्रो और बॉक्सी डिजाइन के लिए जानी जाती है, और इस बार भी यही इसकी पहचान बनी रहेगी। यह एसयूवी एक कॉम्पैक्ट, हल्की और मजबूत ऑफ-रोडर जो शहरी और बीहड़ दोनों तरह के रास्तों के लिए मुफीद है। सबसे बड़ा बदलाव इसकी सेफ्टी फीचर्स में देखने को मिलेगा। नई जिम्नी में सुजुकी सेफटी सपोर्ट सिस्टम जोड़ा जाएगा जिसमें डुअल कैमरा बेस्ड एडीएसएस, ऑटोमैटिक इमरजेंसी ब्रेकिंग, एडॉप्टिव क्रूज कंट्रोल (ऑटोमैटिक वेरिएंट्स में), रिवर्स ब्रेकिंग सपोर्ट और रियर क्रॉस ट्रैफिक अलर्ट जैसे एडवांस फीचर्स शामिल होंगे। ये सुधार इसे ऑस्ट्रेलिया, यूरोप और यूके जैसे सख्त सेफ्टी नॉर्म्स वाले बाजारों में भी बेचने योग्य बनाएंगे। इंजन विकल्प को लेकर भी चर्चाएं हैं। अब तक जिम्नी पेट्रोल इंजन में ही उपलब्ध थी, लेकिन यूरोपीय बाजारों के कड़े एमिशन नॉर्म्स के कारण हाइब्रिड इंजन की संभावनाएं भी बढ़ गई हैं। हालांकि अगस्त 2025 में आने वाले फेसलिफ्ट में हाइब्रिड इंजन की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

न्यूज ब्रीफ

आईटीआर-2 फॉर्म की ऑनलाइन फाइलिंग प्रक्रिया शुरू, 15 सितंबर है आखिरी तारीख

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने शुक्रवार को आकलन वर्ष 2025-26 के लिए आईटीआर-2 फॉर्म के लिए ऑनलाइन आयकर रिटर्न (आईटीआर) फाइलिंग की सुविधा शुरू कर दी है, जिससे जटिल आय संरचना वाले लाखों करदाताओं को अपना आईटीआर ज्यादा आसानी से दाखिल करने में मदद मिलेगी। आईटीआर-2 फॉर्म ऑनलाइन फाइलिंग अब पहले से भरे डेटा के साथ लाइव आयकर विभाग ने बयान जारी कर बताया क आयकर रिटर्न फॉर्म आईटीआर-2 अब ई-फाइलिंग पोर्टल पर पहले से भरे गए डेटा के साथ ऑनलाइन दाखिल करने के लिए उपलब्ध है। इसके जारी होने के साथ ही वो सभी करदाता, जिनमें वेतनभोगी व्यक्ति भी शामिल हैं, जिनके पास कर योग्य पूंजीगत लाभ, क्रिप्टो इनकम आदि हैं, से ई-फाइलिंग आईटीआर पोर्टल के जरिए अपना आयकर रिटर्न ऑनलाइन दाखिल करना शुरू कर सकते हैं। पर उपलब्ध है। विभाग ने वित्त वर्ष 2024-25 (आकलन वर्ष 2025-26) के लिए आईटीआर दाखिल करने की विस्तारित समय-सीमा पहले ही बढ़ा कर 15 सितंबर, 2025 कर दिया था। विभाग ने इससे पहले केवल आईटीआर-1 और आईटीआर-4 (ऑनलाइन और एक्सेल यूटिलिटी दोनों) जारी किए थे। इससे सीमित करदाताओं को ही अपना आईटीआर दाखिल करने में मदद मिली थी।

एआई केंद्रित इन्फ्रास्ट्रक्चर से आईटी खर्च 5.43 ट्रिलियन डॉलर पहुंचने की उम्मीद

नई दिल्ली। 2025 में दुनिया भर में आईटी खर्च 5.43 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है, जो 2024 की तुलना में 7.9 फीसदी से ज्यादा है। इसकी वजह एआई इन्फ्रास्ट्रक्चर पर ज्यादा फोकस है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में सामने आई। रिपोर्ट में अनुमान लगाया है कि मौजूदा भू-राजनीतिक परिदृश्य के कारण कारोबार में मंदी के बावजूद एआई केंद्रित इन्फ्रास्ट्रक्चर पर खर्च आईटी क्षेत्र में खर्च को बढ़ावा देगा। गार्टनर के विशिष्ट उपाध्यक्ष विश्लेषक जॉन-डेविड लवलॉक ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितता में वृद्धि के कारण शुद्ध-नए खर्च पर व्यावसायिक विराम है, लेकिन एआई और जनरेटिव एआई (जेनएआई) डिजिटलीकरण पहलों के कारण यह प्रभाव कम हो रहा है। अनिश्चितता के कारण 2025 में सॉफ्टवेयर और सेवाओं पर खर्च की वृद्धि धीमी होने की उम्मीद जताई जा रही है, लेकिन डेटा सेंटर सिस्टम जैसे एआई से संबंधित इन्फ्रास्ट्रक्चर पर खर्च में वृद्धि जारी है। रिपोर्ट में बताया गया है कि जेनएआई के कारण डेटा केंद्रों में तेजी देखी जा रही है और एआई अनुकूलित सर्वरों पर खर्च जो 2021 में करीब न के बराबर था, 2027 तक पारंपरिक सर्वरों की तुलना में तीन गुना बढ़ने की संभावना है।

ईपीएफओ की बैठक में कर्मचारियों का प्रमोशन और खाली पदों पर हो सकता है निर्णय

नई दिल्ली। भविष्य में कर्मचारियों की जरूरत का अनुमान लगाने, कर्मचारियों की करियर संबंधी आकांक्षाओं के साथ तालमेल करने के लिए कैडर के पुनर्गठन और अपनी सेवाओं की डिलिवरी बेहतर करने के लिए कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) की कैडर पुनर्गठन (सीआर) समिति शुक्रवार को अपने सभी एसोसिएशनों, फेडरेशनों और कर्मचारी यूनियनों के साथ बैठक कर रही है। दो दिन तक चलने वाली बैठक के बाद सेवानिवृत्ति कोष संगठन में कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने और इसमें काम कर रहे कर्मचारियों को प्रमोशन देने का फैसला लिया जा सकता है। इस समय ईपीएफओ के 21 जोनल कार्यालय, 138 रीजनल कार्यालय, 114 जिला कार्यालय और पांच विशेष राज्य कार्यालय हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक ईपीएफओ में इस समय ग्रुप-ए, बी और सी में 24 हजार के करीब पद हैं, जिनमें से 9 हजार पद खाली हैं। मीडिया रिपोर्ट में कर्मचारी संगठन के एक सदस्य ने बताया कि ईपीएफओ में कैडर की समीक्षा नियमित रूप से नहीं होती।

रिलायंस रिटेल ने खरीदे केल्विनेटर ब्रांड, कई कंपनियां टेंशन में आई

मुंबई,18 जुलाई (एजेंसियां)।

मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली कंपनी रिलायंस रिटेल लिमिटेड ने बताया कि उन्होंने स्विडिश मैन्युफैक्चरिंग कंपनी ईलेक्ट्रोलक्स एबी से केल्विनेटर ब्रांड खरीद लिया है। केल्विनेटर होम एप्लाइंसेस प्रोडक्ट बनाती है। रिलायंस रिटेल के पास 2019 में मैन्युफैक्चरिंग और डिस्ट्रीब्यूशन राइट्स थे। यह नया टेकओवर रिलायंस रिटेल की कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक मार्केट में मौजूदगी को और मजबूत करेगा। कंपनी रिलायंस डिजिटल बैनर के तहत इलेक्ट्रॉनिक्स स्टोर्स का संचालन कर रही है।

बता दें रिलायंस रिटेल के इस कदम से ड्यूरेबल मार्केट के मौजूदा प्लेयर्स एलजी समेत अन्य कंपनियों को अब एक मजबूत प्रतिद्वंदी का सामना करना पड़ेगा। ईलेक्ट्रोलक्स ग्रुप ने भारतीय मार्केट में 1960 में एंट्री की थी। कंपनी 1970 से 1980 के बीच एक बड़ा ग्राहकों का आधार तैयार कर लिया था। उस समय इस कंपनी की टैगलाइन द कूलेस्ट वन हुआ करती थी। 1995 में वर्लपूल ऑफ इंडिया लिमिटेड ने केल्विनेटर इंडिया लिमिटेड का अधिग्रहण कर लिया था। इस अधिग्रहण के बाद कंपनी रेफ्रीजरेटर मार्केट में एंट्री की थी। 2019 में केल्विनेटर ने रिलायंस रिटेल के साथ डील साइन करने के बाद फिर से इंडियन मार्केट में एंट्री की थी। मौजूदा समय केल्विनेटर ब्रांड के तहत रेफ्रीजरेटर्स, वाशिंग मशीन, एयर कंडीशनर्स आदि की बिक्री करती है। कंपनी रिलायंस डिजिटल स्टोर नेटवर्क और अन्य रिटेलर्स की मदद से यह सामान बेच रही है। बता दें रिलायंस डिजिटल मौजूदा समय में देश के अंदर 400 स्टोर्स चला रही है। देश के जीडीपी का यह 0.60 फीसदी के बराबर है। उम्मीद की जा रही है यह 11 फीसदी के सीएजीआर से ग्रोथ करेगा। रिपोर्ट के मुताबिक 2029 तक देश के कंज्यूमर ड्यूरेबल मार्केट का साइज 3 ट्रिलियन डॉलर के बराबर होगा।

एप्पल ने भारत में 2025 की पहली छमाही में बनाए रिकॉर्ड तोड़ आईफोन, निर्यात में भी सबसे ज्यादा वृद्धि

नई दिल्ली,18 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने गुरुवार को कहा कि एप्पल ने भारत में स्मार्टफोन निर्माण में एक नया मानक स्थापित किया है और 2025 की पहली छमाही के दौरान आईफोन उत्पादन के साथ-साथ निर्यात में अब तक की सबसे तेज वृद्धि हासिल की है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने इस उपलब्धि का जश्न मनाने के लिए ग्लोबल टेक मैन्युफैक्चरिंग में देश की बढ़ती भूमिका पर प्रकाश डालते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, एप्पल ने भारत में रिकॉर्ड आईफोन उत्पादन हासिल किया।

मार्केट रिसर्च फर्म कैनालिस के आंकड़ों के अनुसार, जनवरी और जून 2025 के बीच भारत में आईफोन उत्पादन सालाना आधार पर 53 प्रतिशत बढ़कर 23.9 मिलियन यूनिट तक पहुंच गया।2017 में देश में स्मार्टफोन असेंबलिंग शुरू करने के बाद से यह एप्पल का सबसे बड़ा विस्तार है।इस वृद्धि को खासकर चीनी वस्तुओं पर अमेरिका द्वारा उच्च टैरिफ के मंडराते खतरे के बीच एप्पल की चीन पर निर्भरता कम करने की रणनीति के तहत देखा जा रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि निर्यात में भी इसी तरह की वृद्धि देखी गई, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 53 प्रतिशत अधिक है।भारत में निर्मित आईफोन के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका सबसे बड़ा गंतव्य था, जहां कुल निर्यात का 78 प्रतिशत निर्यात हुआ, जो एक साल पहले 53 प्रतिशत था।नीदरलैंड, संयुक्त अरब अमीरात, यूके और जापान जैसे अन्य बाजारों में भारतीय आईफोन शिपमेंट में उनकी हिस्सेदारी में गिरावट देखी गई।

सर्राफा बाजार में सोने की कीमत में मामूली तेजी चांदी के भाव में बदलाव नहीं

नई दिल्ली,18 जुलाई (एजेंसियां)।

घरेलू सर्राफा बाजार में सोने की कीमत में मामूली तेजी का रुख नजर आ रहा है। वहीं चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ है। कीमत में तेजी आने के कारण देश ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 99,340 रुपये से लेकर 99,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 91,060 रुपये से लेकर 91,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में भी 1,13,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 99,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 91,210 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 99,340 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 99,390 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,110 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 99,340 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 91,060 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 99,340 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 99,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 91,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 99,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 91,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 99,490 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 99,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

भारतीय बाजार में मोटरसाइकिल रैंजर प्रो और रैंजर प्रो प्लस लॉन्च

भारतीय बाजार में कोमाकी इलेक्ट्रिक कंपनी ने अपनी नई क्रूज़र स्टाइल इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल रैंजर प्रो और रैंजर प्रो प्लस को लॉन्च कर दिया है। कंपनी ने इन बाइक्स को उन ग्राहकों को ध्यान में रखकर डिजाइन किया है, जो प्रैक्टिकल उपयोग के साथ क्रूज़र लुक वाली इलेक्ट्रिक बाइक की तलाश में हैं। रैंजर प्रो की कीमत रुपए 1,29,999 और प्रो प्लस की कीमत रुपए 1,39,999 रखी गई है। दोनों मॉडलों की कीमत में रुपए 12,500 की एक्सेसरीज भी शामिल हैं। दोनों मॉडलों में 4.2केडब्ल्यू का एलआईपीओ4 बैटरी पैक दिया गया है। एक बार फुल चार्ज पर रैंजर प्रो 160 से 220 किलोमीटर और रैंजर प्रो प्लस 180 से 240 किलोमीटर तक की रेंज देने में सक्षम है। इसमें 5केडब्ल्यू का हाई-टॉर्क मोटर है, जो बाइक को महज़ 5 सेकंड में अधिकतम गति तक पहुंचा सकता है। यह खास तौर पर हाईवे क्रूज़ और शहरी सड़कों दोनों के लिए उपयुक्त है।

गोयल ने युवाओं से 2047 तक विकसित भारत के निर्माता बनने का आह्वान किया

नई दिल्ली,18 जुलाई (एजेंसियां)।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को युवाओं से 2047 तक विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय योगदान देने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि नीति निर्माण में योगदान देने के लिए सक्षम एवं प्रतिबद्ध व्यक्तियों की जरूरत है। केंद्रीय मंत्री नोएडा स्थित श्रीराम मिलेनियम स्कूल में भारत के अंतरराष्ट्रीय राष्ट्र एकीकरण आंदोलन (आईआईएमयूएन) सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। पीयूष गोयल ने युवाओं से भारत के भविष्य की जिम्मेदारी संभालने का आग्रह किया और कहा कि कल के भारत के परिवर्तनकर्ता और प्रेरक बनें।

उन्होंने कहा कि सामूहिक संकल्प के साथ, हम हर चुनौती पर विजय पा सकते हैं और अपने राष्ट्र को नई ऊंचाइयों पर ले जा सकते हैं।

गोयल ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत एक बड़े परिवर्तन के मुहाने पर खड़ा है। 15 अगस्त, 2022 को प्रधानमंत्री के संबोधन को याद करते हुए उन्होंने कहा कि अमृत काल की 25 वर्ष की अवधि 2047 में भारत की स्वतंत्रता की शताब्दी तक ले जाएगी। उन्होंने विस्तार से बताया कि पांच प्रतिज्ञाओं में से पहली प्रतिज्ञा भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प है। गोयल ने कहा कि यह प्रतिबद्धता तभी साकार हो सकती है, जब हम शेष चार प्रतिज्ञाओं को भी उतनी ही गंभीरता से अपनाएं।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत, एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली,18 जुलाई (एजेंसियां)।

ग्लोबल मार्केट से मजबूती के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान बढ़त के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी फिलहाल तेजी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। वहीं एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार हो रहा है।

अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान उत्साह का माहौल बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.54 प्रतिशत उछल कर 6,297.38 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 153.58 अंक यानी 0.74 प्रतिशत की तेजी के साथ 20,884.27 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 112.52 अंक यानी 0.25 प्रतिशत की बढ़त के साथ 44,597.01 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। एफटीएसई इंडेक्स 0.51 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,972.64 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 99.91 अंक यानी 1.28 प्रतिशत उछल कर 7,822 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 361.55 अंक यानी 1.48 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,370.93 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजार में से 6 के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 3 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। गिफ्ट निफ्टी 0.06 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 25,132 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 127.40 अंक यानी 0.32 प्रतिशत फिसल कर 39,773.79 अंक के स्तर पर और कोस्पी इंडेक्स 0.45 प्रतिशत टूट कर 3,177.80 के स्तर पर पहुंचे हुए हैं। दूसरी ओर, स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.42 प्रतिशत की मजबूती के साथ 4,179.06 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 172.67 अंक यानी 0.70 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,671.62 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स ने बड़ी छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 1.37 प्रतिशत उछल कर 7,386.61 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 221.32 अंक यानी 0.96 प्रतिशत की मजबूती के साथ 23,334.60 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसके अलावा शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.34 प्रतिशत की तेजी के साथ 3,528.90 अंक के स्तर पर और सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.15 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,199.87 अंक के स्तर पर पहुंचे हुए हैं।

फिडे महिला वर्ल्ड कप : प्री-क्वार्टरफाइनल में चारों भारतीय खिलाड़ी टाईब्रेक में पहुंचीं

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)।

फिडे महिला विश्व कप के प्री-क्वार्टरफाइनल मुकाबलों में भारत की चारों महिला शतरंज खिलाड़ी - दिव्या देशमुख, आर. वैषाली, कोनेरू हम्पी और हरिका द्रोणावल्ली - अपने-अपने मुकाबले टाईब्रेक में खेलने को मजबूर हो गई हैं।

दूसरी वरीयता प्राप्त चीन की झू जिनर ने गुरुवार को दूसरे गेम में जबरदस्त वापसी करते हुए दिव्या देशमुख को मात दी और मुकाबला टाईब्रेक में पहुंचा दिया। दिव्या ने बुधवार को सफेद मोहरों से खेलते हुए झू के खिलाफ शानदार जीत हासिल की थी और उन्हें क्वार्टरफाइनल में पहुंचने के लिए केवल ड्रॉ की जरूरत थी। लेकिन ब्लैक मोहरों से खेलते हुए एक अनौपचारिक स्कॉच ओपनिंग में मिडिल गेम के दौरान उनकी स्थिति बिगड़ गई और फिर एंडगेम में वापसी करना उनके लिए असंभव हो गया।

वहीं, आर. वैषाली ने कजाकिस्तान की मेरुर्ट कामालिदेनोवा के खिलाफ एक और ड्रॉ खेला। उन्होंने भी ब्लैक मोहरों से खेलते हुए मुकाबले को टाईब्रेक तक पहुंचाया।

अनुभवी कोनेरू हम्पी और हरिका द्रोणावल्ली ने क्रमशः स्विट्जरलैंड की अलेक्जेंड्रा कोस्टेनियुक और रूस की कैटेरीना लगनो के खिलाफ सफेद मोहरों से खेलते हुए ड्रॉ किया। इस बीच, चीन की तीन खिलाड़ी क्वार्टरफाइनल में पहुंच गईं। लेई टिंगजी ने उज्बेकिस्तान की उमिदा ओमोनोवा के खिलाफ आसानी से ड्रॉ किया, सॉन्ग यूसिन ने जॉर्जिया की लेला जावाखिशविली से भी ड्रॉ किया, जबकि तान झोंगयी ने यूलिया ऑस्मक को हराकर दूसरे गेम में आराम से ड्रॉ कर मुकाबला अपने नाम किया।

दिन की सबसे बड़ी उलटफेर स्थानीय खिलाड़ी नाना डजागनिडजे ने की, जिन्होंने यूक्रेन की मारिया मुझचुक को हराकर उन्हें टूर्नामेंट से बाहर कर दिया।

गौरतलब है कि इस विश्व कप के जरिए तीन खिलाड़ियों को 2026 की पहली छमाही में होने वाली फिडे महिला कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में प्रवेश मिलेगा।

न्यूज ब्रीफ

फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैमः अर्जुन एरिगैसी सेमीफाइनल में, कारुआना ने प्रज्ञनानंद को रोमांचक मुकाबले में हराया

नई दिल्ली। लास वेगास में चल रहे फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम 2025 में भारत के अर्जुन एरिगैसी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में जगह बना ली है। शुक्रवार को खेले गए क्वार्टरफाइनल में उन्होंने उज्बेकिस्तान के नोडिरबेक अब्दुसत्तारोव को हराकर यह उपलब्धि हासिल की। वहीं दूसरी ओर, भारत के ही आर. प्रज्ञनानंद को कड़े मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। अमेरिका के दिग्गज ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारुआना के खिलाफ उनका मैच बेहद रोमांचक रहा, जो क्लासिकल, रैपिड और ब्लिट्ज तीनों प्रारूपों में जीतों के आदान-प्रदान के बाद आर्मागेडन तक पहुंचा। इस टूर्नामेंट का यह पहला आर्मागेडन मुकाबला था, जिसमें कारुआना ने काले मोहरों से बाज़ी मार ली। अर्जुन एरिगैसी का मुकाबला अब सेमीफाइनल में लेवोन आरोनियन से होगा, जिन्होंने हिकारू नाकामुरा को टाईब्रेक में हराया। इस बीच, निचली ब्रैकेट में भारत के विदित गुजराती को मैग्नस कार्लसन ने हराते हुए इंटरमीडिएट मैच स्टेज 1 में प्रवेश किया है। इस चरण में कार्लसन का मुकाबला अब प्रज्ञनानंद से होगा।

कुलदीप को मैनचेस्टर टेस्ट में खेलते देखना चाहते हैं कपिल

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव ने कहा है कि मैनचेस्टर में 23 जुलाई से इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले चौथे टेस्ट मैच में चाइनामैन स्पिनर कुलदीप यादव बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। ऐसे में वह कुलदीप को इस मैच में खेलते हुए देखना चाहते हैं। कपिल ने स्वयं कुलदीप को फोन कर ये बात कही है। पांच मैचों की इस सीरीज में अभी भारतीय टीम 1-2 से पीछे है, ऐसे में उसके लिए चौथा टेस्ट बेहद अहम है। भारतीय टीम को लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे टेस्ट में केवल 22 रनों से हार का सामना करना पड़ा। तीनों मैच के दौरान कुलदीप को जगह नहीं मिलने से सभी हैरान हैं क्योंकि टीम में शामिल स्पिनर वॉशिंगटन सुंदर और रविंद्र जडेजा इन मैचों में प्रभावित नहीं कर पाये, केवल बल्लेबाजी के आधार पर इन्हें जगह मिली। ऐसे में कपिल का ये कहना कि मैनचेस्ट टेस्ट में कुलदीप बड़ी भूमिका निभा सकते हैं, ये बात ध्यान में रखनी चाहिये। अब तक सुंदर ने तीसरे मैच की दूसरी पारी में 4 विकेट लिए किया। वहीं जडेजा ने 6 पारियों में तीन विकेट लिए हैं। हालांकि बल्लेबाजी में जडेजा काफी सफल रहे हैं। कुलदीप को टीम में जगह नहीं मिलने पर कपिल ने कहा कहा, टीम अच्छा खेल रही है इसलिए भी शायद उन्हें अवसर नहीं मिला। तीसरे टेस्ट में लगा कि वह खेलेंगे पर लेकिन तेज गेंदबाजों ने अच्छा काम किया। उन्होंने साथ ही कहा, इस समय कुलदीप अच्छे फॉर्म में है। ऐसे में उसे जगह नहीं देना नुकसानदेह रहेगा। पिछले कुछ मैचों में गेंदबाज नहीं, बल्कि बल्लेबाज विफल रहे हैं। उन्होंने कहा, आप कुलदीप या जसप्रीत बुमराह से ये उम्मीद नहीं कर सकते कि वह काफी रन बना लेंगे। मैंने हाल ही में कुलदीप से बात की और उसे फिट रहने और अवसर मिलने पर अच्छा प्रदर्शन करने को कहा।

शमी की पत्नी हसीन जहां मारपीट मामले में फंसी, हत्या के प्रयास का मामला दर्ज

कोलकाता। क्रिकेटर मोहम्मद शमी से घरेलू हिंसा और कई अन्य मामलों में तलाक का मामला लड़ रहीं उनकी पत्नी हसीन जहां हमेशा विवादों में रहीं हैं। अब हसीन पर हत्या की कोशिश का मामला दर्ज हुआ है। हसीन के अलावा उनकी बेटी अर्शी जहां के खिलाफ हत्या के प्रयास का केस दर्ज कराया गया है। हसीन पर ये मामला पड़ोसी ने दर्ज कराया है। इसका एक वीडियो भी आया हे। इसमें दावा किया जा रहा है कि हसीन जहां अपने पड़ोसियों से झगड़ा कर रही हैं। ये वीडियो पश्चिम बंगाल के बीरभूम का बताया जा रहा है। खबरें हैं कि हसीन जहां और उनकी बेटी अर्शी ने जमीन विवाद को लेकर पड़ोसियों के साथ मारपीट भी की। दावा किया जा रहा है कि हसीन जहां गैर कानूनी ढंग से जमीन पर कब्जा करना चाहती हैं, जिसका पड़ोसी विरोध कर रहे थे।इसमें हसीन जहां और उनकी पहली शादी की बेटी अर्शी जहां के खिलाफ पड़ोसी ने मामला दर्ज कराया है। इसमें हसीन पर आरोप है कि उन्होंने 5 नवंबर वार्ड में विवादित प्लॉट पर निर्माण शुरू किया।

यूरोपीय दौरा : बेल्जियम ने भारतीय ए पुरुष हॉकी टीम को 3-1 से हराया, कप्तान संजय ने भारत के लिए एकमात्र गोल किया

एंटवर्पन (बेल्जियम), 18 जुलाई (एजेंसियां)।

यूरोपीय दौरे के तहत भारत ए पुरुष हॉकी टीम को गुरुवार को बेल्जियम के खिलाफ खेले गए मुकाबले में 1-3 से हार का सामना करना पड़ा। यह मैच एंटवर्पन के स्पोर्टसेंट्रम विलरिज्कसेप्लेन मैदान में खेला गया। भारतीय टीम की ओर से एकमात्र गोल कप्तान संजय ने किया। बेल्जियम ने मुकाबले की तेज शुरुआत करते हुए पहले ही क्वार्टर में तीन गोल दाग दिए और भारत पर शुरुआती दबाव बना दिया। हालांकि, इसके बाद भारतीय खिलाड़ियों ने संयम बरतते हुए बेहतर खेल दिखाया और गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा। अंतिम क्वार्टर में भारत की ओर से एकमात्र गोल हुआ।

मैच के बाद टीम के कोच शिवेंद्र सिंह ने कहा, हालांकि शुरुआत थोड़ी कमजोर रही, लेकिन कुल मिलाकर प्रदर्शन अच्छा था। हमने जल्दी गोल गंवाए, लेकिन इसके बाद वापसी करते हुए खेल को नियंत्रित किया। गेंद की पोजिशनिंग बेहतर थी और हमने कई मौके बनाए, अब हमें फिनिशिंग पर ज्यादा ध्यान देना होगा।

उन्होंने आगे कहा, ये खिलाड़ी दुनिया की शीर्ष टीमों के खिलाफ खेल रहे हैं, इसलिए उन पर काफी दबाव होता है। बावजूद इसके, ये युवा खिलाड़ी आत्मविश्वास के साथ खेल रहे हैं। यह दौरा इनके विकास के लिए बेहद अहम है। अब हमें विश्व नंबर 1 टीम नीदरलैंड्स के खिलाफ अगला मुकाबला खेलना है। ऐसे अनुभव भविष्य में इन खिलाड़ियों के लिए फायदेमंद साबित होंगे। भारत ए पुरुष हॉकी टीम अब दो अहम मुकाबलों के लिए आइंडहोवन (नीदरलैंड्स) का रुख करेगी और दौरे का समापन सकारात्मक परिणाम के साथ करने की उम्मीद रखेगी।

टीम इंडिया ने बेकेनहम मैदान में किया अभ्यास , ड्रेसिंग रूम में हनुमान चालीसा, इंग्लिश पॉप और पंजाबी गाने सुनते दिखे खिलाड़ी

मैनचेस्टर। भारतीय क्रिकेट टीम यहां इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर में होने वाले चौथे टेस्ट मैच के लिए अभी अभ्यास में लगी है। अभी इस सीरीज में भारतीय टीम 1-2 से पीछे है। ऐसे में उसका लक्ष्य मैनचेस्टर में किसी प्रकार से जीत दर्ज करना रहेगा। टीम के खिलाड़ी लंदन से एक घंटे का बस का सफर करके अभ्यास के लिए बेकेनहम मैदान पहुंचे। खिलाड़ियों के लिए ड्रेसिंग रूम में हनुमान चालीसा, इंग्लिश पॉप और पंजाबी गाने भी बजाए गए। इस मैच में ऋषभ पंत का खेलना तय नहीं हैं। उन्हें ऊंगली में चोट लगी है पर उम्मीद है कि वह मैच तक ठीक हो जाएंगे। वहीं तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज अभ्यास में शामिल नहीं हुए। अर्शदीप सिंह को भी अभ्यास के दौरान हाथ में चोट लग गई। केएल राहुल के अलावा बाकि सभी खिलाड़ी बेकेनहम गए थे। भारतीय क्रिकेट टीम आमतौर पर शांत माहौल में अभ्यास करना पसंद करती है। केंट काउंटी क्रिकेट ग्राउंड में भी ऐसा ही माहौल था। खिलाड़ी आराम से अभ्यास कर रहे थे। लॉर्ड्स में मिली हार के बाद टीम के खिलाड़ी थके हुए थे पर बेकेनहम के शांत वातावरण में वे तरोताजा हो गये। ड्रेसिंग रूम में अलग-अलग तरह के गाने बज रहे थे। कुछ खिलाड़ी हनुमान चालीसा सुन रहे थे, तो कुछ इंग्लिश पॉप और पंजाबी गाने। इससे खिलाड़ियों को आराम मिला। ऋषभ और बुमराह ऊपर ड्रेसिंग रूम से नीचे खड़े पत्रकारों से बात कर रहे थे। जब एक पत्रकार ने ऋषभ पंत से बात करने की कोशिश की, तो उन्होंने कहा, कुछ सुनाई नहीं दे रहा हैं। क्योंकि गाने बहुत तेज बज रहे थे। पंत और बुमराह ने सिर्फ वार्म-अप किया और जिम में कुछ समय बिताया।

डिओगो जोटा को वुल्व्स हॉल ऑफ फेम में किया गया शामिल

लंदन, 18 जुलाई (एजेंसियां)।

वुल्व्स फुटबॉल क्लब ने गुरुवार को पुर्तगाल के स्टार खिलाड़ी डिओगो जोटा को अपने हॉल ऑफ फेम में शामिल किए जाने की घोषणा की। यह सम्मान उन्हें मैदान पर उनकी शानदार उपलब्धियों और उनके असामयिक निधन से फुटबॉल जगत पर पड़े गहरे प्रभाव को श्रद्धांजलि स्वरूप दिया गया है।

क्लब के अनुसार, जोटा और उनके छोटे भाई आंद्रे सिल्वा - जो स्वयं भी पेशेवर फुटबॉलर थे - का 3 जुलाई को स्पेन के ज़मोरा में एक कार दुर्घटना में निधन हो गया था। आंद्रे की उम्र मात्र 25 वर्ष थी।

वुल्व्स की ओर से जारी बयान में कहा गया कि हॉल ऑफ फेम का संचालन एक स्वतंत्र समिति करती है, जिसकी अध्यक्षता क्लब के दिग्गज खिलाड़ी जॉन रिचर्ड्स करते हैं। आमतौर पर किसी खिलाड़ी को हॉल ऑफ फेम में शामिल करने का निर्णय लंबी चर्चा के बाद लिया जाता है, लेकिन इस दुखद घटना के मद्देनज़र यह निर्णय सर्वसम्मति से और त्वरित रूप से लिया गया।

डिओगो जोटा ने जुलाई 2017 में एटलेटिको मैड्रिड से वुल्व्स में शामिल होकर कुल 131 मैचों में 44 गोल किए थे। उन्होंने 2017-18 सीज़न में टीम को चैम्पियनशिप खिताब जिताने और प्रीमियर लीग में प्रमोशन दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी।

क्लब ने अपने बयान में कहा, क्लब के म्यूजियम के इस सबसे प्रतिष्ठित हिस्से में शामिल करने के लिए आमतौर पर हफ्तों या महीनों तक चर्चा होती है। लेकिन इस मामले में निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया — यह दर्शाता है कि प्रशंसकों और फुटबॉल जगत में उनके लिए कितनी भावनाएं जुड़ी थीं और उन्होंने कितना गहरा प्रभाव छोड़ा है।

वुल्व्स क्लब ने यह भी बताया कि वे जोटा और आंद्रे की याद में दो आगामी घरेलू मुकाबलों (9 अगस्त को सेल्टा विगो के खिलाफ अंतिम प्री-सीजन फ्रेंडली और एक सप्ताह बाद मैनचेस्टर सिटी के खिलाफ प्रीमियर लीग ओपनर) में श्रद्धांजलि देंगे

प्रथम पृष्ठ का शेष...

पीएम मोदी ने ...

कनेक्टिविटी और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए पूरी की गयी कई रेल परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित किया। इसमें समस्तीपुर-बछवाड़ा रेल लाइन के बीच स्वचालित सिग्नलिंग शामिल है। वहीं 580 करोड़ रुपए की लागत से तैयार दरभंगा-थलवारा और समस्तीपुर-रामभद्रपुर रेल लाइन का दोहरीकरण,जो दरभंगा-समस्तीपुर दोहरीकरण परियोजना का हिस्सा है।

इस दौरान प्रधानमंत्री ने कई रेल परियोजनाओं का शिलान्यास भी किया, जिनमें पाटलिपुत्र में वंदे भारत ट्रेनों के रखरखाव हेतु बुनियादी ढांचे का विकास शामिल है। भटनी-छपरा ग्रामीण रेल लाइन (114 किमी) पर स्वचालित सिग्नलिंग और 232 करोड़ रुपएकी लागत से तैयार होने वाले भटनी-छपरा ग्रामीण खंड में कर्षण प्रणाली का उन्नयन करना शामिल भी है। कर्षण प्रणाली के बुनियादी ढांचे को मज़बूत और ऊर्जा दक्षता को अनुकूलित करके ट्रेनों की गति बढ़ाई जाएगी। उन्होंने लगभग 4,080 करोड़ रुपए की लागत वाली दरभंगा-नरकटियागंज रेल लाइन दोहरीकरण परियोजना भी शिलान्यास किया।

पाटलिपुत्र कोचिंग कॉम्प्लेक्स में 283 करोड़ रुपए की लागत से वंदे भारत के रखरखाव केंद्र बनेगा। यहां वंदे भारत ट्रेनों के रोजाना रखरखाव के लिए अलग अलग प्रकार की पांच लाइनें बनायी जाएंगी। इसके निर्माण का टेंडर हो चुका है।

श्री मोदी ने 53 करोड़ रुपए की लागत से तैयार समस्तीपुर-बछवारा के बीच स्वचालित सिग्नलिंग सिस्टम को राष्ट्र को समर्पित किया। साथ ही भटनी से छपरा (114 के एम पार्ट ऑटोमेटिक सिगनलिंग गोरखपुर कैंट्ट-छपरा ग्रामीण रेल सेक्शन के बीच) के बीच 153 करोड़ रुपएकी लागत वाली ऑटोमैटिक सिग्नलिंग सिस्टम की शुरुआत किया।

भाजपा ने पश्चिम...

इन योजनाओं के अंतर्गत पूर्व के शहर राज्यों में एक गैस पाइपलाइन नेटवर्क का विस्तार किया जा रहा है। इसमें पश्चिम बंगाल भी शामिल है।श्री मोदी ने कहा,पूरे देश में हमारा एक ही लक्ष्य है कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाया जाए।कार्यक्रम में पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस, केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी, मंत्रिपरिषद के सदस्य शांतनु ठाकुर और सुकांत मजूमदार, पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ,सांसद समीक,भट्टाचार्य और ज्योतिर्मय महतो समेत कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

पूर्व सीएम भूपेश ...

कांग्रेस ने इस पोस्ट में आगे लिखा, भूपेश बघेल शुक्रवार को विधानसभा में पेड़ काटने का मुद्दा उठाने वाले थे, उससे पहले ईडी भेज दी गई। लेकिन पीएम मोदी याद रखें, इन गीदड़ भभकियों से कांग्रेस और उसके नेता डरने वाले नहीं। हम और मजबूती से आपके भ्रष्टाचार को उजागर करेंगे।

नौसेना में शामिल हुआ...

रैस्क्यू पार्टनर के रूप में उभरने में मदद करेगा। यह आत्मनिर्भर भारत की एक और चमकदार मिसाल है।

आईएनएस निस्तार की विशेषताओं की बात करें तो इसकी लंबाई 118 मीटर, वजन 10,000 टन से अधिक और अधिकतम डाइविंग गहराई 300 मीटर है।

इस मौके पर नौसेना प्रमुख ने याद दिलाया कि नौसेना में एक परंपरा है कि पुराने जहाज कभी नहीं मरते, वे हमेशा नए अवतार में वापस आते हैं। आज भी, एक गौरवशाली नाम निस्तार वापस लौटा है, जो एक नए आत्मबल और उद्देश्य के साथ पुन अवतरित हुआ है। इस जहाज के भूतपूर्व अवतार का सृजन 29 मार्च 1971 को हुआ था और उसने तुरंत 1971 में हुए भारत-पाकिस्तान युद्ध में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। निस्तार ही था जिसने यहीं, विशाखापटनम के हार्बर के बाहर डाइविंग करके, पाकिस्तानी सबमरीन गाजी की पहचान की थी और ईस्टर्न थिएटर ऑपरेशंस में सुदृढ़ योगदान दिया था।

इंडी गठबंधन...

इस तरह आम आदमी पार्टी ने पहले ही इंडिया गठबंधन से सियासी दूरी बना ली थी और अब संसद में विपक्षी एकता से भी अलग हो गई है।

बता दें, आम आदमी पार्टी ने लोकसभा चुनाव 2024 के बाद इंडिया गठबंधन से दूरी बना ली थी, लेकिन संसद से लेकर सड़क तक वह विपक्ष के साथ मिलकर मोदी सरकार की नीतियों का विरोध करती रही है। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह संसद में मुखर होकर सरकार की नीतियों के खिलाफ बोलते रहे हैं और विपक्ष की ताकतवर आवाजों में से एक माने जाते हैं, लेकिन मॉनसून सत्र में आम आदमी पार्टी के गठबंधन से अलग होने के बाद विपक्ष की एकजुट रणनीति में दरार पड़ने की आशंका है।आम आदमी पार्टी के पास राज्यसभा में 8 और लोकसभा में 3 सांसद हैं। संसद में जो उसकी सियासी अहमियत को बताते हैं। ऐसे में आम आदमी पार्टी के अलग होने से विपक्षी एकता को बड़ा झटका लग सकता है।मानसून सत्र के दौरान इंडिया गठबंधन ने मोदी सरकार को कई मुद्दों पर घेरने की रणनीति बनाई है। कांग्रेस समेत अन्य दल बिहार में विशेष मतदाता सूची संशोधन, ऑपरेशन सिंदूर और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावों जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाने की तैयारी में है, लेकिन आम आदमी पार्टी ने इन बैठकों में शामिल होने से इनकार कर दिया है।

छत्तीसगढ़ में ...

नक्सली भी शामिल थे। अधिकारियों ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में डिवीजनल कमेटी सदस्य मनकू कुंजाम उर्फ सुखलाल (33) पर आठ लाख रुपये, एरिया कमेटी सदस्य हिड़मे कुंजाम (28), मिलिशिया कमांडर पुन्ना लाल उर्फ बोटी (26) और सनीराम कोर्राम उर्फ धर्मू (25) पर पांच-पांच लाख रुपएका इनाम था।इसके अलावा आत्मसमर्पण करने वाले 11 नक्सलियों पर एक-एक लाख और सात नक्सलियों पर 50-50 हजार रुपएका इनाम था। अधिकारियों ने बताया कि ये नक्सली नारायणपुर जिले के माड़ संभाग के कुतुल, नेलनार और इंद्रावती एरिया कमेटी अंतर्गत सक्रिय थे।

संसद के पास है...

प्रस्ताव लाने में सरकार की कोई भूमिका नहीं है और इस तरह के किसी भी कदम का नेतृत्व सांसदों द्वारा स्वतंत्र रूप से किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह पूरी तरह से सांसदों का मामला है। सरकार इसमें शामिल नहीं है।सुप्रीम कोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट पर प्रकाशित 25 पृष्ठों की रिपोर्ट के मुताबिक, 14 मार्च को कथित तौर पर शॉर्ट-सर्किट के कारण लगी आग की घटना के बाद जस्टिस वर्मा के लुटियंस दिल्ली स्थित आवास से नोटों से भरे आंशिक रूप से जले हुए बोरे मिले थे। जस्टिस वर्मा ने सभी आरोपों से इनकार करते हुए दावा किया है कि न तो उन्होंने और न ही उनके परिवार के किसी सदस्य ने घटनास्थल पर नकदी रखी थी।दिल्ली हाईकोर्ट के पूर्व जज ने अब सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर जांच समिति की रिपोर्ट को अमान्य ठहराने और तत्कालीन चीफ जस्टिस संजीव खन्ना द्वारा उन्हें हटाने की सिफ़ारिश को रद्द करने की मांग की है। नियम कानून की बात करें तो भारतीय संविधान के अनुसार किसी भी जज पर महाभियोग चलाने के लिए कम से कम 100 लोकसभा सदस्यों या 50 राज्यसभा सदस्यों का समर्थन आवश्यक है।कानून मंत्री मेघवाल ने दोहराया कि यह प्रक्रिया पूरी तरह से विधायी प्रकृति की है। उन्होंने पुष्टि की कि कुछ सांसदों ने प्रस्ताव पेश करने में रुचि दिखाई है। अनुमान है कि 21 जुलाई से शुरू हो रहे संसद के आगामी मानसून सत्र में यह मामला तूल पकड़ने की संभावना है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि उनकी पार्टी के सांसद इस प्रस्ताव का समर्थन करेंगे।

5 हजार का...

लिए लैपटॉप, घर के लिए एसी हो या फिर कूलर... इन सभी चीजों को खरीदने और बेचने के लिए सबसे पहले अपने विभागाध्यक्ष या फिर सचिवालय के कर्मचारियों को सचिव सचिवालय प्रशासन से अनुमति लेनी पड़ेगी।इस आदेश को लेकर कर्मचारियों में नाराजगी है। उत्तराखंड एसटी-एससी एम्पलाइज फेडरेशन के अध्यक्ष करम राम का कहना है कि यह आदेश हास्यास्पद है। इस आदेश को सरकार को वापस लेना चाहिए। करम राम ने बताया कि आज के महंगाई के दौर में 10 तरह के टैक्स लगते हैं। बच्चों के लिए पत्नी के लिए जो भी सामान खरीदने जाएंगे तो वह 5 हजार से कम का नहीं आएगा।फेडरेशन के अध्यक्ष ने कहा कि अब बीवी के लिए अगर साड़ी लेनी हो तो उसके लिए भी क्या विभागाध्यक्ष से अनुमति लेनी होगी? बच्चों के लिए कपड़े हैं वह भी खरीदने के लिए क्या अनुमति लेनी होगी।उत्तराखंड एसटी एससी एम्पलाइज फेडरेशन के अध्यक्ष करम राम कहते हैं कि अगर यह आदेश राज्य के मुख्य सचिव ने जारी किया है इसलिए यह महत्वपूर्ण हो जाता है कि इस तरह का आदेश जारी करने से पहले कर्मचारी संगठनों या उनके प्रतिनिधियों से बातचीत करनी चाहिए थी। उनका मानना है कि कम से कम इसकी लिमिट 5 हजार रुपएनहीं होनी चाहिए इसकी लिमिट 1 लाख रुपएहोनी चाहिए।

कर्मचारियों का कहना है कि कर्मचारी आचरण नियमावली में अगर उनको प्लॉट या कोई वाहन खरीदना हो तो उसकी जानकारी और अनुमति वे पहले विभाग अध्यक्ष से लेते थे। लेकिन अब हर महीने 5000 से अधिक की जो भी चल संपत्ति खरीदने के लिए उनको अपने विभागाध्यक्ष से अनुमति लेनी पड़ेगी, इसके अलावा सरकारी कर्मचारियों को अपना साल भर का चल और अचल संपत्ति का हिसाब देना पड़ता था।सरकारी कर्मचारियों द्वारा चल, अचल तथा बहुमूल्य संपत्ति की खरीद-फरोख्त को लेकर वर्ष 2002 में बनाई गई राज्य कर्मचारियों की आचरण नियमावली को सख्ती से लागू करने के निर्देश दिए हैं। आचरण नियमावली के नियम 22 के अन्तर्गत कोई सरकारी कर्मचारी, सिवाय उस दशा के जब कि समुचित प्राधिकारी को इसकी पूर्व जानकारी हो, या तो स्वयं अपने नाम से या अपने परिवार के किसी सदस्य के नाम से, पट्टा, रेहन, क्रय, विक्रय या भेंट द्वारा या 'अन्यथा, न तो कोई अचल सम्पत्ति अर्जित करेगा और न उसे बेचेगा।

साल 2025 में 11 दिन जल्दी आएंगे रक्षाबंधन, नवरात्रि से लेकर दीपावली

साल 2026 में 20 दिन तक देरी से आएंगे तीज-त्यौहार

इस समय हम साल 2025 के जुलाई माह में हैं, जो वर्ष का 7 महीना होता है। जुलाई से कई मांगलिक कार्यों और त्योहारों का सिलसिला शुरू हो जाएगा, जैसे सावन, हरियाली तीज, रक्षाबंधन और जन्माष्टमी से लेकर दीपावली और छठ पूजा तक, जिनका इंतजार लोग पूरे वर्ष भर करते हैं। इस साल ये सभी त्योहार बेहद जल्दी आ रहे हैं। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि खास बात यह है कि इस साल सावन मास से लेकर रक्षाबंधन, जन्माष्टमी, गणेश चतुर्थी से लेकर नवरात्रि, दशहरा, दीपावली पिछले दो सालों की तुलना में 11 दिन तक जल्दी आएंगे। 9 अगस्त को रक्षाबंधन, 22 सितंबर से नवरात्रि, 2 अक्टूबर को दशहरा और 20 अक्टूबर को दीपावली का पर्व मनाया जाएगा। देवों के देव महादेव की आराधना और भक्ति का महीना सावन 11 जुलाई से शुरू हो गया है। सावन इस बार 30 दिनों का होगा, इसमें चार सावन सोमवार आएंगे। 4 मंगला गौरी के व्रत के अलावा, 2 प्रदोष, चतुर्दशी, हरियाली अमावस्या, हरियाली तीज, नागपंचमी, पूर्णिमा और रक्षाबंधन पर्व शामिल हैं।

देवशयनी एकादशी के बाद अब चार महीने तक लगातार तीज-त्योहार आएंगे। सावन के बाद जन्माष्टमी, गणेशचतुर्थी से लेकर नवरात्रि, दशहरा-दीपावली पिछले दो सालों की तुलना में 11 दिन

जल्दी आएंगे। ये त्योहार पूरे परिवार में उल्लास, एकता और आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार करते हैं। सावन मास के सोमवार शिव भक्ति में डुबो देते हैं, तो वहीं हरियाली तीज महिलाओं के लिए सौभाग्य, प्रेम और उत्सव का प्रतीक बनकर आती है। रक्षाबंधन भाई-बहन के रिश्ते को और मजबूत करता है, जबकि दीपावली में पूरा देश जगमगा उठता है। पिछले साल के मुकाबले यह सभी पर्व इस बार आपको जल्दी मनाने को मिलेंगे।

कैलेंडर सौरमास/सौर महीना पर आधारित यानी 365 दिनों का होता है, जबकि हमारे पंचांगों की

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

गणना चंद्रमास पर आधारित होती है और यह 354 दिनों का होता है। ऐसे में प्रतिवर्ष पड़ने वाले इन 11 दिनों के भेद को पूरा करने के लिए हर 3 साल में अधिकमास आता है। इससे पहले सावन अधिक मास वर्ष 2023 में पड़ा था और अब अगले साल यानी 2026 में फिर से ज्येष्ठ अधिक मास लगेगा, जिसका समय 17 मई 2026 से 15 जून 2026 तक रहेगा।

2026 में ज्येष्ठ अधिकमास

सावन 11 जुलाई से शुरू हो गया है। जबकि 9 अगस्त को रक्षाबंधन के साथ सावन का समापन होगा। वहीं 22 सितंबर से नवरात्रि, 2 अक्टूबर को दशहरा, 20 अक्टूबर को दीपावली का पर्व मनाया जाएगा। कैलेंडर सौरमास पर आधारित होता है, यानी 365 दिनों का होता है, जबकि हमारे पंचांगों की गणना चंद्रमास पर आधारित है। यह 354 दिनों का होता है। ऐसे में हर साल आने वाले 11 दिनों के अंतर को पूरा करने के लिए तीन साल में अधिकमास आता है। 2023 में सावन अधिकमास में आया था, अब अगले साल 2026 में ज्येष्ठ अधिकमास में आएगा।

निर्धारित तिथि पर ही आते हैं त्योहार

त्योहारों की गणना हिंदी पंचांग के हिसाब से की जाती है। जिसके लिए हिंदी का माह और तिथि निर्धारित है। हिंदी पंचांग के अनुसार इस तिथि पर यह त्योहार आते हैं लेकिन अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार आगे-पीछे इसलिए हो जाते हैं कि हिंदी कैलेंडर में हर तीसरे साल अधिक मास होता है। ऐसे में एक माह की अवधि बढ़ जाती है,इसलिए अंग्रेंजीकैंलेंडर की गणना के हिसाब से त्योहार आगे-पीछे होते हैं और उनका क्रम बदलता है।

सावन में त्योहार

14, 21 व 28 जुलाई और 4 अगस्त को सावन के सोमवार हैं, जबकि 15 जुलाई, 22 जुलाई, 29 जुलाई और 5 अगस्त को मंगला गौरी का व्रत होगा। इसी तरह 22 जुलाई को प्रदोष, 23 जुलाई को चतुर्दशी, 24 जुलाई हरियाली अमावस्या, 27 जुलाई हरियाली तीज, 29 जुलाई नागपंचमी, 6 अगस्त प्रदोष, 8 अगस्त व्रत की पूर्णिमा और 9 अगस्त को रक्षाबंधन पर्व है।

तिथियों का गणित

2025 में त्योहार

सावन की शुरुआत 11 जुलाई, रक्षाबंधन 9 अगस्त, जन्माष्टमी 16 अगस्त, गणेश चतुर्थी 27 अगस्त, शारदीय नवरात्रि शुरुआत 22 सितंबर, दशहरा 2 अक्टूबर, दीपावली 20 अक्टूबर, देवउठनी एकादशी 1 नवंबर रहेगे।

2024 में त्योहार

22 जुलाई से सावन माह, 19 अगस्त रक्षाबंधन, 26 अगस्त कृष्ण जन्माष्टमी, 7 सितंबर गणेश चतुर्थी, 3 अक्टूबर शारदीय नवरात्रि, 12 अक्टूबर विजयदशमी, 29 अक्टूबर धनतेरस, 31 अक्टूबर दीपावली, 12 नवंबर देवउठनी एकादशी थी।

2023 में त्योहार

30 अगस्त रक्षाबंधन, 7 सितंबर कृष्ण जन्माष्टमी, 19 सितंबर गणेश चतुर्थी, 15 अक्टूबर शारदीय नवरात्रि, 24 अक्टूबर विजयदशमी, , 10 नवबंर धनतेरस, 12 नवंबर दीपावली, 23 नवंबर देवउठनी एकादशी थी।

22 सितंबर से प्रारंभ होगी शारदीय नवरात्र

सनातन धर्म में शारदीय नवरात्र जगत जननी देवी मां दुर्गा को समर्पित है। यह पर्व हर साल आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से लेकर नवमी तिथि तक मनाया जाता है। इस दौरान जगत की देवी मां दुर्गा और उनके नौ रूपों की पूजा की जाती है। साथ ही नौ दिनों तक व्रत रखा जाता है।धार्मिक मत है कि देवी मां दुर्गा की पूजा एवं भक्ति करने से साधक की हर मनोकामना पूरी होती है। साथ ही घर में सुख, समृद्धि एवं खुशहाली आती है। शारदीय नवरात्र के दौरान देवी मां दुर्गा धरती पर निवास करती हैं।

वैदिक पंचांग के अनुसार, आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि की शुरुआत 22 सितंबर को देर रात 01 बजकर 23 मिनट पर होगी। वहीं, 23 सितंबर को देर रात 02 बजकर 55 मिनट पर प्रतिपदा समाप्त होगी।

सनातन धर्म में उदया तिथि मान है। इसके लिए सूर्योदय से तिथि की गणना की जाती है। इसके लिए शारदीय नवरात्र की शुरुआत 22 सितंबर से होगी। इसके बाद क्रमशः नौ दिनों तक देवी मां दुर्गा की पूजा की जाएगी। 02 अक्टूबर को दशहरा मनाया जाएगा।

शारदीय नवरात्र 2025 कैलेंडर

22 सितंबर के दिन मां शैलपुत्री की पूजा की जाएगी।
23 सितंबर के दिन मां ब्रह्मचारिणी की पूजा की जाएगी।
24 सितंबर के दिन मां चंद्रघंटा की पूजा की जाएगी।
26 सितंबर के दिन मां कूष्मांडा की पूजा की जाएगी।
27 सितंबर के दिन मां स्कंदमाता की पूजा की जाएगी।
28 सितंबर के दिन मां कात्यायनी की पूजा की जाएगी।
29 सितंबर के दिन मां कालरात्रि की पूजा की जाएगी।
30 सितंबर के दिन मां सिद्धिदात्री की पूजा की जाएगी।
01 अक्टूबर के दिन मां महागौरी की पूजा की जाएगी।
02 अक्टूबर के दिन विजयदशमी मनाई जाएगी।

शारदीय नवरात्रि 2025 घटस्थापना समय

आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि पर घटस्थापना मुहूर्त सुबह 06 बजकर 09 मिनट से लेकर सुबह 08 बजकर 06 मिनट तक है। वहीं, अभिजीत मुहूर्त सुबह 11 बजकर 49 मिनट से लेकर दोपहर 12 बजकर 38 मिनट तक है। इन दोनों समय पर साधक घटस्थापना कर देवी मां दुर्गा की पूजा कर सकते हैं।

21 को कामिका एकादशी व्रत रखा जाएगा

हिंदू धर्म में एकादशी का व्रत करने का खास महत्व होता है। इसे करने से व्यक्ति के जीवन के दुख दूर हो सकते हैं और मोक्ष की प्राप्ति होती है। वहीं, सावन में पड़ने वाली एकादशी का अधिक महत्व बताया गया है, जिसे कामिका एकादशी के नाम से जाना जाता है। सावन माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि के दिन कामिका एकादशी व्रत रखा जाता है।

हिंदू पंचांग के अनुसार, कामिका एकादशी तिथि का आरंभ 20 तारीख को दोपहर में 12 बजकर 14 मिनट से शुरू हो रहा है। लेकिन शास्त्रों के अनुसार, उदय तिथि में व्रत करने का विधान बताया गया है। ऐसे में अगले दिन यानी 21 तारीख, सोमवार को कामिका एकादशी व्रत रखा जाएगा। वहीं, द्वादशी तिथि 22 तारीख, मंगलवार को सुबह 7 बजकर 6 मिनट तक रहेगी। ऐसे में सुबह 7 बजे तक व्रत का पारण कर लेना सबसे उत्तम रहेगा। कामिका एकादशी का व्रत रखने से जातक को भगवान विष्णु का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

कामिका एकादशी व्रत पूजा विधि

इस व्रत को रखने से एक दिन पहले जातक को चावल का त्याग कर देना चाहिए और अलगे दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें। इसके बाद, साफ वस्त्रों का धारण करें। माना जाता है कि कामिका एकादशी के दिन किसी पवित्र नदी में स्नान करना सबसे उत्तम होता है। अगर ऐसा संभव न हो तो आप स्नान के पानी में थोड़ा सा गंगाजल मिलाकर नहा सकते हैं। इसके बाद, पूजा घर में पीले रंग का आसन

बिछाएं और उस पर भगवान विष्णुजी की तस्वीर या मूर्ति स्थापित करें। अब विधि-विधान से पूजा और आरती करें। साथ ही, कामिका एकादशी व्रत कथा का पाठ भी जरूर करें।

कामिका एकादशी व्रत नियम

एकादशी व्रत के एक दिन पहले से ही नियमों का ख्याल रखना जरूरी होता है। इसमें चावल का त्याग करना सबसे जरूरी होता है। दशमी तिथि से सात्विक भोजन करें और ब्रह्मचर्य का पालन करें। साथ ही, व्रत के दिन सुबह जल्दी उठना चाहिए और दिन में सोने से बचना चाहिए। कामिका एकादशी व्रत के दिन केवल फलाहार कर सकते हैं। विधि-विधान से व्रत करने से जातक को बेहद शुभ फल की प्राप्ति होती है। इस दिन भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा अवश्य करनी चाहिए। ऐसा करने से उनकी विशेष कृपा जातक पर बनी रहती है और जीवन में सुख-समृद्धि आने लगती है।

भगवान शिव क्यों धारण करते हैं बाघ छाल के वस्त्र? जानें पौराणिक कथा

भगवान शिव, जिन्हें महादेव, भोलेनाथ और शंकर जैसे अनेक नामों से जाना जाता है, हिंदू धर्म के प्रमुख देवताओं में से एक हैं। उनकी वेशभूषा और विशेषताएं हमेशा से भक्तों के लिए जिज्ञासा का विषय रही हैं। उनके मस्तक पर चंद्रमा, गले में सर्प, त्रिशूल और डमरू, और विशेष रूप से, उनके बाघ छाल के वस्त्र ये सभी उनके व्यक्तित्व और शक्ति को दर्शाते हैं। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि शिवजी बाघ की छाल ही क्यों पहनते हैं?

पौराणिक कथा के अनुसार

कथा के अनुसार, एक बार भगवान शिव दिगंबर रूप में, यानी वस्त्रहीन होकर भिक्षाटन करते हुए दारुकवन (कुछ मान्यताओं

के अनुसार देवदारु वन) से गुजर रहे थे। उस वन में कई ऋषि और मुनि अपनी पत्नियों के साथ निवास करते थे। जब ऋषियों की पत्नियों ने शिवजी के आकर्षक और तेजस्वी रूप को देखा, तो वे उन पर मोहित हो गईं। वे शिवजी के पीछे-पीछे चलने लगीं, जिससे वन में खलबली मच गई। ऋषियों ने जब यह देखा, तो वे अत्यंत क्रोधित हुए। उन्हें लगा कि यह व्यक्ति कोई मायावी है जो उनकी पत्नियों को भ्रमित कर रहा है।

ऋषियों ने मिलकर शिवजी को सबक सिखाने का निश्चय किया। उन्होंने अपनी तपस्या और मंत्रों की शक्ति से एक विशालकाय बाघ उत्पन्न किया और उसे शिवजी पर हमला करने का आदेश दिया। बाघ अत्यंत भयंकर था और उसने पूरी शक्ति से शिवजी पर हमला किया। लेकिन भगवान शिव तो महादेव हैं, वे तीनों लोकों के स्वामी हैं। उन्होंने उस बाघ को एक ही पल में अपने हाथों से पकड़ लिया और उसे मार डाला। इतना ही नहीं, उन्होंने उस बाघ की खाल को उतारकर उसे अपने शरीर पर धारण कर लिया। इस प्रकार, शिवजी ने ऋषियों के घमंड और अज्ञानता को नष्ट किया और उन्हें अपनी वास्तविक पहचान को सामने लाए।

बाघ छाल धारण करने का महत्व

अहंकार और वासना पर विजय: बाघ शक्ति, क्रूरता और वासना का प्रतीक है। शिवजी द्वारा बाघ को मारना और उसकी खाल को धारण करना इस बात का प्रतीक है कि उन्होंने अहंकार, मोह, वासना और सभी प्रकार की भौतिक इच्छाओं पर पूर्ण विजय प्राप्त कर ली है। वे इन सांसारिक बंधनों से पूरी तरह मुक्त हैं।

शक्ति और नियंत्रण: बाघ एक शक्तिशाली और हिंसक जानवर है। उसकी खाल को धारण करके शिवजी यह दर्शाते हैं कि वे सर्वोच्च शक्ति और नियंत्रण के स्वामी हैं। वे सृष्टि के सभी प्राणियों और शक्तियों को नियंत्रित कर सकते हैं।

निर्भयता और वैराग्य: शिवजी का बाघ छाल पहनना उनकी निर्भयता और वैराग्य को दर्शाता है। वे किसी भी भौतिक वस्तु या भय से प्रभावित नहीं होते। वे संसार से अलग होकर अपनी आध्यात्मिक यात्रा पर केंद्रित रहते हैं।

दिगंबर रूप का अर्थ: शिवजी का दिगंबर रूप यह दर्शाता है कि वे पंचभूतों (पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश) से परे हैं। वे किसी भी बंधन में नहीं बंधे हैं और ब्रह्मांड के सभी गुणों और दोषों से ऊपर हैं।

अज्ञान पर ज्ञान की विजय: ऋषियों का बाघ उत्पन्न करना उनके अज्ञान और गलत धारणा का प्रतीक था। शिवजी द्वारा बाघ को परास्त करना अज्ञान पर ज्ञान की विजय को दर्शाता है। वे सर्वोच्च ज्ञान के दाता हैं।

इस प्रकार, भगवान शिव का बाघ छाल धारण करना केवल एक वस्त्र नहीं, बल्कि उनके गहन दर्शन, शक्ति, वैराग्य और संसार पर विजय का एक शक्तिशाली प्रतीक है। यह हमें सिखाता है कि वास्तविक शक्ति भौतिक सुखों में नहीं, बल्कि मन और इंद्रियों पर नियंत्रण प्राप्त करने में होती है।

सावन में एक महीना सात्विक खाना खाने से क्या होता है, व्रत में न करें ये गलतियां

सावन का महीना आते ही हर तरफ हरियाली, भगवान शिव की पूजा और सात्विकता का माहौल नजर आता है। धार्मिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण माने जाने वाले इस महीने में लोग व्रत रखते हैं, शिवालयों में जल चढ़ाते हैं और खान-पान में खास सावधानी बरतते हैं। सावन के व्रत में सात्विक खाना खाया जाता है। यानी ऐसा खाना जिसमें न तो लहसुन-प्याज होता है।

ऐसा माना जाता है कि पूरे सावन महीने सात्विक भोजन करने से न सिर्फ शरीर शुद्ध होता है बल्कि मन और आत्मा भी शांत रहते हैं। लेकिन व्रत करते समय कई लोग कुछ सामान्य और गंभीर गलतियां कर बैठते हैं, जिससे सेहत पर इसका उल्टा असर पड़ सकता है। ऐसे में ये जानना जरूरी हो जाता है कि आखिर सावन में सात्विक भोजन करने के क्या फायदे हैं और व्रत के दौरान किन गलतियों से बचना चाहिए।

सावन में जो लोग व्रत या उपवास करते हैं वो लहसून-प्याज का सेवन नहीं करते हैं। वो लोग ज्यादातर फलहार करते हैं। फल से हमारे शरीर को पूरा न्यूट्रिशन मिलता है और शरीर डिटॉक्स हो जाता है। इससे शरीर को पूरा पोषण मिलता है और जो वेस्ट मैटेरियल शरीर में होता है वो डिटॉक्स हो जाता है। इससे शरीर में सारे विटामिन्स और मिनरल्स की पूर्ति होती है । साथ ही शरीर काफी हल्का महसूस करता है। इसके सबसे बड़ा फायदा है कि इससे गैस और कब्ज की शिकायत भी दूर होती है। सात्विक भोजन करने से स्किन पर भी कई बदलाव देखने को मिलते हैं। जैसे इससे मुहांसे कम होने लगते हैं। स्किन साफ और क्लीयर होती है। इसके साथ ही इससे आत्मविकास बढ़ता है और मानसिक शांति मिलती है।

व्रत में क्यों खाया जाता है कुट्टू और सिंघाडे का आटा?

आयुर्वेद एक्सपर्ट किरण गुप्ता जी बताती हैं कि, कुट्टू में एंड्रोजन नाम का एक तत्व होता है जो हमारे हार्मोन को बैलेंस करता है। वहीं, सिंघाड़ा के आटा थाईरॉक्साइड का निर्माण करने में मदद करता है। ये दोनों ही आटे ग्लूटेन फ्री होते हैं, जो सेहत के लिए फायदेमंद है। इसके अलावा सांवा भी व्रत में खाने वाला अच्छा भोजन है, जो बहुत हल्का होता है। जब इसमें लौकी जैसी सब्जियां डालकर दलिया के रूम में बनाया जाता है तो ये और भी पोष्टिक हो जाता है। इसे खाने से हमारा शरीर डिटॉक्स होता है। साथ ही कब्ज जैसी शिकायत भी दूर होती है। तो ये सब खाने से शरीर हल्की भी फील करता है और शरीर को सभी जरूरी पोषक तत्व भी मिल जाते हैं।

क्या सात्विक भोजन से वजन कम हो सकता है?

किरण गुप्ता जी कहती हैं कि, सात्विक भोजन करने से वजन कम हो सकता है। लेकिन तब जब आप इसमें घी का कम से कम इस्तेमाल करें। क्योंकि कई लोग व्रत के खाने में खूब सारा घी डालकर खाते हैं , जिससे वजन घटने के बजाए और बढ़ सकता है। वहीं, अगर आप व्रत में एक टाइम खाना खान रहे हैं और बाकी समय पर फलहार कर रहे हैं तो वजन कम हो सकता है।

व्रत में न करें ये गलतियां

एक्सपर्ट के मुताबिक, व्रत के समय हमे कई गलतियां हैं जिन्हें करने से बचना चाहिए। जैसे कुछ लोग व्रत में होते हुए भी दिन में कई बार खाना खा लेते हैं। या बहुत ज्यादा खा लेते हैं। ओवरइंटिंग की वजह से पेट में गैस बनना और पेट फूलने से समस्या हो सकती है। इसलिए व्रत में उतना ही खाएं जितनी आपकी खुराक हो। बहुत ज्यादा तला भूना और मसालेदार खाना खाने से बचें। इससे पेट और लीवर को नुकसान पहुंच सकता है। इसलिए व्रत के समय इन गलतियों से बचें वरना सेहत को लाभ होने के बजाए नुकसान पहुंच सकता है।

हर किरदार कुछ नया सबक देता है, इन दिनों मैं कार चलाना सीख रही हूं : कनिका मान

अभिनेत्री कनिका मान अपनी अपकमिंग फिल्म के लिए कार चलाना सीख रही हैं। अनटाइटल्ड फिल्म को लेकर उत्साहित कनिका का मानना है कि हर किरदार कुछ नया सिखाता है। फिल्म में उनके किरदार के लिए सड़क पर कुछ महत्वपूर्ण सीन्स की शूटिंग करनी है।

कनिका ने कहा, मेरा हमेशा से मानना है कि हर किरदार आपको कुछ नया सिखाता है। इस बार यह कार चलाना है!उन्होंने आगे बताया, कभी-कभी यह डरावना लगता है, लेकिन गाड़ी चलाना और यह जानना कि मैं यह अपनी फिल्म के लिए सीख रही हूं, जो मेरे दिल के बहुत करीब है, बेहद रोमांचक है।

मुंबई की व्यस्त सड़कों और बारिश के बावजूद कनिका नियमित रूप से ड्राइविंग सीख रही हैं। उनकी लगन और उत्साह उनके किरदार के प्रति समर्पण को दिखाते हैं।कनिका को टीवी धारावाहिक 'गुड्डन तुमसे ना हो पाएगा' में गुड्डन जिंदल और गुड्डन बिड़ला के दोहरे किरदार के लिए जाना जाता है। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत एक मॉडल के रूप में की और कई पंजाबी म्यूजिक वीडियो में नजर आईं। साल 2017 में उन्होंने पंजाबी फिल्म 'रॉकी मेंटल' से शुरुआत की थी, जिसमें उनके साथ अभिनेता धीरज कुमार मुख्य किरदार में थे। साल 2018 में कनिका ने कन्नड़ फिल्म 'बृहस्पति' से डेब्यू किया और उसी साल पंजाबी फिल्म 'दाना पानी' में माघी का किरदार निभाया। टीवी पर उनकी शुरुआत 'बढ़ो बहू' से हुई, जहां वह प्रिंस नरूला के साथ 'तितली' के किरदार में नजर आई थीं। साल 2018 से 2020 तक वह 'गुड्डन तुमसे ना हो पाएगा' में निशांत सिंह मल्कानी के साथ दिखीं। कनिका साल 2021 में पंजाबी फिल्म 'अमेरिका माय ड्रीम' में दिखीं। 2022 में कनिका ने वेब सीरीज 'रूहानियत' से डिजिटल डेब्यू किया, जिसमें उनके साथ अभिनेता अर्जुन बिजलानी मुख्य भूमिका में थे। उसी साल वह रोहित शेट्टी के स्टंट बेस्ट शो 'खतरों के खिलाड़ी' के 12वें सीजन में दिखीं। कनिका, हाल ही में वह पंजाबी फिल्म 'जॉम्बीलैंड' में नजर आईं, जिसमें उनके साथ बिन्नू ढिल्लों, अंगीरा धर, जी खान गुरी, धनवीर सिंह और जस्सा ढिल्लों भी हैं। यह फिल्म भारत की पहली पंजाबी जॉम्बी कॉमेडी (जॉम-कॉम) के रूप में चर्चित है, जिसे लेखक-निर्देशक थापर ने बनाया।

सोहा अली खान का अनोखा कुक अवतार, भोजन बनाते हुए आईं नजर!

शाही परिवार से ताल्लुक रखने वाली एक्ट्रेस सोहा अली खान ने एक से बढ़कर एक फिल्में की हैं, उनके फैंस एक्ट्रेस से जुड़े सभी अपडेट्स का बेसब्री से इंतजार करते हैं। इस कड़ी में सोहा ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें वह खाना बनाती नजर आ रही हैं। अभिनेत्री सोहा अली खान ने अपनी एक्टिंग के दम पर दर्शकों के बीच एक अलग पहचान बनाई है। हालांकि वह अब बड़े पर्दे पर कम नजर आती हैं, लेकिन वह अपने फैंस से जुड़े रहने के लिए इंस्टाग्राम पर काफी सक्रिय रहती हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें शेयर की, जिसमें वह लाइट पिंक कलर का सिंपल सूट पहनकर खाना बनाती नजर आ रही हैं। तस्वीरें शेयर कर सोहा ने कैप्शन में लिखा, हां, ये मैं ही हूं, जो खाना बना रही है, कोई एआई नहीं।

'छोरी 2' के प्रचार के दौरान आईएएनएस के साथ खास बातचीत में सोहा अली खान ने बताया था कि उन्हें खाना बनाने में कोई दिलचस्पी नहीं है। उन्होंने कहा, रसोई की जिम्मेदारी उनके पति कुणाल खेमू संभालते हैं। सोहा ने मजाकिया अंदाज में यह भी बताया कि सोशल मीडिया पर जो तस्वीरें साझा की जाती हैं, उनमें वह अक्सर खाना बनाने का सिर्फ नाटक करती हैं।

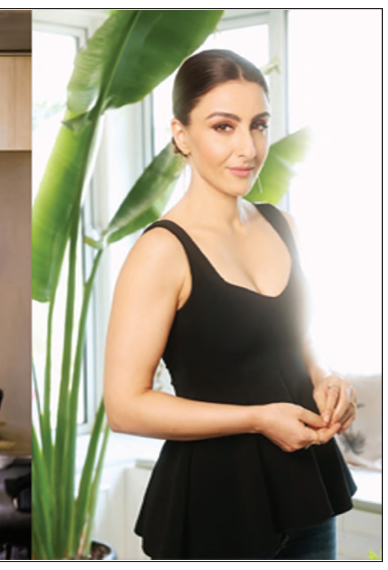

अभिनेत्री ने बताया कि उनकी बेटी इनाया उनसे ज्यादा रसोई में निपुण है और बहुत अच्छी रोटियां बनाती है। 'तुम मिले' की अभिनेत्री ने कहा, मुझे असल में कुछ भी बनाना नहीं आता। मैं बस खाना बनाते वक्त कुणाल को देखती रहती हूं, और कुछ करने का नाटक करती रहती हूं। पूछती रहती हूं, 'यह नमक है या चीनी? बताओ।'

उन्होंने आगे कहा, हमारे परिवार में कुणाल रसोइया है। इनाया मुझसे ज्यादा अच्छा खाना बना सकती है। वह बहुत अच्छी रोटियां बनाती है।

वर्कफ्रंट की बात करें, तो अभिनेत्री को आखिरी बार स्क्रीन पर हॉरर फिल्म 'छोरी 2' में देखा गया था, जिसमें उन्होंने एक दासी की भूमिका निभाई थी। फिल्म में उनके साथ अभिनेत्री नुसरत भरुचा भी थी। फिल्म 2021 की 'छोरी' का सीक्वल है। फिल्म में नुसरत भरूचा साक्षी के किरदार में हैं, जो अपने पति और ससुराल वालों से खुद की और अपनी बेटी ईशानी की जान बचाकर भागी थी। उसकी बेटी को सूरज की रोशनी से एलर्जी है, जिसकी वजह से उसे स्कूल जाने के लिए भी अपने पूरे शरीर को कपड़े से ढंकना पड़ता है।

कहानी में तब दिलचस्प मोड़ आता है, जब ईशानी एक रात घर से गायब हो जाती है, जिसके बाद उसे ढूंढने के लिए साक्षी का साथ पुलिस ऑफिसर देते हैं। फिल्म में गश्मीर महाजनी ने पुलिस ऑफिसर का किरदार निभाया था। 'छोरी 2' का निर्देशन विशाल फुरिया ने किया है।

एपी संग काम करने का अनुभव काफी शानदार रहा: तारा सुतारिया

एपी ढिल्लन ने गायिका श्रेया घोषाल और अभिनेत्री तारा सुतारिया के साथ मिलकर गाना 'थोड़ी सी दारू तैयार किया है। तारा ने बताया है, कि को-एक्टर के साथ काम करने का अनुभव बेहद खास रहा है।तारा ने बताया, जब मैंने पहली बार यह गाना सुना था, तो मैं इसकी दीवानी हो गई थी। यह एक मजेदार गाना है और एपी के रिकॉर्ड में मैंने जो पहले सुना था, उससे बिल्कुल अलग है।

उन्होंने आगे कहा, एपी के साथ शूट काफी मजेदार था, शूट का माहौल काफी हल्का और खुशनुमा था। हमने शूटिंग के दौरान खूब मस्ती की, जिस वजह से शूटिंग काफी अच्छी तरह से हो गई।

अभिनेत्री ने गायिका श्रेया घोषाल की भी तारीफ करते हुए कहा, इस साल फिर से श्रेया मैम की आवाज पर एक्ट करना मेरे लिए बहुत खुशी और सम्मान की बात है। उनकी आवाज ने इस गाने को और भी निखार दिया है। मुझे उम्मीद है कि फैंस इसे उतना ही पसंद करेंगे, जितनी हमने इसे बनाने में मेहनत की है।गाने के बारे में एपी ढिल्लन ने कहा, मैं हमेशा से नए तरह के संगीत और वाइब्स के साथ काम करना पसंद करता हूं और इस गाने में श्रेया घोषाल के साथ काम करना मेरे लिए सम्मान की बात थी। उनकी आवाज ने गाने को और मधुर बना दिया है, वहीं गाने में तारा ने गाने में और भी आकर्षण भर दिया।

ढिल्लन ने कहा, वह उस माहौल को समझ गईं, जिसे हम दर्शकों को दिखाना चाहते थे, जिसके बाद आसानी से वह कहानी का अहम हिस्सा बन गईं। गायिका श्रेया घोषाल ने गाने में अपनी आवाज दी है। वहीं, गाने के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, जब उन्होंने यह गाना पहली बार सुना, तो वह इस गाने में काम करने के लिए उत्साहित हो गईं। उन्होंने आगे कहा, एपी दिल से गाते हैं, और इसी वजह से यह गाना और भी बेहतरीन बन गया। स्टूडियो में हमारी कैमिस्ट्री काफी अच्छी थी, मुझे उम्मीद है कि दर्शक भी इस गाने से जुड़ाव महसूस करेंगे।

रुद्र शक्ति शिव-पार्वती की कहानी, परंपरा आधुनिकता दोनों का मेल : अक्षरा सिंह

भोजपुरी सिनेमा की जब बात होती है तो अक्षरा सिंह का नाम सबसे पहले जुबां पर आता है। अपनी दमदार अदाकारी और खूबसूरत आवाज से उन्होंने करोड़ों दिलों में खास जगह बनाई है। इन दिनों वह अपनी आने वाली फिल्म 'रुद्र शक्ति' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस फिल्म में वह एक्टर विक्रांत सिंह के साथ नजर आएंगी। फिलहाल, अक्षरा फिल्म के प्रमोशन में जुटी हुई हैं और इसी कड़ी में गुरुवार को पटना पहुंचीं। उन्होंने आईएएनएस से खास बातचीत की और फिल्म को लेकर कई अहम बातें बताईं।

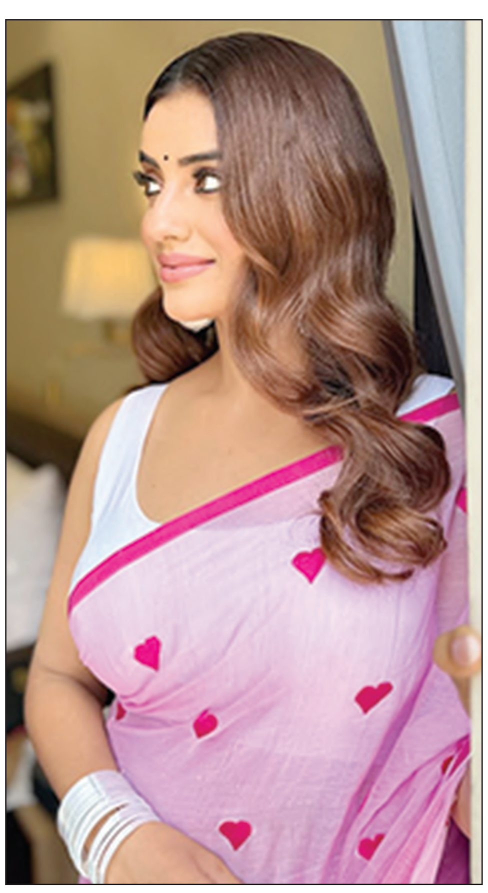

आईएएनएस से बात करते हुए अक्षरा ने बताया कि निर्देशक निशांत एस. शेखर और निर्माता सीबी सिंह ने फिल्म को एक अलग सोच के साथ बनाया है। फिल्म की कहानी शिव-पार्वती की पौराणिक और आध्यात्मिकता पर आधारित है। हम सब ने मिलकर बहुत ही अलग किस्म के कॉन्सेप्ट पर काम किया है। यह कहानी परंपरा और आधुनिकता दोनों का मेल है। उम्मीद करती हूं कि लोगों को यह पसंद आएगी।

एक्ट्रेस ने बताया कि फिल्म की शूटिंग काशी में बाबा विश्वनाथ के आशीर्वाद से शुरू हुई और वहीं इसका समापन हुआ। इस अनुभव को उन्होंने 'अद्भुत सफर' बताया।

आईएएनएस से बात करते हुए अक्षरा भोजपुरी सिनेमा पर लगने वाले आरोपों पर भी खुलकर बोलीं। उन्होंने कहा कि भोजपुरी फिल्में अब सिर्फ अश्लीलता नहीं, आध्यात्मिकता और सिनेमा का मेल भी हैं।

अक्षरा ने कहा, जब भी मैं पटना आती हूं, तो यहां की जनता मुझसे सवाल करती है कि भोजपुरी फिल्म कैसी होती है। लोग कहते हैं कि भोजपुरी फिल्में अश्लील होती हैं, लेकिन जब आप कुछ नया और अच्छा देंगे तभी धारणा बदलेगी। मैं बस यही कहना चाहती हूं कि अब एक ऐसी फिल्म आई है, जिसे आप पूरे परिवार के साथ बड़े चाव से देख सकते हैं। 'रुद्र शक्ति' आपको आध्यात्मिकता से जोड़ेगी और सिनेमा का असली स्वाद भी देगी। यह एक संपूर्ण सिनेमा है। आप जरूर देखें और अपना अपार प्यार दें।

बिभूति एंटरटेनमेंट के बैनर तले तैयार फिल्म 'रुद्र शक्ति' की कहानी मनमोहन तिवारी ने लिखी है। दिलचस्प बात यह है कि वह इस फिल्म में बतौर एक्टर भी नजर आएंगे। फिल्म का म्यूजिक ओम झा ने तैयार किया है और गानों को राकेश निराला और प्यारेलाल यादव ने लिखा है।

सेल्फ केयर सिर्फ ग्लैमर नहीं, एक तरह का अनुशासन है : रकुल प्रीत

बॉलीवुड अभिनेत्री रकुल प्रीत अपनी फिल्मों और खूबसूरती के लिए जानी जाती हैं। वह पॉजीटिव सोच और हेल्दी लाइफस्टाइल के लिए भी चर्चाओं में बनी रहती हैं। उन्होंने बुधवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए योग के महत्व पर प्रकाश डाला।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट करके बताया कि कैसे योग उन्हें भावनात्मक, मानसिक और शारीरिक रूप से संतुलित रखने में मदद करता है। उन्होंने सेल्फकेयर का सही मतलब भी समझाया और इस बात पर जोर दिया कि यह हमेशा ग्लैमरस नहीं होता, यह एक तरह का अनुशासन है, जिसमें थोड़ी सी सहजता भी शामिल है।

रकुल ने इंस्टाग्राम पर दो तस्वीरें साझा कीं, जिनमें वह 'हेड स्टैंड' करती नजर आ रही हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, हम अक्सर सेल्फ-लव और सेल्फ-केयर जैसे शब्द सुनते हैं, लेकिन इनका असली मतलब क्या है? सेल्फ-केयर हमेशा ग्लैमरस नहीं होता, बल्कि यह एक तरह का अनुशासन है। मेरे लिए, यह भावनात्मक, शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को संतुलित करने के लिए एकमात्र सहारा है।

अभिनेत्री अक्सर इंस्टाग्राम पर तस्वीरें साझा करती रहती हैं। इससे पहले उन्होंने विश्व योग दिवस के मौके पर पति जैकी भगनानी के साथ योग करते हुए कुछ वीडियो और तस्वीरें पोस्ट की थीं।

वर्क फ्रंट की बात करें तो अभिनेत्री रोमांटिक कॉमेडी 'दे दे प्यार दे- 2' में फिर दिखाई देंगी, जो 2019 की बॉक्स ऑफिस हिट का सीक्वल है।

फिल्म में उनके साथ अजय देवगन भी अपने किरदार आशीष मेहरा को दोहराएंगे। निर्देशक अंशुल शर्मा द्वारा निर्देशित इस सीक्वल में तब्बू, जिमी शेरगिल, आलोक नाथ और इनायत सूद जैसे जाने-पहचाने चेहरे वापस आ रहे हैं। इसके अलावा, तमन्ना भाटिया और प्रकाश राज विशेष कैमियो भूमिकाओं में नजर आएंगे। दे दे प्यार दे 2 14 नवंबर को रिलीज होगी।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपने जीवनसाथी के साथ धन से जुड़े किसी मामले को लेकर आज आपका झगड़ा हो सकता है। हालांकि अपने शांत स्वभाव से आप सबकुछ ठीक कर देंगे। परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों को तरजीह दें। उनके सुख–दुःख के भागीदार बनें, ताकि उन्हें महसूस हो कि आप वाक़ई उनका ख़याल रखते हैं। एकतरफ़ा लगाव आपके लिए सिर्फ दिल तोड़ने का काम करेगा। ऐसे बदलाव लाएँ जो आपके रूप–रंग में निखार ला सके और संभावित साथियों को आपकी ओर आकर्षित करे। आपके जीवनसाथी की मांगें तनाव का कारण बन सकती हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज बिना किसी की सलाह लिये बिना आज आपको पैसा कहीं भी इनवेस्ट नहीं करना चाहिए। घरेलू ज़िंदगी सुकूनभरी और ख़ुशनुमा रहेगी। यात्रा के चलते रुमानी संबंध को बढ़ावा मिलेगा। अगर आप अपनी चीज़ों का ध्यान नहीं रखेंगे, तो उनके खोने या चोरी होने की संभावना है। आप अपने जीवनसाथी के प्यार की मदद से ज़िन्दगी की मुश्किलों का आसानी से सामना कर सकते हैं। आपके घर का कोई सदस्य आज आपसे प्यार से जुड़ी कोई समस्या शेयर कर सकता है। आप–को उन्हें उचित सलाह देनी चाहिए।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आपको आर्थिक फ़ायदा होगा। पुरखों की जायदाद की ख़बर पूरे परिवार के लिए ख़ुशी ला सकती है। खाली समय में आप कोई खेल आज के दिन खेल सकते हैं लेकिन इस दौरान किसी तरह की दूर्घटना होने की भी संभावना है इसलिए संभलकर रहें। मुमकिन है कि आज आपका जीवनसाथी ख़ूबसूरत शब्दों में यह बताए कि आप उनके लिए कितने क़ीमती हैं। जिन्दगी आपके अनुसार तभी चल सकती है जब आप सही विचार और सही लोगों की संगति में रहें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

दोस्तों को अपने उदार स्वभाव का ग़लत फ़ायदा न उठाने दें। थोड़े बहुत टकराव के बावजूद भी आज आपका प्रेम जीवन अच्छा रहेगा और आप अपने संगी को खुश रखने में कामयाब होंगे। जो भी आपसे मिले, उसके साथ विनम्र और सुखद व्यवहार करें। बहुत कम लोग ही आपके इस आकर्षण का राज़ जान पाएंगे। कुछ लोग सोचते हैं कि वैवाहिक जीवन ज़्यादातर झगड़ों और सेक्स के इर्द–गिर्द ही घूमता है, लेकिन आज आपके सब कुछ शान्त रहने वाला है। धन को इतनी अहमियत न दें कि आपके रिश्ते ही खराब हो जाएँ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

इस राशि के कुछ लोगों को आज जमीन से जुड़े किसी मुद्दे को लेकर धन खर्च करना पड़ सकता है। गृह–प्रवेश के लिए शुभ दिन है। ज़िन्दगी की हक़ीक़त का सामना करने के लिए आपको अपने प्रिय को कम–से–कम कुछ वक़्त के लिए भूलना पड़ेगा। दूसरों की राय को ग़ौर से सुनें– अगर आप आज वाक़ई फ़ायदा चाहते हैं तो। आपका जीवनसाथी आपकी ज़रूरतों को अनदेखा कर सकता है, जिसके चलते आप चिड़चिड़े हो सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

किसी करीबी दोस्त की मदद से आज कुछ करोबारियों को अच्छा–खासा धन लाभ होने की संभावना है। यह धन आपकी कई परेशानियों को दूर कर सकता है। परिवार के लिए किसी अच्छे और ऊँचे लक्ष्य को हासिल करने के नज़रिए से समझ–बूझकर थोड़ा ख़तरा उठाया जा सकता है। चूके मौक़ों की वजह से डरें नहीं। आपकी बातें घरवालों को परेशान कर सकती हैं लेकिन इन बातों का हल अवश्य निकलेगा। आपको महसूस होगा कि आपका जीवनसाथी इससे बेहतर पहले कभी नहीं हुआ। सेहत के लिहाज़ से दौड़ लगाना आपके लिए फ़ायदेमंद रहेगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

दिन की शुरुआत भले ही अच्छी हो लेकिन शाम के वक़्त किसी वजह से आपका धन खर्च हो सकता है जिससे आप परेशान होंगे। आपके माता–पिता की सेहत चिंता और घबराहट का कारण बन सकती है। आज आप हर तरफ़ प्यार–ही–प्यार फैलाएंगे। बातचीत में कुशलता आज आपका मज़बूत पक्ष साबित होगी। थोड़ी–सी कोशिश करें तो यह दिन आपके वैवाहिक जीवन के सबसे विशेष दिनों में से एक हो सकता है। आज आप किसी दोस्त या करीबी रिश्तेदार से अपने दिल के गम साझा कर सकते हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

बिना विचार किये आपको किसी को भी अपना पैसा नहीं देना चाहिए नहीं तो आपको आने वाले वक़्त में बड़ी परेशानी है सकती है। यह परिवार में दबदबा बनाए रखने की अपनी आदतों को छोड़ने का वक़्त है। ज़िंदगी के उतार–चढ़ाव में उनके कंधे से कंधा मिला–कर साथ दें। आपका बदला हुआ बर्ताव उनके लिए ख़ुशी का सबब साबित होगा। अगर आप वैवाहिक तौर पर लंबे समय से कुछ नाख़ुश हैं, तो आज के दिन आप हालात बेहतर होते हुए महसूस कर सकते हैं। शांति का वास आपके दिल में रहेगा और इसीलिए आप घर में भी अच्छा माहौल बना पाने में कामयाब होंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

ख़ुद को सेहतमंद और दुरुस्त रखने के लिए वसायुक्त और तली–भुनी चीज़ों से दूर रहें। आज यदि आप अपने दोस्तों के साथ कहीं घूमने जा रहे हैं तो पैसा सोच समझकर खर्च करें। धन हानि हो सकती है। जितना आपने सोचा था, आपका भाई उससे ज़्यादा मददगार साबित होगा। आज आप बच्चों के साथ बच्चों के जैसा ही व्यवहार करेंगे जिससे आपके बच्चे सारे दिन आपसे चिपके रहेंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज नवयुवकों को स्कूल प्रोजेक्ट की बाबत कुछ राय लेने की ज़रूरत हो सकती है। घर में परेशानियाँ पैदा हो सकती हैं– लेकिन अपने साथी को छोटी–छोटी बातों के लिए ताने देने से बचें। आज काफ़ी दिमागी कसरत मुमकिन है। आपमें से कुछ भविष्य की योजनाओं पर गहराई से सोच सकते हैं। अकेलापन कई बार काफ़ी दि–क़्क़त भरा हो सकता है, ख़ास तौर से उन दिनों में जब कि आपके पास ज़्यादा कुछ करने के लिए न हो। इससे छुटकारा पाने की कोशिश करें और अपने दोस्तों के साथ थोड़ा समय व्यतीत करें।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

जो लोग अब तक पैसे को बिना सोचे विचारे उड़ा रहे थे उन्हें आज पैसे की बहुत आवश्यकता पड़ सकती है और आज आपको समझ में आ सकता है कि पैसे की जीवन में क्या अहमियत है। आपको अपने रोज़मर्रा के कामों से छुट्टी लेकर आज दोस्तों के साथ घूमने का कार्यक्रम बनाना चाहिए। खेलकूद जीवन का जरुरी हिस्सा है लेकिन खेलकूद में इतने भी व्यस्त न हो जाएं कि आपकी पढ़ाई में कमी आ जाए। अपने प्रिय के साथ पर्याप्त समय बिताने की संभा–वना है। ऐसा हो भी क्यों न, ऐसे पल ही तो किसी संबंध को प्रगाढ़ बनाते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपनी शारीरिक सेहत सुधारने के लिए संतुलित आहर लें आज के दिन आप ऊर्जा से लबरेज़ रहेंगे और मुमकिन है कि अचानक अनदेखा मुनाफ़ा भी मिले। आपको अपनी भावनाओं को नियन्त्रित करने में कठिनाई होगी, लेकिन आस–पास के लोगों से झगड़ा न करें नहीं तो आप अकेले रह जाएंगे। याद रखिए कि आँखें कभी झूठ नहीं बोलतीं। आपका अपने जीवनसाथी के साथ तनावपूर्ण संबंध रह सकता है। जहां तक सम्भव हो बात को बढ़ने न दें। अपने साथी के लिए कोई बेहतरीन पकवान बनाना आपके फीके पड़े रिश्तों में गर्मजोशी भर सकता है।

शनिवार का पंचांग

दिनांक : 19 जुलाई 2025 , शनिवार
विक्रम संवत : 2082
मास : श्रावण ,कृष्ण पक्ष
तिथि : नवमी दोपहर 02:44 तक
नक्षत्र : भरणी रात्रि 12:38 तक
योग : शूल रात्रि 12:54 तक
करण : गर दोपहर 02:44 तक
चन्द्रराशि : मेष
सूर्योदय : 05:51, सूर्यास्त 06:53 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:02 , सूर्यास्त 06:49 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:53 , सूर्यास्त 06:43 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:44 ,सूर्यास्त 06:43 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : पुष्य में रवि , भद्रा रात्रि 01:29 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, तेलंगाना.9246159232,
Chidamber011@gmail.com

गैस आधारित अर्थव्यवस्था की ओर राजस्थान का बड़ा कदम

कैबिनेट बैठक में सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन नीति–2025 को मिली मंजूरी

जयपुर, 18 जुलाई (एजेंसियां)। ऊर्जा, स्वास्थ्य, शिक्षा, चिकित्सा, पानी, सड़क सहित कई क्षेत्रों में राजस्थान को अग्रणी बनाने के लिए राज्य सरकार ने अभूतपूर्व निर्णय किए हैं। इन निर्णयों का उद्देश्य आमजन को बुनियादी सुविधाओं एवं सेवाओं का लाभ निर्बाध रूप से सुनिश्चित करते हुए प्रदेश को वर्ष 2030 तक 350 बिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाना है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में सोमवार को आयोजित मंत्रिमंडल की बैठक ने प्रदेश में गैस आधारित अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए राजस्थान सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) नीति, 2025 का अनुमोदन किया है।

इस नीति से प्रदेशभर में सुविधाजनक, विश्वसनीय, पर्यावरण–अनुकूल और लागत–प्रभावी ईंधन आपूर्ति को गति मिलेगी। उपभोक्ताओं को सुरक्षित गैस आपूर्ति भी सुनिश्चित हो सकेगी। घरेलू उपभोक्ताओं, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और उद्योगों को पाइप्ड प्राकृतिक गैस (पीएनजी) उपलब्ध कराने के साथ ही वाहनों के लिए संपीड़ित प्राकृतिक गैस (सीएनजी) को प्रोत्साहन देने के क्रम में यह नीति मील का पत्थर साबित होगी। वहीं, सीएनजी के विस्तार से आमजन की हरित ईंधन तक पहुंच होगी और इससे कार्बन उत्सर्जन घटेगा।

इस नीति में सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन के क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने के कई महत्वपूर्ण प्रावधान किए गए हैं जिससे पीएनजी एवं सीएनजी नेटवर्क का छोटे शहरों और नगरों में तेजी से विस्तार हो सकेगा। इससे शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। साथ ही, पाइपलाइन निर्माण से लेकर गैस आपूर्ति तक कई स्तरों पर रोजगार सृजन में वृद्धि होना अपेक्षित है, जिससे गैस आधारित उद्योगों पर निर्भर औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र भी मज़बूत होगा। इस प्रकार यह नीति स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी गति देगी। यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जो गैस आधारित अर्थव्यवस्था का संकल्प लिया है उसे साकार करने में यह नीति अहम भूमिका निभाएगी।प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना से लाखों महिलाओं के जीवन में उल्लेखनीय सुधार आया है। उन्हें धुएं से भरी रसोई से निजात मिली है और उनके स्वास्थ्य में सुधार हुआ है। राजस्थान सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) नीति, 2025 भी सीएनजी की आमजन तक सुलभ पहुंच सुनिश्चित करते हुए निरामय राजस्थान के लक्ष्य की प्राप्ति में भी प्रभावी रूप से कार्य करेगी। परिवहन में सीएनजी के व्यापक उपयोग से प्रदूषण के स्तर में उल्लेखनीय कमी आएगी और नागरिकों का स्वास्थ्य बेहतर होगा। साथ ही, नीति के अंतर्गत प्राकृतिक गैस के उपयोग में विस्तार से भी पर्यावरण लक्ष्यों की प्राप्ति हो सकेगी।

यह नीति ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को भी प्रोत्साहित करती है। इसके अंतर्गत डिस्ट्रीब्यूशन कंपनियों के लिए अनुमति, भूमि आवंटन एवं अनुमोदन की प्रक्रिया को समयबद्ध एवं सरल बनाया गया है। नीति के क्रियान्वयन के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता वाली राज्य स्तरीय समिति का गठन किया जाएगा। वहीं, राज्य स्तर पर निदेशक, स्वायत्त शासन विभाग, स्थानीय निकायों से संबंधित प्रकरणों हेतु नोडल अधिकारी भी होंगे। प्रत्येक जिले में जिला कलक्टर की अध्यक्षता में डिस्ट्रिक्ट सिटी गैस कमेटी (डीसीजीसी) भी गठित होगी। साथ ही, सीजीडी पोर्टल भी विकसित किया जाएगा। यह नीति 31 मार्च 2029 तक अथवा अन्य नीति लागू होने तक प्रभावी रहेगी।

उल्लेखनीय है कि राईजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेन्ट समिट, 2024 में सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन कम्पनियों द्वारा राजस्थान सरकार के साथ 8 हजार 740 करोड़ रूपये के निवेश के लिए एमओयू हस्ताक्षरित किए गए थे। इस नीति से इन एमओयू का क्रियान्वयन अधिक तेजी से हो सकेगा।

विशेष गहन पुनरीक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम

5 करोड़ 75 लाख मतदाताओं से बीएलओ घर–घर जाकर भरवाएंगे गणना प्रारूप

जयपुर, 18 जुलाई (एजेंसियां)। राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स का एक दिवसीय विशेष गहन पुनरीक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम मुख्य चुनाव अधिकारी राजस्थान नवीन महाजन की अध्यक्षता में शुक्रवार को राजस्थान इन्टरनेशनल सेंटर के सभागार में आयोजित हुआ। मुख्य चुनाव अधिकारी ने उद्घाटन सत्र में बताया की बिहार की तर्ज पर जल्द ही भारत निर्वाचन आयोग ने संपूर्ण राष्ट्र में विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) अभियान चलाने का निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि इससे पूर्व 2002 में मतदाता सूचियों के रिवीजन का कार्य हुआ था। उन्होंने बताया कि राजस्थान में भी विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान चलाया जाएगा जिसमें बीएलओ घर–घर जाकर मतदाता सूचियों के शोधन का कार्य करेंगे।

उन्होंने बताया कि इसके लिए 16 व 18 जुलाई को आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में अब तक राज्य के 41 जिलों के 153 मास्टर ट्रेनर्स को विस्तृत प्रशिक्षण देकर उनकी क्षमता में अभिवृद्धिकरण का कार्य किया जा चुका है ताकि वे उनके जिलों में जाकर वहां के अन्य मास्टर टेनर्स, बीएलओ और सुपरवाइजर को उक्त कार्य हेतु प्रशिक्षित कर सकें।उन्होंने बताया कि इनके द्वारा प्रशिक्षित बीएलओ राजस्थान के 5 करोड़ 75 लाख मतदाताओं के घर–घर पहुंचकर गणना प्रारूप भरवाकर मतदाता सूची के शोधन का कार्य करेंगे। उन्होंने सभी मास्टर ट्रेनर्स को भारत निर्वाचन आयोग व मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय राजस्थान द्वारा समय–समय पर जारी दिशा निर्देशों व जानकारियों से अपने आप को अपडेट रखने व सभी प्रकार के अक्सर पूछे जाने वाले सवालों (एफ ए क्यू) की जानकारी रखने के लिए कहा है। संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. रौनक बैरागी ने विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) में बीएलओ की भूमिका के बारे में प्रथम सत्र लिया। उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी आलोक जैन ने इस दौरान संवैधानिक प्रवाधान, वैधानिक प्रावधान और बीएलओ की नियुक्ति के सम्बन्ध में द्वितीस सत्र लिया। इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी जयपुर आशीष कुमार उपस्थित रहे।

राजस्थान में अब अपराधियों की खैर नहीं

टॉप–25 सर्वाधिक वांछितों की नई सूची जारी 12 नए नाम शामिल, लाखों के इनाम घोषित

जयपुर, 18 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में संगठित अपराधों पर नकेल कसने और फरार अपराधियों को सलाखों के पीछे धकेलने के लिए राजस्थान पुलिस ने कमर कस ली है। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस, अपराध श्री दिनेश एम.एन. ने गुरुवार को एक महत्वपूर्ण आदेश जारी करते हुए राज्य स्तर पर 25 सर्वाधिक सक्रिय वांछित अपराधियों की एक नई सूची जारी की है। इस सूची में 12 नए अपराधियों को शामिल किया गया है, जो विभिन्न जघन्य अपराधों में वांछित हैं और जिन पर लाखों रुपये के इनाम घोषित हैं।

एडीजी दिनेश एम.एन. ने जयपुर/जोधपुर के पुलिस आयुक्तों, समस्त रेंज महानिरीक्षक पुलिस, पुलिस उपायुक्तों, समस्त जिला पुलिस अधीक्षकों, जी.आर.पी. और एटीएस/एसओजी सहित सभी पुलिस अधिकारियों को इन चिन्हित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए गहन प्रयास करने के निर्देश दिए हैं।एडीजी एम.एन. ने बताया कि हमने राज्य में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने और जनता में विश्वास बहाल करने का संकल्प लिया हैम ये 25 अपराधी समाज के लिए बड़ा खतरा हैं, और इनकी गिरफ्तारी हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। पुलिस की सभी इकाइयां तालमेल के साथ काम करेंगी ताकि कोई भी अपर–ाधी बच न पाए। जनता से भी हमारा आग्रह है कि वे किसी भी सूचना को बेझिझक पुलिस के साथ साझा करें।

बाघों के संरक्षण के लिए टाइगर रिजर्व की निगरानी सुदृढ़ करने के निर्देश

जयपुर, 18 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के वन राज्यमंत्री संजय शर्मा ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार को जैव विविधता संरक्षण एवं बाघों की सुरक्षा को लेकर कटिबद्ध बताते हुए बाघों के संरक्षण के लिए सीसीटीवी, ड्रोन सर्विलांस एवं ई–गश्त प्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाते हुए टाइगर रिजर्व की निगरानी को सुदृढ़ किये जाने के निर्देश दिए हैं।श्री शर्मा शुक्रवार को यहां राज्य में बाघों के संरक्षण एवं टाइगर रिजर्व की प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से गठित राजस्थान बाघ संरक्षण फाउंडेशन के शासी निकाय की तृतीय बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में अनिल अग्रवाल फाउंडेशन द्वारा रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व में एक करोड़ रुपये मूल्य के पेट्रोलिंग वाहन एवं एंटी–पोचिंग कैंप के लिए किए गए एमओयू का अनुमोदन भी किया गया।

सीईटी परीक्षा के लिए सरकार की पूरी तैयारी : नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़, 18 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि युवाओं की मांग को देखते हुए सरकार द्वारा प्रदेश में दूसरी सीईटी परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। सरकार ने सीईटी की परीक्षा को लेकर सभी तैयारियों को पूरा कर लिया है। प्रदेशभर से सीईटी ग्रुप–सी के लिए 13 लाख 87 हजार युवाओं ने आवेदन किया। इन आवेदकों की 26 व 27 जुलाई को परीक्षा ली जा रही है। युवाओं को परीक्षा केंद्र तक लेकर जाने और वापस छोड़ने के लिए 9200 बसों की व्यवस्था की गई है।मुख्यमंत्री शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कहा कि बस सुविधा के लिए युवाओं से रजिस्ट्रेशन करवाए जा रहे हैं। सरकार ने हरियाणा रोडवेज की

बसों के अलावा प्राइवेट स्कूलों की बसों को भी सीईटी परीक्षा के लिए तैयार किया है। इसके लिए प्राइवेट स्कूलों से आग्रह किया था, ताकि युवाओं और बेटियों को सुविधा मुहैया करवाई जा सके। परीक्षा के समय युवतियों के साथ परिवार का एक सदस्य भी पेपर के समय फ्री में यात्रा कर सकता है।मुख्यमंत्री ने रॉबर्ट वाड्रा के संबंध में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए कहा कि लंबे समय से उन पर केस चल रहा था जिसकी जांच चल रही थी। कांग्रेस ने लंबे समय तक कई गलतियां और भ्रष्टाचार को किया हुआ है जो किसी न किसी दिन तो सामने आने ही थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने अपने शासनकाल में नियमों को ताक पर रखकर गरीब वर्ग को और गरीब और कुछ लोगों को बहुत ज्यादा अमीर बनाने का काम किया, इनमें एक नाम रॉबर्ट वाड्रा भी शामिल है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के संबंध में किए गए सवाल के जवाब में कहा कि भगवंत मान की सरकार के पीछे दूसरी ताकतें काम कर रही हैं जिसके कई कामों का तो मुख्यमंत्री भगवंत मान को भी पता नहीं होता है।

बहानेबाजी छोड़कर किसानों के लिए जल्द से जल्द खाद उपलब्ध करवाए सरकार : कुमारी सैलजा

सिरसा, 18 जुलाई (एजेंसियां)। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि हरियाणा में डीएपी और यूरिया खाद को लेकर कई जगहों पर प्रदर्शन हो रहे है जिनमें हिसार, पिहोवा, सिरसा और महेंद्रगढ़ प्रमुख हैं। किसानों ने डीएपी और यूरिया की कमी, कालाबाजारी, और बढ़ी हुई कीमतों को लेकर सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया है। स्वयं को किसान हितेषी होने का दावा करने वाली प्रदेश की भाजपा सरकार हाथ पर हाथ रखकर बैठी हुई है। न तो सरकार खाद की कालाबाजारी रोक पा रही है और न ही खाद की कमी को दूर कर पाई है। कांग्रेस किसानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी हुई है और किसानों की आवाज विधानसभा से लेकर लोकसभा तक उठाई जाएगी। मीडिया को जारी बयान में सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि हिसार में किसानों ने पगड़ी संभाल जट्टा

किसान संघर्ष समिति के बैनर तले सरकार का पुतला फूंका और डीएपी–यूरिया की कमी के खिलाफ प्रदर्शन किया। महेंद्रगढ़ में किसानों ने सरकारी खाद बिक्री केंद्र पर यूरिया खाद के लिए लंबी लाइनें लगाईं और खाद की कमी पर विरोध जताया।

उकलाना में खाद की कालाबाजारी को लेकर किसानों ने रोष जताया। बरवाला में किसानों ने एसडीएम कार्यालय पर प्रदर्शन कर डीएपी और यूरिया की कमी के लिए सरकार की आलोचना की। पिहोवा में किसानों ने नाराज होकर जाम लगा दिया। हिसार चंडीगढ़ नेशनल हाईवे पर जाम के कारण राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। किसानों का आरोप है कि अधिकारी झूठ बोलकर उन्हें गुमराह कर रहे हैं।

सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि धान की रोपाई के साथ ही क्षेत्र में खाद, विशेषकर डीएपी और यूरिया की मांग ने रफ्तार पकड़ ली है, लेकिन किसानों को यह खाद समय पर नहीं मिल रही। जिसका सबसे बड़ा कारण कालाबाजारी हैं। हांसी, नारनौंद और बास एरिया के दुकानदार विभागीय स्टॉक रिपोर्ट के बावजूद किसानों को खाद नहीं दे रहे, बल्कि निर्धारित मूल्य से ज्यादा दामों पर ब्लैक में बेच रहे हैं। सांसद ने कहा कि किसानों का आरोप है कि उन्हें समय पर खाद नहीं मिल रही है, और जो खाद मिल रही है, वह भी ब्लैक मार्केट में बेची जा रही है. इसके अलावा, बिजली बिलों में वृद्धि और नशाखोरी जैसे मुद्दों पर भी किसानों ने विरोध जताया है।

संघर्ष के दम पर जेजेपी करेगी जोरदार वापसी : दिग्विजय चौटाला

चंडीगढ़, 18 जुलाई (एजेंसियां)। जननायक जनता पार्टी के युवा प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला ने कहा है कि आज भाजपा और कांग्रेस से परेशान जनता निरंतर जेजेपी के साथ जुड़ रही है। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता जेजेपी को मजबूती प्रदान कर रहे है और आने वाले समय में जेजेपी संघर्ष दम पर जोरदार वापसी करेगी।

दिग्विजय ने कहा कि आम लोगों का विश्वास कांग्रेस और भाजपा से पूरी तरह उठ गया है इसीलिए चौधरी देवीलाल की नीतियों से जुड़े लोग एकजुट होकर जेजेपी के साथ आगे बढ़ रहे है। दिग्विजय चौटाला ने कहा कि इस बार विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का जोरदार माहौल था, लेकिन पुत्र मोह के चलते पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने बनी बनाई सरकार खोने का काम किया। उन्होंने कहा कि चुनाव परिणाम के बाद हर जगह यही चर्चा रही कि हुड्डा ने घर आई सरकार को ठोकर मार दी और जनभावनाओं के साथ खिलवाड़ किया। दिग्विजय चौटाला ने कहा कि अब जनता अपने और पराए की अच्छे से पहचान कर चुकी है। वे शुक्रवार को रोहतक जिले में जेजेपी के युवा जोड़ो अभियान के तहत ग्रामीणों से रूबरू थे।दिग्विजय चौटाला ने कहा कि जेजेपी संगठन में युवाओं की अहम भूमिका है और जल्द युवाओं का एक मजबूत संगठन जेजेपी तैयार करेगी। उन्होंने कहा कि वे हर जिले के हर विधानसभा क्षेत्र में जाकर हलका स्तर पर युवाओं से संवाद कर रहे है और उनके मुद्दों को निरंतर उठा रहे है। दिग्विजय ने कहा कि आज भाजपा सरकार युवाओं के रोजगार को लेकर बिल्कुल गंभीर नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की नाकामी के कारण आज बेरोजगारी, खराब शिक्षा व्यवस्था, पेपर लीक, भर्तियों में खामियों के कारण प्रदेश के युवा परेशान है। दिग्विजय चौटाला ने कहा कि कि भाजपा का हरियाणा कौशल रोजगार निगम के अधीन लगे कर्मचारियों को पक्की नौकरी देने का वादा भी झूठा निकला क्योंकि आज एचकेआरएन कर्मचारियों के रोजगार के साथ छेड़छाड़ किया जा रहा है और उन्हें हटाया जा रहा है।

चकबंदी गांवों में अब वास्तविक कब्जाधारी को मिलेगा मुआवजा, 50 लाख भूमि दस्तावेज होंगे जल्द ऑनलाइन

पटना (एजेंसियां)। भूमि विवादों को कम करने और भूमि अभिलेखों की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए बिहार सरकार ने एक अहम कदम उठाया है।

भूमि और निबंधन से जुड़े सभी दस्तावेजों को डिजिटाइज करने की व्यापक प्रक्रिया शुरू की गई है। यह कार्य तीन चरणों में पूरा किया जाएगा, जिसके तहत कुल 4.17 करोड़ से अधिक दस्तावेजों को डिजिटल रूप से संरक्षित किया जाएगा।

मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग के अनुसार, पहले चरण में वर्ष 1990 से 1995 तक के 50 लाख से अधिक दस्तावेजों को डिजिटाइज किया जाएगा। इस कार्य के लिए अप्रैल 2025 से पांच एजेंसियां काम कर रही हैं। विभाग का लक्ष्य जुलाई 2025 तक इस चरण को पूरा करना है।

विभाग के अनुसार, दूसरे चरण में 1948 से 1990 तक के 2.23 करोड़ दस्तावेज और तीसरे चरण में 1908 से 1947 तक के 1.44 करोड़ से अधिक दस्तावेज डिजिटाइज किए जाएंगे। विभाग के पास 1796 से अब तक के दस्तावेज कागज के रूप में मौजूद हैं, जिनमें 99 प्रतिशत दस्तावेज जमीन से जुड़े हैं।

महानिरीक्षक निबंधन रजनीश कुमार सिंह ने जानकारी दी कि निबंधित दस्तावेजों के डिजिटल होने से नागरिक घर बैठे इन्हें देख और डाउनलोड कर सकेंगे। इससे खासकर वरिष्ठ नागरिकों को बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने बताया कि दस्तावेजों को स्कैन कर, उनकी जानकारी अपलोड कर और फिर उन्हें सार्वजनिक किया जा रहा है। इस प्रक्रिया से पारदर्शिता बढ़ेगी, विवाद घटेंगे और भू माफियाओं की गतिविधियों पर अंकुश लगेगा।

वहीं, चकबंदी किए गए गांवों में भू अर्जन के दौरान उत्पन्न हो रही जटिलताओं के समाधान के लिए भी राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने दिशा निर्देश जारी किए हैं।

अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने सभी जिलों के समाहर्ताओं को निर्देश दिया है कि खतियान, जमाबंदी और दखल कब्जा में यदि अंतर हो तो मुआवजा वास्तविक कब्जाधारी रैयत को ही दिया जाए।

बिहार चकबंदी अधिनियम, 1956 के तहत 5657 गांवों में चकबंदी की प्रक्रिया शुरू की गई थी, जिनमें 2158 गांवों में प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। परंतु कई स्थानों पर अभी भी पुरानी सर्वे खतियान के आधार पर कब्जा बना हुआ है। इससे मुआवजा वितरण में अड़चनें आ रही थीं। अब जिला भू अर्जन पदाधिकारी आत्मभारित आदेश जारी कर वास्तविक कब्जाधारी को मुआवजा देने की प्रक्रिया शुरू करेंगे, भले ही खतियान या जमाबंदी से उसका नाम मेल न खाता हो। इसके लिए विधिक परामर्श प्राप्त किया गया है और संबंधित अधिनियमों में संशोधन प्रक्रिया भी जारी है। संशोधन की प्रतीक्षा किए बिना यह अंतरिम समाधान लागू किया गया है ताकि विकास कार्यों की गति बाधित न हो।

बलिया में राम जानकी मंदिर के पुजारी की करंट लगने से मौत

सीवान (एजेंसियां)। आंदर थाना क्षेत्र के बलिया गांव स्थित राम जानकी मंदिर में शुक्रवार को करंट लगने से पुजारी की मौत हो गई। मृतक की पहचान प्रिंस कुमार (19 वर्ष), पिता अर्जुन साह, निवासी टिकरी गांव (थाना-हुसैनगंज) के रूप में हुई है। मंदिर में वे वाल्मीकि दास नाम से पूजा-अर्चना किया करते थे। जानकारी के अनुसार, रोजाना की तरह शुक्रवार सुबह प्रिंस मंदिर परिसर की सफाई कर फूल तोड़ने निकले थे। इसी दौरान वे बिजली के खुले तार की चपेट में आ गए। गंभीर रूप से झुलसे प्रिंस को ग्रामीणों ने आनन-फानन में आंदर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

पुजारी की मौत की खबर से मंदिर परिसर और गांव में शोक की लहर दौड़ गई। मृतक की मां राजमती देवी का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों की भारी भीड़ श्रद्धांजलि देने मंदिर परिसर में उमड़ पड़ी। पूर्व जिला परिषद सदस्य योगेंद्र यादव ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर सांत्वना दी और प्रशासन से आर्थिक मुआवजे की मांग की। ग्रामीणों ने भी इस हादसे पर दुख जताया और परिवार को हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और घटना की जांच शुरू कर दी है।

नदी में नहाने के दौरान तीन बच्चों की डूबने से मौत, गोताखोरों की मदद से निकाला गया शव

पटना (एजेंसियां)। रोहतास जिले के अकोढ़ीगोला थाना क्षेत्र अंतर्गत बघाखोह टोला के पास काव नदी में नहाने के दौरान तीन बच्चों की डूबने से मौत हो गई। यह हादसा गुरुवार देर शाम हुआ। स्थानीय गोताखोरों की मदद से तीनों शवों को नदी से बाहर निकाला गया, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें कब्जे में लेकर शुक्रवार को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, सासाराम भेज दिया। एक साथ तीन बच्चों की मौत से गांव में मातम पसर गया है और परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

जानकारी के अनुसार, बघाखोह टोला गांव के चार बच्चे गुरुवार की शाम काव नदी में नहाने गए थे। इस दौरान नदी का तेज बहाव उनके लिए जानलेवा साबित हुआ। चारों बच्चे पानी में फंस गए, जिसमें से तीन की डूबने से मौत हो गई, जबकि एक बच्चा किसी तरह तैरकर सुरक्षित बाहर निकलने में सफल रहा। डूबने वालों में गांव के रामाश्रय यादव उर्फ पंजाबी सिंह यादव के दो बेटे विकास कुमार (12) और शशि कुमार (10) शामिल हैं। तीसरा मृतक विनोद सिंह का पुत्र कुंदन कुमार (13) था।

जैसे ही सुरक्षित बचे बच्चे ने गांव पहुंचकर हादसे की सूचना दी, ग्रामीण बड़ी संख्या में घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने तुरंत बचाव कार्य शुरू किया और आस-पास के क्षेत्रों से गोताखोरों को बुलाया गया। कड़ी मशक्कत के बाद तीनों बच्चों के शव नदी से बरामद किए जा सके।

घटना की सूचना मिलते ही अकोढ़ीगोला थाना पुलिस और अंचलाधिकारी मौके पर पहुंचे। इस दौरान मृतक विकास और शशि के पिता रामाश्रय यादव ने अपने दोनों बेटों के शवों का पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया।

पुलिस ने फिलहाल कुंदन कुमार के शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया जारी है।

चिराग के सांसद का तेजस्वी पर हमला

जिनके परिवार में दो मुख्यमंत्री रहे उनकी पढ़ाई केवल 9वीं कक्षा तक

पूर्णिया (एजेंसियां)। लोजपा (रामविलास) के खगड़िया सांसद राजेश वर्मा शुक्रवार को एक दिवसीय दौरे पर किशनगंज पहुंचे। इस दौरान उन्होंने विपक्ष और खासकर राजद नेता तेजस्वी यादव पर तीखा हमला बोला। वर्मा ने तेजस्वी यादव की शैक्षणिक योग्यता पर सवाल उठाते हुए कहा कि जिनके परिवार में दो-दो मुख्यमंत्री रहे, उनकी पढ़ाई केवल 9वीं कक्षा तक ही सीमित रह गई।

सांसद ने तेजस्वी यादव की भाषा शैली को लेकर भी आपत्ति जताई और कहा कि सत्ता से बाहर होने के बावजूद वे जिस तरह की भाषा का प्रयोग कर रहे हैं, वह मर्यादा के खिलाफ है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर तेजस्वी सत्ता में लौटते हैं, तो बिहार में एक बार फिर 'जंगलराज' जैसी स्थिति बन सकती है।

मतदाता पुनरीक्षण को लेकर विपक्ष की ओर से लगाए जा रहे आरोपों को वर्मा ने खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि विपक्ष लगातार यह भ्रम फैला रहा है कि संविधान में कुछ बदलाव हुआ है, जबकि सच्चाई यह है कि लोकसभा चुनाव के दौरान भी संविधान नहीं बदला गया था और न ही अब कोई बदलाव किया गया है।

राजेश वर्मा ने पार्टी की आगामी रणनीति का जिक्र करते हुए कहा कि लोजपा रामविलास बिहार में अधिक से अधिक सीटों पर चुनाव लड़ेगी। एनडीए को मजबूत करना उनकी प्राथमिकता है। इस मौके पर पार्टी के प्रदेश महासचिव मोहम्मद कलीमुद्दीन समेत दर्जनों कार्यकर्ता और स्थानीय लोग मौजूद रहे।

घोघा में धान रोपनी करने गई दो महिलाएं लापता, एक का शव बरामद

गेरुआ नदी में एसडीआरएफ की खोजबीन जारी

भागलपुर (एजेंसियां)। भागलपुर के घोघा थाना क्षेत्र के शाहपुर गांव से धान रोपनी करने गई दो महिलाओं के लापता होने का मामला सामने आया है। इनमें से एक महिला का शव बरामद कर लिया गया है, जबकि दूसरी महिला की तलाश के लिए एसडीआरएफ की टीम गेरुआ नदी में सर्च ऑपरेशन चला रही है।

लापता महिलाओं की पहचान शाहपुर गांव निवासी बीरबल मंडल की पत्नी पिंकी देवी और कुलकुलिया गांव निवासी अशोक मंडल की पत्नी रेखा देवी के रूप में हुई है। दोनों महिलाएं बुधवार को मजदूरों की एक टोली के साथ साधोपुर कुशहा बहियार स्थित गेरुआ नदी पार कर प्रदीप यादव के खेत में धान रोपनी करने गई थीं। घटना के दो दिन बाद शुक्रवार सुबह रसलपुर थाना क्षेत्र के पकड़तल्ला गांव के पास गंगाधार से एक महिला का शव बरामद हुआ। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। शव की पहचान रेखा देवी के रूप में की गई है। वहीं, पिंकी देवी का अब तक कोई सुराग नहीं मिला है। लापता महिलाओं के परिजनों ने खेत मालिक प्रदीप यादव पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि प्रदीप यादव ने नदी पार कराने के बहाने दोनों महिलाओं को डुबोकर मार दिया है। घटना से आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने एनएच-80 को तीन घंटे तक जाम कर दिया। पुलिस के समझाने-बुझाने के बाद जाम हटाया गया। स्थानीय लोगों के मुताबिक, गेरुआ नदी में तीन-चार फीट गहराई में पानी था और तेज बहाव बना हुआ था। कथित तौर पर खेत मालिक के बेटे ने अन्य महिलाओं को हाथ पकड़कर नदी पार कराया था।

खुशी हत्याकांड में पीड़ित परिवार को धमकियां, माले विधायक ने एसपी से की सुरक्षा और गिरफ्तारी की मांग

सीवान (एजेंसियां)। सीवान के मैरवा थाना क्षेत्र में खुशी कुशवाहा हत्याकांड के मामले में अब पीड़ित परिवार को जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। मामले को लेकर जीरादेई के भाकपा (माले) विधायक अमरजीत कुशवाहा ने पीड़ित परिवार के साथ सीवान एसपी मनोज कुमार तिवारी से मुलाकात की और आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी व परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की।

विधायक ने कहा कि न केवल खुशी हत्याकांड, बल्कि जिले में हरदिया और मलमलिया गोलीकांड जैसी बढ़ती आपराधिक घटनाओं ने आम नागरिकों में असुरक्षा की भावना बढ़ा दी है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से अपराध पर सख्त नियंत्रण की मांग की।

गौरतलब है कि पिछले महीने जमीन विवाद के चलते खुशी कुशवाहा को बहला-फुसलाकर उत्तर प्रदेश ले जाया गया था, जहां उसकी हत्या कर दी गई। इस घटना के बाद इलाके में आक्रोश फैल गया और स्थानीय लोगों ने कैंडल मार्च और धरना-प्रदर्शन कर दोषियों को सख्त सजा देने की मांग की थी।

हालांकि, पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर कुछ आरोपियों को गिरफ्तार किया है, लेकिन कई मुख्य आरोपी अब भी फरार हैं। इस बीच, खुशी की बुआ और एफआईआर दर्ज कराने वाली आरती देवी को लगातार फोन पर धमकियां मिल रही हैं। अपराधियों ने उनके बच्चों को नुकसान पहुंचाने और खुशी जैसी हालत कर देने की धमकी दी है, अगर केस वापस नहीं लिया गया तो। एसपी से मुलाकात के दौरान विधायक अमरजीत कुशवाहा ने पूरे मामले की जानकारी दी और कहा कि पीड़ित परिवार को तत्काल सुरक्षा दी जाए। उन्होंने जोर दिया कि अपराधियों को जल्द गिरफ्तार कर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके और आम जनता का भरोसा कानून व्यवस्था पर बना रहे। इस पर एसपी मनोज कुमार तिवारी ने भरोसा दिलाया कि फरार आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा और परिवार की सुरक्षा के लिए पर्याप्त कदम उठाए जाएंगे। साथ ही, जिले में अपराध नियंत्रण के लिए पुलिस सक्रियता से काम कर रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने कुमारस्वामी को अवमानना मामले में दी राहत

नई दिल्ली (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने केंद्रीय मंत्री एच डी कुमारस्वामी को अदालती अवमानना कार्यवाही में आरोपी बनाने से संबंधित कर्नाटक उच्च न्यायालय के एक आदेश पर गुरुवार को रोक लगाकर उन्हें राहत दी।

न्यायमूर्ति पंकज मिथल और न्यायमूर्ति प्रसन्ना बी वराले की पीठ ने निर्देश दिया कि श्री कुमारस्वामी को अवमानना मामले में आरोपी बनाने संबंधी कर्नाटक उच्च न्यायालय के आदेश को स्थगित रखा जाए।

पीठ ने पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवगौड़ा के पुत्र एवं कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री तथा जनता दल सेक्युलर नेता की ओर से दायर एक याचिका पर गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) 'समाज परिवर्तन समुदाय' को नोटिस जारी कर चार सप्ताह के भीतर जवाब मांगा।

शीर्ष अदालत ने इस मामले में लोकायुक्त जाँच बंद होने के बावजूद अवमानना कार्यवाही जारी रखने के औचित्य पर भी मौखिक रूप से सवाल उठाया।

यह मामला 2011 में कर्नाटक लोकायुक्त के समक्ष केथगनहल्ली गाँव, बिदादी होबली, रामनगर तालुक में कथित अतिक्रमण के संबंध में की गई एक शिकायत पर एक लंबे समय से चल रहे विवाद से संबंधित है।

एनजीओ ने 2020 में कर्नाटक उच्च न्यायालय में लोकायुक्त के आदेश के अनुसार कथित अतिक्रमण की जाँच की माँग करते हुए एक रिट याचिका दायर की थी। राज्य सरकार के जाँच के आश्वासन के आधार पर उच्च न्यायालय ने 14 जनवरी, 2020 को याचिका का निपटारा कर दिया था। इस मामले में कुमारस्वामी को एक पक्षकार बनाया गया था, लेकिन उन्हें उन कार्यवाहियों में नोटिस जारी नहीं किया गया।

इसके बाद एनजीओ ने 14 जनवरी, 2020 के आदेश का पालन न करने का आरोप लगाते हुए उच्च न्यायालय में अवमानना की शिकायत की। हालाँकि, श्री कुमारस्वामी को शुरू में अवमानना कार्यवाही में एक पक्ष बनाया गया था, लेकिन बाद में उच्च न्यायालय ने ही उन्हें पक्षकारों की सूची से हटा दिया।

कर्नाटक लोकायुक्त की ओर से तीन मार्च, 2021 को औपचारिक रूप से जांच बंद कर दी गई थी। बावजूद इसके, उच्च न्यायालय ने अवमानना कार्यवाही के दौरान मामले की निगरानी जारी रखी और बेदखली के उपायों को लागू करने का निर्देश दिया।

इन निर्देशों के अनुसरण में, रामनगर तालुक के तहसीलदार द्वारा जनता दल-सेक्युलर नेता को एक नोटिस जारी किया गया, जिसमें बेदखली की कार्यवाही शुरू की गई, जिससे उन्हें लंबित अवमानना मामले की जानकारी मिली।

पूर्व मुख्यमंत्री ने शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया, जिसके बाद अदालत ने याचिका का निपटारा कर दिया और उन्हें उच्च न्यायालय में उपस्थित होने और बिना सुनवाई के कार्यवाही के अधीन होने पर अपनी चिंता व्यक्त करने की अनुमति प्रदान की।

श्री कुमारस्वामी ने उच्च न्यायालय में एक आवेदन दायर किया, जिसमें घटनाक्रम को उजागर किया गया। फिर भी 17 अप्रैल, 2025 को, उच्च न्यायालय ने उन्हें अवमानना कार्यवाही में आरोपी संख्या तीन के रूप में रखने का आदेश पारित किया, जबकि मूल रिट याचिका में उनका नाम पहले ही हटा दिया गया था और उन्हें कोई सूचना नहीं दी गई थी।

इस मामले में कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री कुमारस्वामी ने शीर्ष अदालत का फिर से दरवाजा खटखटाया।

अदालत के समक्ष श्री कुमारस्वामी का पक्ष रखने वरिष्ठ अधिवक्ता सी. आर्यमा सुंदरम, अधिवक्ता बालाजी श्रीनिवासन, निशांत ए.वी. और हर्ष त्रिपाठी पेश हुए। इसके अलावा 'समाज परिवर्तन समुदाय' की ओर से अधिवक्ता प्रशांत भूषण कैविएट पर उपस्थित हुए।

नकाबपोश अपराधियों ने परिजनों को बंधक बनाकर की लूटपाट, नगदी-जेवर समेत लाखों की संपत्ति ले उड़े

पटना (एजेंसियां)। नालंदा जिले के अस्थावां थाना क्षेत्र स्थित जंगीपुर गांव में सोमवार की रात नकाबपोश डकैतों ने एक किराना दुकानदार के घर में धावा बोलकर डकैती की बड़ी वारदात को अंजाम दिया। घटना में डकैतों ने परिवार के सभी सदस्यों को बंधक बना लिया और हथियार के बल पर डेढ़ घंटे तक लूटपाट की। अपराधी करीब तीन लाख रुपये नकद और लगभग साढ़े चार लाख रुपये मूल्य के जेवरात समेत अन्य कीमती सामान लूटकर फरार हो गए। पीड़ित दुकानदार रंजीत साव ने बताया कि सोमवार रात करीब 12 बजे के आसपास छह की संख्या में नकाबपोश बदमाश छत के रास्ते घर में दाखिल हो गए। सभी के पास हथियार थे। उन्होंने परिवार के सदस्यों को नींद से जगा कर आंगन में लाकर एक जगह बैठाया और उनके हाथ रस्सियों से बांध दिए। इसके बाद बदमाशों ने स्टोरवेल, पेटी और बक्से के ताले तोड़कर उसमें रखे नगदी और जेवरात निकाल लिए।

लूट के दौरान डकैत आपस में मगही और शुद्ध हिंदी में बात कर रहे थे। सभी की उम्र करीब 25 से 32 वर्ष के बीच थी। भागते समय एक बदमाश का हथियार (कट्टा) और लोहे की कटर मशीन घर में ही छूट गई। विरोध करने पर बदमाशों ने रंजीत साव और उनके बेटे के साथ मारपीट भी की।

पीड़ित रंजीत साव घर में ही किराना दुकान चलाते हैं। घटना के बाद उनके पूरे परिवार में दहशत का माहौल है। घटना की सूचना मिलते ही अस्थावां थाना पुलिस मौके पर पहुंची। बाद में डीएसपी सदर नुरुल हक भी घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की छानबीन की। उन्होंने बताया कि डकैती की सूचना मिलते ही एफएसएल (फॉरेंसिक साइंस लैब) की टीम और डॉग स्कॉड को मौके पर बुलाया गया। घटनास्थल से डकैतों द्वारा छोड़ा गया कट्टा बरामद हुआ है। पुलिस ने घटना के हर पहलू की गंभीरता से जांच शुरू कर दी है और जल्द ही अपराधियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी का दावा किया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरि जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com